राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 64
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 18 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 दिल्ली की आजादपुर मंडी में काम बांटने को लेकर हुआ था झगड़ा, साथी ने मजदूर की गोली मारकर की हत्या

पेज 5 सौतेले पिता और मामा समेत तीन लोगों ने किशोरी के साथ किया सामूहिक दुष्कर्म, प्रेगनेंट होने पर कराया गर्भपात

पेज 7 क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय की मौत का असर, कैडबरी चॉकलेट समेत 600 ब्रांड्स खो सकते हैं शाही सील

झारखंड में 30 फीट गहरी नदी में गिरी बस

7 सिख श्रद्धालुओं की मौत, कई घायल

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग में शनिवार को एक बस अनियंत्रित होकर पुल से 30 फीट नीचे नदी में गिर गई। 7 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 22 से ज्यादा लोग घायल हैं। बस में 52 लोग सवार थे। गंभीर रूप से घायलों को हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल अस्पताल में एडमिट कराया गया है।

मृतक और घायल गिरिडीह के बताए जा रहे हैं। बस में सभी सिख समुदाय के लोग थे। बस से गिरिडीह से रांची के रातू रोड स्थिति गुरुद्वारा में आयोजित धार्मिक कीर्तन में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान हजारीबाग में सिवाने नदी पर हादसा हो गया। नदी

में पानी कम था। शव बस में फंस गए थे। काफी मशक्कत के बाद गैस कटर से बस की बॉडी काटकर शवों को निकाला गया। ड्राइवर और एक बच्चे की स्थिति गंभीर है। दोनों को रिम्स रेफर किया गया है।

दुर्घटना के कारणों का नहीं चल सका है पता

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गिरिडीह से आ रही शिवशक्ति बस टाटी झरिया के सिवाने नदी पुल के पास अचानक असंतुलित हो गई। इसके बाद पुल से बैरिकेडिंग तोड़ते हुए नदी में जा गिर गई। अभी तक एक्सीडेंट के कारण का पता नहीं चल पाया है। ब्रेक फेल हो जाने की बात सामने आ रही है।

परिवार वालों ने आरोप लगाया कि घायलों को जब हजारीबाग मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में लाया गया, तब यहां प्रबंधन की लापरवाही सामने आई। न ही सुपरिटेंडेंट और न ही डिप्टी सुपरिटेंडेंट अस्पताल पहुंचे। आनन-फानन में प्रशासन को गंभीर रूप से घायलों को निजी अस्पताल में एडमिट कराना पड़ा। मृतकों में सुरजीत सिंहग सेवादार (43), रानी कौर सलूजा (70) कमलजीत कौर (45), जगजीत कौर (70), शिवा (20), रविंद्र कौर (46) और अमृत पाल अरोड़ा (22) हैं।

झारसुगुडा में सड़क हादसे में सात की मौत, 25 से अधिक घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा में संबलपुर-झारसुगुड़ा बीजू एक्सप्रेस-वे पर साराबहल के समीप शुक्रवार रात कोयले से लदे ट्रक की जेएसडब्ल्यू-बीपीएसएल कर्मचारियों को ले जा रही बस से जोरदार टक्कर हो गयी। यह भिडंत इतनी भीषण थी कि सात लोगों की मौत हो गयी और अन्य 25 से अधिक घायल हो गये।

सूत्रों के अनुसार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य तीन घायलों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था। यह दुर्घटना उस समय हुई जब कंपनी के 50 से अधिक कर्मचारी थेलकुली में अपने संयंत्र से झारसुगुडा लौट रहे थे। ट्रक ने पहले दो गायों को टक्कर मारी और फिर डिवाइडर से टकरा कर उसकी बस से भिडंत हो

गयी। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने पीड़ितों को बस से निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। सूत्रों के मुताबिक गंभीर रूप से घायलों में से छह को विम्सर, बुर्ला ले जाया गया है। जबकि 18 को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई और चार का जिला मुख्यालय अस्पताल में इलाज चल रहा है। जिला कलेक्टर और संयत्र के वरिष्ठ अधिकारी अस्पताल पहुंच गए हैं और घायलों की देखभाल कर रहे हैं।

कलेक्टर और एसडीपीओ ने कही कार्रवाई की बात

इस हादसे के बारे में अधिक जानकारी देते हुए झारसुगुड़ा एसडीपीओ, निर्मला महापात्रा ने कहा है कि यह हादसा बहुत भीषण है। हादसे में घायल हुए लोगों को हम बचाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। झारसुगुड़ा कलेक्टर सरोज सामल ने भी इस घटना पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा, ट्रक चालक की गैर-जिम्मेदाराना ड्राइविंग के कारण यह दुर्घटना हुई। लगभग 18 को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि गंभीर रूप से घायल छह अन्य लोगों को विम्सर ले जाया गया और चार का डीएचएच में इलाज चल रहा है।

ओवरटेक करते ट्रक से टकराई क्रूजर, 4 की मौत

रिश्तेदार के यहां शोक जताने उदयपुर गए थे, लौटते समय बड़ा हादसा

चित्तौड़गढ़। निम्बाहेड़ा-मंगलवाड़ स्टेट हाइवे पर ट्रेलर को ओवरटेक करने के चक्कर में क्रूजर सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गई। इस भीषण टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में 7 घायल हो गए। सभी एमपी के रहने वाले थे। उदयपुर में अपने रिश्तेदार से यहां इंतकाल में दुख जताने गए थे। हादसा चित्तौड़गढ़ के मंगलवाड़ थाना क्षेत्र के मोरवन गांव के पास शुक्रवार देर रात का है।

मंगलवाड़ थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि निम्बाहेड़ा-मंगलवाड़ स्टेट हाइवे पर एमपी की क्रूजर गाड़ी एक ट्रेलर को ओवरटेक कर रही थी। इसी दौरान सामने से एक ट्रक निम्बाहेड़ा से मंगलवाड़ की ओर

जा रही थी। हाइवे रोड़ पर कोई डिवाइडर नहीं होने के कारण क्रूजर गाड़ी सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गई। दोनों ही वाहन टकराने के बाद पलट गए।

हादसा इतना भीषण था कि दोनों ही गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। क्रूजर में सवार एक की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी ट्रक ड्राइवर सहित 10 लोग

गंभीर घायल हुए। उन्हें उदयपुर के महाराणा भोपाल राजकीय हॉस्पिटल ले जाया गया। इस बीच दो लोगों ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इसके बाद इलाज के दौरान एक और की मौत हो गई।

क्रूजर गाड़ी में सवार सभी लोग एक ही परिवार के हैं। सभी मध्यप्रदेश के इंदौर में रहते हैं और उदयपुर अपने रिश्तेदार के घर मिलने गए थे। उनके रिश्तेदार में किसी की मौत हो जाने के कारण उनके वहां बैठने गए थे। वापस उदयपुर से इंदौर लौटते समय यह हादसा हो गया।

हादसे में सोहेल (34)पुत्र मुबारिक, शकीला (60)पत्नी जाकिर कुरेशी, जाहिद उर्फ बाबू पुत्र जाकिर, राजा पुत्र मोहम्मद जाकिर की मौत हो गई है। वहीं, परिवार के अन्य सदस्य फैजल उर्फ मोहम्मद जाकिर (30), आफरीन (22)पुत्री जाकिर, मुस्कान (40)पत्नी तबरेज, फिरोज उर्फ परवीन पुत्री शराफत हुसैन, मोहम्मद जाकिर, नासिर पुत्र बगरुद्दीन घायल हैं। घायलों को उदयपुर एडमिट कराया गया।

पीएम ने छोड़े देश की सरजमीं पर 8 चीते

कूनो में मोदी ने फोटो खींचे; खाना-पानी मिलने के बाद चीतों ने लगाई छलांग

कूनो। नामीबिया से लाए गए चीतों को पीएम मोदी ने शनिवार को कूनो नेशनल पार्क के बाड़े में छोड़ा। इसके एक घंटे तक चीते डरे सहमे नजर आए। बाड़े में छोड़े जाने के करीब 3 घंटे बाद चीतों ने पानी पीया, जिसके बाद उनमें फुर्ती नजर आई और उन्होंने भैंसे का मीट खाया। वन विभाग के एक अफसर के मुताबिक चीते बाड़े में छोड़े जाने के बाद करीब 1 घंटे तक डरे-सहमे थे। ऐसा थकान की वजह से हुआ होगा, क्योंकि नामीबिया से कूनों तक 9 हजार किलोमीटर सफर के दौरान वे करीब 10 घंटे तक पिंजड़े में रहे। नामीबिया से भारत लाने के दौरान चीतों को खाली पेट रखा गया था। चीतों ने दोपहर करीब 2 बजे बाड़े में

बने हौद में पानी पीया। उसी समय 2 चीतों ने पानी पीने के बाद कुछ समय दौड़ भी लगाई। इसके बाद टीम ने चीतों का चेकअप किया। शाम करीब 4 बजे चीतों को भैंसे का मांस दिया गया। चीतों ने 8 से 9 किलो ही मीट खाया था

इससे पहले भारत का 70 साल का इंतजार शनिवार को उस वक्त खत्म हो गया, जब नामीबिया से आए 8 चीतों ने देश की सरजमीं पर पहला कदम रखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूनो नेशनल पार्क में बॉक्स खोलकर 2 चीतों को क्वारंटीन बाड़े में छोड़ा। रिकॉर्डेड भाषण में पीएम मोदी ने चीते भेजने के लिए नामीबिया का आभार माना।

पीएम मोदी ने चीता मित्रों से कहा- कूनो में चीता फिर से दौड़ेगा तो यहां बायोडायवर्सिटी बढ़ेगी। यहां विकास की संभावनाएं जन्म लेंगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। पीएम ने लोगों से अपील की कि अभी धैर्य रखें, चीतों को देखने नहीं आएं। ये चीते मेहमान बनकर आए हैं। इस क्षेत्र से अनजान हैं। कूनो को ये अपना घर बना पाएं, इसके लिए इनको सहयोग देना है।

कूनो में प्रधानमंत्री के लिए 10 फीट ऊंचा प्लेटफॉर्मनुमा मंच बनाया गया था। इसी मंच के नीचे पिंजरे में चीते थे। पीएम ने लीवर के जरिए बॉक्स को खोला। चीते बाहर आते ही अनजान जगह में सहमे हुए दिखे। सहमते कदमों के साथ इधर-उधर नजरें घुमाई और चहलकदमी करने लगे।

लंबे सफर की थकान चीतों पर साफ दिख रही थी। चीतों के बाहर आते ही पीएम मोदी ने ताली बजाकर उनका स्वागत किया। मोदी ने कुछ फोटो भी क्लिक किए। 500 मीटर चलकर मोदी मंच पर पहुंचे थे। वार्ता

लखीमपुरखीरी केस: 20 घंटे बाद किशोरी का अंतिम संस्कार

दो गिरफ्तार, दरोगा सस्पेंड, गांव में फोर्स तैनात

बिजुआ-खीरी। खीरी जिले के निघासन में दो बहनों के साथ हुई दरिंदगी की चर्चाएं चल ही रहीं थीं कि इसी जिले में एक और हैवानियत भरी घटना सामने आ गई। भीरा थाना क्षेत्र के एक गांव में रेप में नाकाम रहने पर शोहदों की पिटाई से जख्मी किशोरी की चार दिन बाद मौत के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। 20 लाख मुआवजा और एक सदस्य को नौकरी का आश्वासन मिलने पर 20 घंटे बाद किशोरी के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। मामला दो समुदाय का होने के चलते तनाव को देखते हुए गांव में भारी फोर्स तैनात की गई है। लापरवाही बरतने पर एसपी ने दरोगा सुनील यादव को निलंबित कर दिया है। रेप के प्रयास के आरोप की जांच एएसपी करेंगे।

घटना 12 सितंबर की है। भीरा थाना क्षेत्र के गांव में घर में अकेली किशोरी के घर इसी गांव के सलीमुद्दीन और आसिफ घुस आए। किशोरी के भाई का आरोप है कि इन दोनों ने घर में घुसकर उसकी बहन के साथ रेप की कोशिश की। नाकाम रहने पर उसे बुरी तरह पीटा। शोहदों की पिटाई से जख्मी किशोरी की शुक्रवार देर शाम अस्पताल में मौत हो गई थी। इसके बाद परिजन पुलिस पर भड़क गए और जमकर हंगामा किया। रात एक बजे पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए कब्जे में सकी।

पुलिस ने मामले में सिर्फ मारपीट का केस ही दर्ज किया था। किशोरी की मौत के बाद अब गैर इरादतन हत्या की

धारा तो बढ़ा दी है मगर परिजनों के आरोप के मुताबिक रेप के प्रयास की धारा नहीं बढ़ाई है।

शनिवार को किशोरी के शव का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के पैनल ने किया। एसपी संजीव सुमन ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण साफ नहीं है। अब विसरा को जांच के लिए लैब भेजा जाएगा। शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि हल्का इंचार्ज और मामले के विवेचक सुनील यादव को लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।

उत्तराखंड का गैंग 5 राज्यों में करता है क्राइम

लूट, चोरी और ठगी करने वाले 8 बदमाश अरेस्ट; महिलाओं और बुजुर्गों को करते हैं टारगेट

गोरखपुर। गोरखपुर पुलिस ने अन्तर्राजीय गैंग के 8 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। उत्तराखंड के रहने वाले ये बदमाश देश के पांच राज्यों में जाकर लूट, चोरी और ठगी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। इस गैंग के बदमाश खासतौर पर बुजुर्गों को टारगेट करते हैं। शनिवार को सर्विलांस और कैंट थाने की पुलिस के संयुक्त प्रयास से कैंट इलाके से 8 बदमाश पकड़े गए हैं। इनके पास से चोरी का सामान भी पकड़ा गया है।

टारगेट पर होती हैं बुजुर्ग महिलाएं

एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया, पकड़े गए साबित बदमाश उत्तराखण्ड के उधम सिंह जिला के गदरपुर थाना के ठण्डानाला गांव के रहने वाले हैं। ये लोग गांव से ही सुनियोजित ढंग से अपने साथियों के साथ उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य

प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार प्रदेशों में जाते हैं। वहां पर किराये पर आवास लेकर रुकते हैं।

गैंग बनाकर निकलते हैं बदमाश

शहर का सर्वे करने के बाद ये बदमाश लोग टोली बनाकर बाइक से अपने शिकार की खोज में बैंको के इर्द- गिर्द और भीड़ भाड़ वाले इलाको में घुमते हैं। खास तौर पर बुजुर्ग महिलाओं को ज्यादातर शिकार बनाते हैं।

एसपी सिटी ने बताया, बदमाश पहले किसी महिला से बात करते हैं। उनको किसी न किसी समस्या को बताकर बात करते हैं और उनसे बातचीत से प्रभावित कर उनपर विश्वास में लेते हैं। इसी बीच इनका ही साथी आता है। वो अपनी समस्या को बताता हैए उससे उसका पैसा व सामान लेकर 15-20 कदम चलवाते हैं।

फिर वो आदमी लौटकर आकर बताता है कि मुझे भगवान के दर्शन हो गए। ये सब देख महिलाएं विश्वास कर लेती हैं। वो भी अपना गहना पैसा, सब निकालकर बदमाशों को दे देती हैं। जैसे ही महिलाएं भगवान का नाम लेकर कुछ दूर जाती हैं, बदमाश गहने लेकर फरार हो जाते हैं।

मोदी के जन्मदिन पर रक्तदान का बना विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शनिवार को देश विदेश में 95 हजार से अधिक लोगों ने रक्तदान कर एक नया इतिहास रच दिया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार देर शाम तक 95 हजार से अधिक लोग रक्तदान कर चुके हैं। अंतिम रूप से यह संख्या बढ़ने की संभावना है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार देर शाम एक ट्वीट में यह जानकारी देते हुए कहा, नया विश्व कीर्तिमान! आज मुझे बताते हुए हर्ष है की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन पर रक्तदान अमृत महोत्सव के तहत 87 हज़ार से अधिक लोगो ने अब तक स्वेच्छा से रक्तदान किया है, जो कि एक नया विश्व कीर्तिमान है।

देश में कोरोना महामारी के 5747 नए मामलों की पुष्टि

नयी दिल्ली, । देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना महामारी संक्रमण के 5742 नये मामले सामने आने के साथ संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,45,28,524 हो गयी। इसी अवधि में महामारी से 16 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की आंकड़ा बढ़कर 5,28,302 हो गया है और कोरोना सक्रिय मामले बढ़कर 46848 हो गए।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि सुबह सात बजे तक दो अरब 16 करोड़ 41 लाख 70 हजार 550 टीके दिये जा चुके हैं। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना महामारी के सक्रिय मामले 100 बढ़ने से इनकी संख्या 46848 हो गई।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 5618 लोग कोरोना मुक्त होने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 4,39,53,374 हो गयी हैं। देश में स्वस्थ होने की दर 98.71 प्रतिशत है। सक्रिय मामलों की दर 0.11 प्रतिशत है, दैनिक संक्रमण दर 1.69 प्रतिशत है और मृत्यु दर 1.19 फीसदी पर बरकरार है। पिछले 24 घंटों में तीन लाख 40 हज़ार 211 कोविड परीक्षण किए गये हैं।

अस्पताल के बाहर मां की गोद में बच्चे की मौत

पिता ने कहा- डॉक्टर्स ने भर्ती नहीं किया, 50 हजार रुपए मांग रहे थे

एजेंसी

प्रयागराज। यूपी में प्रयागराज के एक अस्पताल के बाहर मां की गोद में उसके 4 साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चे के पिता का आरोप है कि वे और उनकी पत्नी दो घंटे तक डॉक्टर्स से मिन्नतें करते रहे, लेकिन पचास हजार रुपए जमा नहीं करने के कारण उन्होंने बच्चे को भर्ती नहीं किया। शांतिपुरम् के प्राची अस्पताल गेट पर बेटे को शव को लेकर मां चीखती-चिल्लाती रही। अब इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है।

प्राची अस्पताल में दोपहर करीब 3 बजे मऊआइमा की रहने वाली राबिया अपने चार साल के बेटे शोएब को इलाज के लिए लेकर पहुंची। महिला यहां रोते हुए डॉक्टरों के सामने मिन्नतें करती रही। वह कह रही थी, डॉक्टर साहेब, हमरे भइया के बचाई ल...अस्पताल में भर्ती कई ल...। मगर, अस्पताल के डॉक्टरों ने कभी रुपए तो कभी रेफर करने की बात करते रहे। अस्पताल के किसी भी डॉक्टर ने बच्चे की हालत को गंभीरता से नहीं लिया। इसके चलते बच्चे को भर्ती नहीं किया गया।

राबिया ने बताया, पांच दिन से बच्चे की तबीयत खराब थी। वह मेनिनजाइटिस से पीड़ित था। उसे मऊआइमा के अमन अस्पताल में पहले भर्ती कराया था। हालत खराब होने के चलते प्राची अस्पताल लेकर आई। रास्ते में एंबुलेंस चालक ने 2 हजार रुपए मांगे। पैसे नहीं दिए, तो नाले के पास छोड़कर चला गया।

उसने बताया, इसके बावजूद मैं किसी तरह प्राची अस्पताल पहुंची, तो डॉक्टरों ने कहा कि घर के जिम्मेदार को बुलाओ। इसके बाद डॉक्टरों ने मुझसे पैसों के बारे में जानकारी ली। डॉक्टरों ने कहा कि तुम्हारे पैसा है कि नहीं, तो मैंने कहा कि मेरे पास कुछ पैसे हैं। इसके बाद डॉक्टर चले गए।

रिकवरी के लिए हत्या

4 दिन पहले मायके आई थी, ट्रैक्टर ले जाने से रोक रही थी; 1.20 लाख रु. बकाया थे

लोन रिकवरी एजेंट ने गर्भवती को ट्रैक्टर से कुचला

एजेंसी

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिला मुख्यालय से करीब 100 किमी दूर सिजुआ गांव में लोन वसूली करने गए एजेंटों ने किसान की गर्भवती बेटी को ट्रैक्टर से ही कुचल दिया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। युवती चार दिन पहले ही अपने मायके आई थी। पुलिस ने महिंद्रा फाइनेंस कंपनी के 4 लोगों पर हत्या का मामला दर्ज किया है। लोगों ने फाइनेंस कंपनी के दफ्तर को घेर लिया और कड़ी कार्रवाई की मांग की। चारों आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं।

हजारीबाग के सिजुआ गांव

निवासी दिव्यांग किसान मिथिलेश प्रसाद मेहता ने महिंद्रा फाइनेंस से 2018 में ट्रैक्टर फाइनेंस कराया था। करीब साढ़े पांच लाख के ट्रैक्टर की किश्तें वे लगातार चुका रहे थे। 1 लाख 20 हजार रुपए की 6 किश्त ही बाकी रह गई थीं। पैसों की कमी के कारण वे इन किश्तों को चुकाने में लेट हो गए।

फाइनेंस कंपनी ने बताया कि लोन बढ़कर 1 लाख 30 हजार हो गया है।

फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी कुछ दिन पहले आए तो वे बकाया के अलावा 12 हजार रुपए अतिरिक्त मांगने लगे। यह रकम नहीं देने पर वे लोग वापस लौट गए। गुरुवार को लगभग 11:30 बजे ट्रैक्टर को जबरदस्ती ले जाने लगे। इचाक थाना क्षेत्र के बरियठ गांव के पास परिजन ट्रैक्टर के सामने खड़े हो गए और लोन की रकम 1.20 लाख रुपए भरने की बात कही। इसी पर कर्मचारियों ने 12 हजार रुपए और मांगे।

मना करने पर फाइनेंस कंपनी के कर्मी ट्रैक्टर पर चढ़ गए और चिल्लाने लगे कि सामने से हट जाओ नहीं तो ट्रैक्टर चढ़ा देंगे। जब परिजन नहीं हटे तो रिकवरी एजेंट ने ड्राइवर को ट्रैक्टर बढ़ाने का आदेश दिया। ड्राइवर ने किसान की गर्भवती बेटी को ट्रैक्टर से कुचल डाला। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ट्रैक्टर लेकर भाग गए।

एसपी ने कहा- आरोपियों पर हत्या का मामला दर्ज होगा

में एसपी मनोज रतन चौथे ने बताया कि महिंद्रा फाइनेंस के रोशन सिंह समेत चार कर्मचारियों पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। सभी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। लगातार इस बात की सूचना मिल रही है कि फाइनेंस कंपनियों के एजेंट पैसे की वसूली के लिए अवैध और जोर-जबरदस्ती करते हैं। फाइनेंस कंपनियों को स्पष्ट हिदायत दी गई है कि वे नियमानुसार अपनी कार्रवाई करें। नियम के खिलाफ जाकर कार्रवाई करने पर उन्हें अंजाम भुगतना होगा।

2 गौरवशाली भारत
राज्यों से
नई दिल्ली
रविवार 18 सितंबर 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

आरएसएस प्रतिनिधिमंडल का धामी को ज्ञापन

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को शनिवार के लिये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधि मंडल ने भेंट कर, एक ज्ञापन सौंपा। साथ ही, कहा कि संघ पदाधिकारियों को बदनाम करने के लिए एक निर्मूल सूची (फेक लिस्ट) सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से इसकी उच्च स्तरीय जांच करवाए जाने का अनुरोध किया। ज्ञापन लेने के बाद श्री धामी ने पुलिस महानिदेशक को मामले की पूरी जांच कर समुचित कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं।

त्रिपुरा में माब लिचिंग के मामले में तीन गिरफ्तार

अगरतला। अगरतला के बाहरी क्षेत्र जिरानिया में शुक्रवार को एक संदिग्ध चोर की पीट पीट कर हत्या करने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को कहा कि इस मामले में पुलिस ने नंदी देब्बारमा (38),बिशू देब्बारमा (58) और दुलाल देब्बारमा (38) को गिरफ्तार किया है। तीनो से पूछताछ की जा रही है। भीड़ हिंसा में मारे गये व्यक्ति की पहचान अब तक नहीं की जा सकी है। माना जाता है कि मारे गये व्यक्ति ने शुक्रवार तड़के बिशू के घर का दरवाजा खटखटाया। बिशू के बाहर निकलने पर उसने हमला कर दिया। शोरगुल सुन कर पडोसी और परिवार के सदस्य निकल आये और उक्त व्यक्ति की पिटाई कर दी जिससे उसकी मृत्यु हो गयी।

त्रिपुरा माकपा ने भाजपा के खिलाफ एकजुट लड़ाई का आह्वान किया

अगरतला। त्रिपुरा में कांग्रेस के बाद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने शनिवार को अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनावों में भगवा ब्रिगेड के खिलाफ सभी गैर-भाजपा दलों को एकजुट होकर लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। वाम मोर्चा ने त्रिपुरा में कांग्रेस और टीआईपीआरए मोथा को अजेय ताकत माना है, लेकिन अन्य सभी क्षेत्रीय दलों के लिए निमंत्रण खुला रखा है। तृणमूल कांग्रेस के मामले में माकपा का मानना है कि ममता बनर्जी विपक्ष के मतों को विभाजित करने के लिए अपने हित के लिए भाजपा की बी-टीम के रूप में खेल खेल रही हैं। माकपा नेता और विपक्ष के उप नेता बादल चौधरी ने कहा कि टीएमसी और भाजपा के बीच कोई बुनियादी अंतर नहीं है - दोनों पार्टियां फासीवादी हैं। भ्रष्टाचार, लोकतांत्रिक संस्थाओं को बुलडोजर करना और लोगों की आवाज दबाना उनके लिए आभूषण बन गया है। भाजपा ज्यादातर राज्यों और राष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र को पंगु बना रही है और चूंकि टीएमसी की उपस्थिति पश्चिम बंगाल तक सीमित है, वे वहां भी ऐसा ही कर रहे हैं। उन्होंने कहा, भाजपा शासन में कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह चरमरा गई है। विपक्ष पर हमले हो रहे हैं, जबकि पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। वास्तविक विकास के मुद्दों पर विभाजित विपक्ष की आवाज भी उपेक्षित रही है। इसलिए, समय आ गया है कि विपक्ष एकजुट हो जाए और चुनाव में भाजपा को जवाब दे।

धामी ने राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत एक क्षय रोगी को लिया गोद

चंपावत/नैनीताल। राष्ट्रीय क्षय (टीबी) रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा महत्वपूर्ण पहल कर चंपावत के दूधपोखरा निवासी क्षय रोगी गोपाल सिंह रावत (50) को गोद लिया गया। जिलाधिकारी नरेंद्र सिंह भंडारी ने शनिवार को श्री रावत को सहायक पोषण किट उपलब्ध करायी। श्री भंडारी ने इस मौके पर कहा कि क्षय रोगियों को बीमारी से लड़ने के लिए दवाइयों के साथ पोषणयुक्त आहार की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री द्वारा श्री रावत को राष्ट्रीय क्षय (टीबी) रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत गोद लिया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उन्हें पोषणयुक्त किट उपलब्ध करायी जा रही है। इससे उन्हें टीवी की बीमारी से लड़ने में उन्हें मदद मिल सकेगी। जिलाधिकारी ने इस मौके पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी राष्ट्रीय अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने क्षय रोगियों को गोद लेकर उनके नि-क्षय मित्र बनकर सहयोग करने की बात कही। उन्होंने बताया कि वर्तमान में लगभग 270 क्षय रोगी जनपद में मौजूद हैं। इस अभियान के तहत गोद लिए मरीजों को कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिए सहायता प्रदान किये जाने का लक्ष्य है। इस मौके पर जिला क्षय रोग अधिकारी कुलदीप यादव भी मौजूद रहे।

सिद्धू मूसेवाला के पिता की तबीयत बिगड़ी, पीजीआई के एडवांस कार्डियक सेंटर में चल रहा इलाज

चंडीगढ़। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकार सिंह की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें पीजीआई चंडीगढ़ में भर्ती किया गया है। उनका एडवांस कार्डियक सेंटर में इलाज चल रहा है। पीजीआई में भर्ती कराये जाने के दूसरे दिन आज उनकी स्थिति स्थिर है। इससे पहले श्री सिंह के सीने में दर्द होने के बाद उन्हें पटियाला के एक अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां से उन्हें पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया है। श्री सिंह को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। शुक्रवार शाम को उन्हें पीजीआई में भर्ती किया गया था। दूसरे दिन आज भी उनकी स्थिति स्थिर है। सिंह को पीजीआई में भर्ती करने के बाद वहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सिद्धू मूसेवाला के हत्या के मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ और लारेंस बिश्नोई गिरोह ने बलकार सिंह को भी जान से मारने की धमकी दी है।

अधिकारियों को योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से करने के निर्देश

हिसार। हरियाणा में हिसार लोकसभा क्षेत्र सांसद बृजेन्द्र सिंह ने जिले के अधिकारियों को जनहित के कल्याणानार्थ क्रियान्वित योजनाओं/कार्यक्रमों का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से करने के निर्देश दिए हैं ताकि नागरिकों को योजनाओं का लाभ सुचारु ढंग से मिल सके। सिंह शनिवार को लघु सचिवालय परिसर स्थित सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक ले रहे थे। बैठक में राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, बरवाला के विधायक जोगीराम सिहाग, मेयर गौतम सरदाना, उपायुक्त उत्तम सिंह, नगर-निगम के आयुक्त प्रदीप दहिया तथा अतिरिक्त उपायुक्त नीरज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि जल-जीवन मिशन के तहत जिले के 300 गांवों में 410 करोड़ 58 लाख 39 हजार रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी। मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नए जलघरों एवं बुस्टिंग स्टेशनों का निर्माण पेयजल की पाईप लाइन बिछाने के अतिरिक्त विभिन्न कार्यों को सम्पन्न करवाया जाएगा, ताकि गांवों एवं ढाणियों में लोगों को पीने के लिए पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके।नाबार्ड के तहत छ- गांवों बुडाक, बासड़ा, गौरछी, सरसाना, किरतान, बालसमंद तथा महाग्राम योजना के तहत विभिन्न सात गांवों में पेयजल एवं सीवरेज व्यवस्था का समूचित प्रबंध किया जा रहा है। इन सात गांवों में सीसवाल, सदलपुर, बालसमंद, नंगथला, बिठमड़ा, कापड़ो तथा पेटवाड़ शामिल हैं।

शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में निम्स यूनिवर्सिटी का सराहनीय योगदान : खाचरियावास

जयपुर। राजस्थान के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा है कि शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में निम्स यूनिवर्सिटी सराहनीय योगदान दे रही है और एम्स के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा यहां सेवाएं देना जयपुर सहित प्रदेश के लिए गौरव की बात है। खाचरियावास आज जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित निम्स यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ लॉ द्वारा आयोजित मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम में लोकसभा की कार्यप्रणाली को नाट्य रूपांतरण के माध्यम से पेश किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि विफलताओं से डरना नहीं चाहिए और हर दिन एक नई सुबह होती है और नई सुबह से शुरुआत करनी चाहिए।

आईआरसीटीसी घोटाला : तेजस्वी यादव की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

सीबीआई ने की बिहार के डिप्टी सीएम की जमानत रद्द करने की मांग

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी घोटाला मामले में सीबीआई ने बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की जमानत रद्द कराने के लिए अदालत का रुख किया है। सीबीआई ने अदालत में याचिका दायर कर तेजस्वी यादव की जमानत रद्द करने की मांग की है। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल की अदालत ने सीबीआई की याचिका पर तेजस्वी यादव को नोटिस जारी किया है।

सीबीआई का कहना है कि तेजस्वी यादव जांच को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। अदालत ने तेजस्वी यादव से पूछा है कि सीबीआई की याचिका को देखते हुए क्यों न उनकी जमानत रद्द कर दी जाए। हालांकि, अभी अदालत ने यादव को जवाब देने के लिए तलब किया है। ज्ञात रहे कि आईआरसीटीसी घोटाले में अभी तेजस्वी यादव जमानत पर हैं और बिहार के उप-मुख्यमंत्री पद पर हैं।

तेजस्वी यादव आईआरसीटीसी घोटाला मामले में आरोपी हैं। इस मामले में वो जमानत पर चल रहे हैं। सीबीआई मामले की जांच कर रही है। अब सीबीआई ने अदालत दलील पेश की है कि यह एक गंभीर मामला है। यादव मामले की जांच को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं, इसलिए उनकी जमानत रद्द कर दी जाए, ताकि इस मामले की निष्पक्ष जांच हो सके। सीबीआई ने याचिका में यह भी कहा कि तेजस्वी यादव के बाहर रहने से इस मामले के कई गवाह प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में यादव को दी गई राहत को रद्द कर दिया जाए।

बता दें कि लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत कई लोग इस मामले में आरोपी हैं। यह मामला राउज एवेंन्यू अदालत में चल रहा है।

इसकी जांच सीबीआई के साथ ही ईडी भी कर रही है। इस मामले में आईआरसीटीसी के होटल के टेंडर में धोखाधड़ी का खुलासा हुआ था, जिसके बाद दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत से लालू के परिवार के सदस्यों को जमानत मिल गई थी, परंतु अब सीबीआई का कहना है कि तेजस्वी यादव प्रभावशाली पद पर हैं और मामले में हस्तक्षेप कर जांच प्रभावित कर रहे हैं।

प्रेसवार्ता कर सीबीआई को धमकी का आरोप

सीबीआई ने याचिका में कहा है कि बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने एक प्रेसवार्ता में खुलेआम सीबीआई अधिकारियों को धमकी भरे अंदाज में संदेश दिया है, क्योंकि इस समय वह एक प्रभावशाली पद पर हैं ऐसे में उनके द्वारा कही गई बातें जांच को प्रभावित कर सकती हैं। याचिका में यह भी कहा गया है कि यादव ने यह प्रेसवार्ता बिहार में कई जगहों पर सीबीआई की छापेमारी को लेकर की थी।

राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित अन्य ने 21 टीबी रोगियों की ली जिम्मेदारी

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून स्थित राजभवन से राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने टीबी रोगियों की सहायता हेतु नि:क्षय मित्र बनते हुए 21 टीबी रोगियों को गोद लिया और उन्हें मासिक पोषण किट वितरित की। श्री सिंह ने 13 रोगियों को गोद लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वरूप राज्यपाल श्री सिंह ने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए जन भागीदारी के इस अभियान में शामिल होकर टीबी रोगियों की सहायता का संकल्प लेना होगा। उन्होंने प्रदेश के आम लोगों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों, गैर सरकारी संगठनों, सामाजिक संस्थानों आदि से आह्वान किया कि वे टीबी रोगियों की सहायता करने के लिए नि:क्षय मित्र बनें। उन्होंने कहा कि हमारे देश में टीबी के मामले एक चुनौती है। इसको देखते हुए राष्ट्रपति द्वारा नौ सितंबर को टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की गई। इसके अन्तर्गत, 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता से 2024 तक प्रदेश को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य लिया गया है, जो प्रशंसनीय है। इसके लिए सभी लोगों को सहयोग करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमें इस चुनौती को स्वीकार करते हुए प्रत्येक टीबी रोगी का मित्र बनकर उसके ईलाज, पोषण में सहयोग करना होगा ताकि हमारा प्रदेश टीबी मुक्त हो सके। उन्होंने कहा कि स्वस्थ भारत, समृद्ध भारत के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के साथ ही इसे जड़ से समाप्त करने का संकल्प लेना होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य को 2024 तक टीबी से मुक्त करने का हमारा लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार सब के सहयोग से प्रदेश को 2025 तक देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए संकल्पबद्ध है।

सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए ओडिशा में ओवरलोडिंग के खिलाफ अभियान शुरू होगा

कटक। ओडिशा राज्य परिवहन प्राधिकरण ने सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए 19 सितंबर से राज्य भर में क्षमता से अधिक भार (ओरलोडिंग) ढोने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि परिवहन विभाग वाहनों के ओवरलोडिंग के खिलाफ छह दिवसीय विशेष अभियान शुरू करेगा। वर्ष 2021 में ओवरलोडेड/हैंगिंग वाहनों के कारण 1442 दुर्घटनाएं हुईं और कुल वाहनों में अत्यधिक भार की स्थिति के कारण 673 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा इस तरह की दुर्घटनाओं में कुल 834 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए और 588 लोगों को मामूली चोटें आई थीं। मोटर वाहन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ राज्य परिवहन प्राधिकरण कड़ी कार्रवाई करेगा। मोटर वाहन संशोधन अधिनियम 2019 के अनुसार नियमों का उल्लंघन करने वालों को धारा 194 के तहत दंडित किया जाएगा। वाहनों के ओवरलोडिंग पर 20 हजार रुपये का जुर्माना और दो हजार रुपये प्रति टन अतिरिक्त जुर्माना लगेगा। साथ ही, ड्राइविंग लाइसेंस को तीन महीने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। संयुक्त आयुक्त परिवहन, सड़क सुरक्षा संजय बिस्वाल ने कहा कि यह अभियान पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर चलाया जाएगा, जिसमें औद्योगिक और खनन गतिविधियों वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा क्योंकि यह आमतौर पर देखा जाता है कि इन क्षेत्रों में चलने वाले कई माल वाहन नियमों का पालन नहीं करते हैं जो आये दिन हादसों का कारण बनते है।

अध्यक्षता को लेकर गुरुद्वारा में उछली पगड़ियां, एक घायल

फरीदकोट। फरीदकोट शहर की जर्मन कालोनी में गुरुद्वारा साहिब के प्रधान पद को लेकर दो गुटों के बीच हुई बहस शनिवार को हिंसक झड़प में तब्दील हो गई। दोनों पक्षों ने गुरु ग्रंथ साहिब की मौजूदगी में गुरुद्वारा साहिब की मर्यादा को तार-तार करते हुए एक-दूसरे पर हमला कर दिया। हमले में एक महिला श्रद्धालु भी घायल हो गई। बहस उस समय में लड़ाई में तब्दील हो गई, जब प्रधान के चुनाव को लेकर बातचीत चल रही थी, वहीं गुरुद्वारा साहिब की मौजूदा कमेटी और पूर्व कमेटी के सदस्यों के बीच विवाद हो गया, जो देखते ही देखते लड़ाई में तब्दील हो गया। इसका वीडियो भी सामने आया है। फिलहाल, घटना को लेकर और विवरण जुटाया जा रहा है।

पटनायक ने मुंडा से 160 समुदायों को एसटी सूची में शामिल करने का किया आग्रह

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने केंद्र सरकार से राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित समुदायों को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने का अनुरोध किया है। पटनायक ने केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा को लिखे पत्र में कहा है कि 1978 से, ओडिशा सरकार ने जनजाति सलाहकार परिषद की मंजूरी के साथ राज्य के 160 से अधिक समुदायों को एसटी सूची में शामिल करने की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि इनमें से कुछ नई प्रविष्टियां हैं, कुछ उप जनजातियां/उप समूह, समानार्थी और राज्य के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले मौजूदा एसटी समुदायों के

ध्वन्यात्मक रूपांतर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें अनुसूचित जनजातियों द्वारा प्राप्त लाभों से वंचित किया जा रहा है, हालांकि उनके संबंधित अनुसूचित जनजातियों के समान आदिवासी विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तहत एक टास्क फोर्स ने राज्य की एसटी सूची में शामिल करने के लिए प्राथमिकता के मामलों के रूप में ओडिशा से नौ प्रस्तावों की सिफारिश की थी, लेकिन इन्हें अभी तक राष्ट्रपति के आदेश में अधिसूचित नहीं किया गया है। पटनायक ने कहा कि एसटी सूची में शामिल होने में देरी के कारण राज्य के सभी 160 से अधिक समुदाय ऐतिहासिक अन्याय का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2011 के बाद से, उन्होंने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को कई बार पत्र लिखा है और केंद्रीय मंत्री से लंबे समय से लंबित मामले को देखने और इन छूटे हुए समुदायों को सामाजिक न्याय देने के लिए समय-सारणी में तेजी लाने का आग्रह किया है।

हाईकोर्ट ने यूकेपीएससी की क्षमता पर उठाये गंभीर सवाल

नैनीताल। विभिन्न विभागों की भर्ती प्रक्रिया में उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) के असफल रहने के बाद उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (यूकेपीएससी) की कार्यक्षमता पर भी सवाल उठने लगे हैं। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने स्वयं यूकेपीएससी की कार्यशैली पर सवाल उठाये हैं और आयोग के अध्यक्ष को निर्देश दिये हैं कि आयोग की विशेषज्ञ समिति में विषय विशेषज्ञ, सक्षम व बुद्धिमान लोगों को शामिल किया जाये।

उच्च न्यायालय की यह बेहद अहम टिप्पणी उस समय आयी है जब यूकेएसएसएससी भर्ती घोटाले को लेकर प्रदेश में कोहराम मचा हुआ है।

चालीस से अधिक लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। खुद आयोग के सचिव व परीक्षा नियंत्रक पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है। इससे साफ अदांजा लगाया जा सकता है कि देवभूमि उत्तराखंड में परीक्षाओं का क्या हाल है।

दरअसल यूकेपीएसएसी की ओर से हाल ही में राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा प्रारंभिक परीक्षा, 2021 सम्पन्न करायी गयी। आयोग के सामान्य अध्ययन की परीक्षा में 106 नंबर के एक प्रश्न को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। आयोग की ओर से पूछा गया कि उत्तरांचल नाम परिवर्तन अधिनियम किस वर्ष अस्तित्व में आया।

प्रश्न के जवाब में चार विकल्प ए, बी, सी व डी मौजूद थे। कुछ अभ्यर्थियों ने 'सी' विकल्प को चुना और इसका उत्तर 2006 लिखा जबकि आयोग ने उनके उत्तर को गलत करार दे दिया और सही जवाब 'डी' विकल्प को माना।

इसके बाद मामला उच्च न्यायालय की चौखट तक आ पहुंचा। शोएब हुसैन व अन्य 21 अभ्यर्थियों ने आयोग के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी दी। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि आयोग का उत्तर गलत है। अदालत ने 04 जुलाई 2022 को आयोग की विशेषज्ञ समिति (एक्सपर्ट कमेटी) को अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के निर्देश दिये।

आयोग की छह सदस्यीय एक्सपर्ट कमेटी की ओर से 15 सितम्बर को सीलबंद रिपोर्ट मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की युगलपीठ के समक्ष सौंपी गयी।

कमेटी अपने पुराने स्टैंड पर कायम रही और उसने कहा कि उपरोक्त प्रश्न का सही उत्तर 2006 नहीं है।

बस रुकवा कर कॉलेज जा रहे छात्रों को लाठी-डंडों से पीटा

फतेहाबाद। फतेहाबाद जिला के कुनाल गांव में शनिवार सुबह बड़ी संख्या में युवकों ने एक रोडवेज बस पर हमला कर दिया। युवकों ने बस को रुकवाया और उसमें सवार युवकों पर लाठी-डंडे और रॉड से हमला कर दिया। घायलों को फतेहाबाद जिला के रतिया के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नागरिक अस्पताल रतिया में भर्ती छात्रों ने बताया कि वह भूना क्षेत्र के रहने वाले हैं और रतिया के के टी कॉलेज में पढ़ते हैं। सुबह बस में सवार होकर कॉलेज के लिए चले थे। कुनाल नहर के ऊपर करीब 30-35 युवक खड़े थे, जिनके हाथों में लाठी-डंडे और रॉड थे। उन्होंने बस को जबरन रूकवाया और बस के शीशे भी तोड़ डाले। इसके बाद बस में आकर उनसे मारपीट शुरू कर दी। घायलों ने बताया कि गत दिवस कॉलेज में किसी बात को लेकर उनका झगड़ा हुआ था, लेकिन बाद में मामला शांत हो गया था। उनका कहना है कि इसी मामले में रंजिश के चलते बस को रुकवा कर उन पर हमला किया गया।

कंपनी के डाटा चोरी पर 11 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में मादडी इंडस्ट्रीयल एरिया स्थित फ्यूजन बिजनेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कार्यालय से पिछले दिनों हुए डाटा चोरी के मामले में 11 लोगों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज किया गया है।

कंपनी की डायरेक्टर श्वेता दुबे ने आज यहां बताया कि मुख्य साजिशकर्ता चंद्रशेखर यादव उनकी कंपनी में कार्य करते थे और सबसे भरोसेमंद भी थे, लेकिन सफलता के शॉर्टकट अपनाने और कुछ लालच के चलते उन्होंने उदयपुर की ही राहुल छाबड़िया की कंपनी वर्चुअल बीन्ज़ के साथ मिलकर डाटा चोरी करने की साजिश रची। जांच में जिस कंपनी को उन्होंने डाटा बेचा जांच में वह डाटा मिल भी गया है।

कोटा में लंपी संक्रमित गोवंश की संख्या तिहाई के पार

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में संक्रामक रोग लंपी से पीड़ित गायों की संख्या का आंकड़ा तिहाई के पार पहुंच गया है। जिले के लगभग सभी उपखंड क्षेत्रों में लंपी रोग से संक्रमित गायों के मिलने का सिलसिला शुरू हो गया है लेकिन पशु चिकित्सा विभाग अभी तक गायों को लंपी वायरस के संक्रमण से बचाने एवं संक्रमित गायों का इलाज करने के प्रति सजगता नहीं बरत रहा है। नगर निगम कोटा (दक्षिण) की गोशाला समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह जीतू का आरोप है कि मोखापाड़ा में स्थित संभाग का सबसे प्रमुख पशु चिकित्सालय कारों से लाए जाने वाले संभ्रांत वर्ग के कुत्ते-बिल्लियों के इलाज करने का केंद्र बनकर रह गया है क्योंकि वहां वरिष्ठ चिकित्सकों और कम्पाउंड़रों को इन पालतू जानवरों का उपचार करने के लिए घरों तक जाकर इलाज कर मोटी कमाई का रास्ता मिल जाता है। केवल कनिष्ठ चिकित्सक, कंपाउंड और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ही काफी हद तक यहां लाई गई लाई जानेवाली बेसहारा छोड़ी गई गायों-सांडों और घायल अवस्था में लाए गये स्ट्रीट डॉग का इलाज करने में रुचि दिखाते हैं। इसके विपरीत पशु चिकित्सालय और पशुपालन विभाग के आधिकारिक सूत्र यह तो स्वीकारते हैं कि जिले में लंपी वायरस से संक्रमित गायों की संख्या तिहाई का आंकड़ा पार कर चुकी है लेकिन इस आरोप से इनकार करते हैं कि लंपी वायरस से संक्रमित गायों के इलाज में लापरवाही बरती जा रही है। अधिकारिक सूत्रों ने कहा कि टीकाकरण के मामले में किसी तरह की कोई कोताही नहीं बरती जा रही है। कोटा संभाग में कोटा जिले में 64 हजार 779, झालावाड़ में 84 हजार 636, बारां जिले में 84 हजार 383व बूंदी जिले में 64 हजार 158 गायों का टीकाकरण किया जा चुका है और टीकाकरण का सिलसिला आज भी जारी है।

वोट बैंक की राजनीति के चलते अब तक नहीं मनाया गया हैदराबाद मुक्ति दिवस : शाह

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आरोप लगाया कि आजादी के बाद की सरकारों ने वोट बैंक की राजनीति के चलते हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने का निर्णय नहीं लिया जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र के लोगों के मन की भावना को समझते हुए हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने का निर्णय लिया है।

शाह ने शनिवार को तेलंगाना में 75वें हैदराबाद मुक्ति दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के मौके पर यह बात कही।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी और केन्द्रीय गृह सचिव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शाह ने कहा कि कई वर्षों से इस क्षेत्र के लोगों की मांग थी कि हैदराबाद मुक्ति दिवस को सरकारी तौर पर मनाया जाए, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि 75 वर्षों तक जिन्होंने यहां शासन किया उन्होंने वोट बैंक की राजनीति के कारण हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने का साहस नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना के लोगों के मन की भावना समझते हुए हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने का निर्णय लिया ।

गृह मंत्री ने कहा, 15 अगस्त, 1947 के दिन पूरा देश आज़ादी का उत्सव मना रहा था लेकिन हैदराबाद को आज़ादी नसीब नहीं हुई थी। 13 महीनों तक निज़ाम के अन्यायों और अत्याचारों को ये क्षेत्र सहन करता रहा और उसके बाद जब सरदार पटेल ने पुलिस एक्शन लिया तब तेलंगाना स्वतंत्र हुआ था। उन्होंने कहा कि इस आज़ादी के लिए कोमाराम भीम, रामजी गोंड, स्वामी रामानंद तीर्थ, एम चिन्नारेड्डी, नरसिम्हा राव, शाइक बंदगी, के वी नरसिम्हा राव, विद्याधर गुरु और पंडित केशवराव कोरटकर जैसे अनगिनत लोगों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया था।

शाह ने कहा कि हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने का उद्देश्य इस मुक्ति संग्राम के इतिहास और जाने-अनजाने शहीदों की गाथाओं को युवा पीढ़ी के मन में पुनर्जीवित कर उनके मन में देशभक्ति की लौ जगाना है। इससे हमारी नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना पुनर्जीवित होगी।

शाह ने कहा कि लौह पुरूष सरदार पटेल ने ऑपरेशन पोलो का निर्णय कई कठिनाइयों के बावजूद लिया और इस क्षेत्र को आज़ाद कराकर अखंड भारत के स्वप्न को पूरा किया।

एनआईए टीम ने कन्हैयालाल हत्याकांड में आरोपियों से करवायी घटनास्थल की तस्दीक

उदयपुर। बहुचर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड मामले के मुख्य दोनों आरोपियों को लेकर एनआईए की टीम ने आज यहां घटनास्थल की तस्दीक की। सूत्रों के अनुसार एनआईए टीम कल देर रात साढे दस बजे दोनों आरोपी रियाज अतारी एवं गौस मोहम्मद को अजमेर केन्द्रीय कारागृह से लेकर भारी पुलिस के बल के बीच उदयपुर के भुपालपुरा पुलिस थाना पहुंची। दोनों आरोपियों को भुपालपुरा थाना में रखने के बाद आज सुबह करीब पौने पांच बजे मालदास स्ट्रीट स्थित कन्हैया लाल की दुकान पर पहुंची। बताया गया है कि एनआईए की टीम द्वारा घटनास्थल की तस्दीक एवं पुछताछ करने के बाद दोनों आरोपियों को पुन: हाई सिक्यूरिटी वाली अजमेर जेल ले जाया गया।

केसीआर ने की आदिवासियों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने राज्य में आदिवासियों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की है।

राव ने शनिवार को यहां एनटीआर स्टेडियम में आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा आयोजित तेलंगाना आदिवासी-बंजाराला आत्मीय सभा में कहा कि इस संबंध में सरकारी आदेश (जीओ) एक सप्ताह के भीतर जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने के बाद केंद्र से आदिवासी क्षेत्रों में आरक्षण छह प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने को कहा है। सात साल बाद भी केंद्र ने इस संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। इसके बाद राज्य सरकार ने राज्य में जनजातियों को 10 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का निर्णय लिया है।

राव ने कहा, संविधान में कहीं भी आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं है। तमिलनाडु में 69 प्रतिशत आरक्षण लागू है। तेलंगाना को क्यों नहीं दिया जा रहा है? हम अपना हक मांग रहे हैं।

उन्होंने कहा, तेलंगाना आदिवासी-बंजाराला आत्मीय सभा एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित कर रही है जिसमें केंद्र से राष्ट्रपति की मुहर के साथ विधेयक को पारित करने का अनुरोध किया गया है।

उन्होंने केंद्र के आठ साल के शासन के दौरान कुछ नहीं करने के लिए उसकी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) के नाम पर लाखों या करोड़ों रुपये बढ़ाए गए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भूमिहीन आदिवासियों को जमीन बांटेगी और दलित बंधु योजना के तहत अब तक आदिवासी को 10 लाख रुपये देकर आदिवासी बंधु को लागू किया जाएगा। फंड जुटाने के बाद एक बार में यह योजना शुरू की जाएगी।

शार्ट न्यूज

मेवाड़ में ब्रहमाकुमारीज के प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को बताई पॉवर ऑफ माइंड

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ लॉ इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों को ब्रुहमाकुमारीज के गुरुग्राम स्थिम शांति रिट्रीट सेंटर के प्रशिक्षकों ने पॉवर ऑफ माइंड एवं ध्यान योग की जानकारियां दीं। साथ ही इससे जुड़ी अनेक व्यावहारिक क्रियाएं कराईं। बहन दिव्या ने बताया कि माइंड सेट रखने के लिए सूचना, विचार, अहसास, एटीट्यूड और व्यवहार का सही होना आवश्यक है। तभी किसी लक्ष्य को पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विचार बीज की तरह होता है। मन में जैसा विचार होगा, हमारा व्यवहार भी वैसा ही बन जाता है। अगर विचार नकारात्मक है तो व्यवहार भी नकारात्मक हो जाएगा। सकारात्मक है तो सकारात्मक हो जाएगा। इसके लिए ध्यान योग के सहारे अपने विचारों को सकारात्मक बनाये रखा जा सकता है। बहन दिव्या के साथ आए प्रशिक्षक बहन पूजा, बहन मिनी, बहन लक्ष्मी एवं भाई आदेश ने विद्यार्थियों को भाईचारा, प्रेम, शांति, समभाव, सम्मान एवं क्षमा के साथ रहने की प्रतिज्ञा कराई। मुख्य प्रशिक्षक बहन दिव्या को मेवाड़ लॉ इंस्टीट्यूट की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित करने के अलावा सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन श्रेया अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट के समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष्य में निशुल्क स्वस्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया

नई दिल्ली। माननीय यशस्वी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में भाजपा दिल्ली प्रदेश शाहदरा जिला व गोयल हॉस्पिटल और यूरोलॉजी सेंटर व यू एंड मी फाउंडेशन द्वारा निशुल्क स्वस्थ्य जांच शिविर का आयोजन सामुदायिक केंद्र कांति नगर में किया गया। इस निशुल्क स्वस्थ्य जांच शिविर में फ्री ब्लड प्रेशर व् ब्लड शुगर की जांच, ECG की जांच ,मुफ्त दवाइयां वितरण, हड्डियों की जांच, विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा मुफ्त परामर्श, कान के सुनने की जाँच , आँखों की जांच एवं फ्री चश्मे वितरित किये गए। इस जाँच शिविर में करीब आठ सौ से भी ज्यादा लोगो ने निशुल्क स्वास्थय जाँच, मुफ्त चश्मे और मुफ्त दवाई का लाभ उठाया। मुख्य अतिथी डॉ अलका गुर्जर जी ने कहा माननीय यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में यह जाँच शिविर पुरे देश में लगाए जा रहे है। डॉ अनिल गोयल जी ने कहा नर सेवा नारायण सेवा की भावना के तहत माननीय यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में जाँच शिविर लगाया गया है इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश महामंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह जी, पूर्व संगठन महामंत्री श्री पवन शर्मा जी, जिलाध्यक्ष श्री राम किशोर शर्मा जी, गाँधी नगर विधायक श्री अनिल बाजपेयी जी, जिला महामंत्री श्री अनिल शर्मा जी , जिला महामंत्री दीपक गाबा जी, पूर्व पार्षद श्री संदीप कपूर जी उपस्थित रहे।

22 वर्षीय विवाहित महिला की घर में खून से लथपथ लाश मिली, गर्दन पर थे चोट के निशान

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मौजपुर इलाके के एक घर में शनिवार को एक युवती मृत पाई गई। युवती की गर्दन पर चोट लगने के निशान थे। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान फातिमा उर्फ ज़ारा के रूप में हुई थी, जिसकी उम्र लगभग 22 वर्ष थी। उसकी लाश मौजपुर क्षेत्र के विजय मोहल्ला स्थित में अपने घर पर खून से लथपथ पड़ी थी। पुलिस के अनुसार, जाफराबाद थाना पुलिस को सुबह करीब 8ः48 बजे एक पीसीआर कॉल आई थी जिसमें मौजपुर के विजय मोहल्ला गली नंबर-13 में एक महिला के घर में घायल होने की शिकायत की गई थी। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तो उन्होंने ज़ारा को गर्दन पर गहरी घाव के साथ मृत अवस्था में पाया। वहीं, महिला का पति रोहन मलिक घर पर नहीं मिला, जहां दंपति किराये के मकान में रह रहे थे। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। पुलिस मृतक के पड़ोसियों और परिजनों से भी पूछताछ कर रही है।

दिल्ली में भगोड़ा घोषित बदमाश की पुलिस हिरासत में मौत

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की हिरासत में शनिवार को भगोड़ा घोषित बदमाश की मौत हो गई। घटना के वक्त पुलिस हिरासत में बदमाश मेडिकल जांच के लिए बाड़ा हिंदू राव अस्पताल में लाया गया था। इस पर परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। फिलहाल हिरासत में मौत की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार, 45 वर्षीय संदीप पर साल 2001 में नांगलोई थाने में शराब तस्करी का मुकदमा दर्ज हुआ था, तब से ही वह फरार चल रहा था, इसलिए कोर्ट ने 2009 में उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। वहीं, रोहिणी सेक्टर-18 क्राइम ब्रांच के एसआई नरेंद्र की टीम ने शुक्रवार को संदीप को रोहतक से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने शुक्रवार को उसका मेडिकल कराया था, पुलिस शनिवार को उसे तीस हजारी कोर्ट में मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने से पहले फिर उसे कोविड टेस्ट के लिए बाड़ा हिंदू राव अस्पताल लेकर आई। इसी दौरान संदीप की तबियत खराब हो गई। जब तक डॉक्टर इलाज शुरू करते तब तक उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना मिलने पर संदीप के परिजनों ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा किया। हालांकि, शव पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं थे। बताया जाता है कि संदीप पहले से दिल की बीमारी से ग्रसित था और स्टेंट पड़े हुए थे। फिलहाल, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह सामने आएगी।

महिला दोस्त के साथ रेप कर वीडियो बनाया

दादरी। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में किराए पर रहने वाली महिला के साथ रेप कर वीडियो बनाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि महिला नोएडा नौकरी करने जाती थी। इसी दौरान साथ काम करने वाले एक युवक ने उसके साथ जबरन रेप किया और उसका अश्लील वीडियो बना लिया। महिला का आरोप है कि आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा है। महिला ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। बादलपुर स्थित एक गांव में किराए पर रहने वाली एक महिला नोएडा सेक्टर-82 स्थित एक कंपनी में नौकरी करती है। काम के दौरान उसकी पहचान एक युवक से हुई। युवक महिला को बहला-फुसलाकर एक फ्लैट पर ले गया। जहां उसने महिला के साथ रेप किया और पूर्व योजना के तहत उसका अश्लील वीडियो बना लिया। अब आरोपी वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दे रहा है।

टैक्स जमा नहीं करने वाले वाहन जब्त होंगे

नोएडा। परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम 27 सितंबर से बिना रोड टैक्स जमा किए दौड़ने वाले वाहनों को जब्त करने का बड़ा अभियान चलाएगी। 26 सितंबर को एक मुश्त समाधान योजना खत्म होने के बाद अभियान तेज किया जाएगा। एआरटीओ प्रशासन सियाराम वर्मा ने कहा कि रोड टैक्स को तीन किस्तों में जमा करने और जुर्माना माफी की एक मुश्त समाधान योजना लागू है।

विधायक अमानतुल्लाह खान के घर से एसीबी को कुछ नहीं मिला : सौरभ भारद्वाज

एसीबी अधिकारियों के वीडियो से साबित हो रहा है कि अमानतुल्लाह खान के घर से कुछ नहीं मिला

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि विधायक अमानतुल्लाह खान के घर से एसीबी को कुछ नहीं मिला है। ऐसे में अब तरह-तरह का झूठ फैलाया जा रहा है। एसीबी अधिकारियों के वीडियो से साबित हो रहा है कि अमानतुल्लाह खान के घर से कुछ नहीं मिला। विधायक के दोनों घरों से पैसा, हथियार, सोना, बेनामी संपत्ति सहित कुछ नहीं मिला है। इसके अलावा दिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज की गई तीन एफआईआर में से किसी का भी 'आप' विधायक से कोई संबंध नहीं है। एसीबी ने झूठी खबर मीडिया में चलवाई कि आप विधायक के घर से नगदी और कारतूस मिला है। उन्होंने कहा कि किसी ज्वैलर के यहां से गोल्ड-कैश मिलने पर उसे मंत्री सत्येंद्र जैन की फ़ोटो के साथ चलवा दिया, ताकि आप को बदनाम किया जा सके। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को झूठे मामले में फंसाने के लिए आतुर सीबीआई-ईडी 100 जगह छापे मार चुकी है। केंद्र की भाजपा सरकार की तरफ से सभी जांच एजेंसियां बैटिंग कर रही हैं। आम आदमी पार्टी की गुजरात में बढ़ती लोकप्रियता से डर कर भाजपा ऐसे काम कर रही है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक सौरभ भारद्वाज ने पार्टी मुख्यालय में महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया। विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले कई महीनों से केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी खास तरीके से जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करके झूठ पर पूरी इमारत बनाने की कोशिश में लगी है। इन्होंने स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन सहित कई लोगों के घर छापा मारा। पहले दिन ईडी खबर प्लांट करती है कि जिनपर छापा मारा, उनसे साढ़े तीन करोड़ रुपये की रिकवरी बताई।

लेकिन उनका सत्येंद्र जैन से क्या लेने देना था? ये ईडी ने नहीं बताया। कुछ दिनों बाद सत्येंद्र जैन और एसोसिएट्स के नाम पर खबर चलाने लगे। एसोसिएट वह होता है जिससे कोई लेनादेना होता है। कई बार भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता से बहस हुई कि आप मुझे ये बता दीजिए कि जिसके घर पैसा मिला वह सत्येंद्र जैन का कौन-सा रिश्तेदार था? अगर बिजनेस पार्टनर था तो बती दो कि कौन से बिजनेस में पार्टनरशिप थी। लेकिन ईडी के पास इस बात का कोई जवाब नहीं था। केवल झूठ पर ही पूरी इमारत खड़ी की गई। अब कोर्ट में भी यही हो रहा है। जब कोर्ट ईडी से पूछता है कि क्या क्रिमिनेलिटी है तो उनके पास इसका कोई जवाब नहीं है। कई बार ईडी के वकील कोर्ट से समय मांग चुके है। वह यह साबित करने में नाकाम है कि सत्येंद्र जैन ने क्या गैर-कानूनी काम किया है। कोर्ट की ओर से बार-बार पूछा जा रहा है।

इसके बाद ईडी ने मनीष सिसोदिया के घर पर छापा मारा। उनके गांव समेत 30 अन्य जगहों पर भी छापा मारा। उनका लॉकर ढूंढने पर भी कुछ नहीं मिला। एक रुपया गैर-कानूनी नहीं मिला और न ही गैर-कानूनी संपत्ति के कागजात मिले। अब केवल परसेप्शन बनाया जा रहा है कि अभी नहीं मिला, लेकिन मिलेगा। पिछले दो सप्ताह में ईडी की ओर से एक्साइज के मामले में करीब 100 जगहों पर छापे मारे जा चुके है, लेकिन अभी तक इन्हें कुछ नहीं मिला। आम आदमी पार्टी के विधायक अमातुल्लाह खान के दोनों घरों पर क्ष न कोई पैसा मिला, न कोई कारतूस और कोई अन्य गैर-कानूनी चीज नहीं मिली। इसके केंद्र सरकार ने शोर मचा रखा है कि अमानतुल्लाह के यहां ये मिल गया, अमानतुल्लाह के यहां वो मिल गया।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नोएडा। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 72वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया। भारतीय जनता पार्टी एवं अन्य सभी संस्थान के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपने समाज के साथ मिलकर उनके जन्मदिवस को सेवा के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से "सेवा पखवाडा" के रूप मनाया गया एवं मा0 प्रधानमत्री जी की दीर्घायु एवं स्वास्थ्य जीवन की कामना की। माननीय प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में नोएडा सेक्टर-71 में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा रक्तदान किया गया। नोएडा सेक्टर-33 स्थित प्रकाश अस्पताल में डा. वी.एस.चौहान जी द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान शिविर कार्यक्रम आयोजित किया गया। षिविर का षुभारंभ पूर्व केन्द्रीय मंत्री व सांसद डा. महेष षर्मा एवं माननीय विधायक नोएडा पंकज सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया। जिसमें काफी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया। सांसद डा. महेश शर्मा जी ने लोगो से आहवान किया कि हर व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान से बड़ा कोई महादान नहीं है। इससे स्वास्थ्य अच्छा रहता है तथा आपके रक्तदान से नया जीवन मिल सकता है। आई.एम.ए. हाउस सैक्टर -31 में भाजपा के युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने विशाल रक्तदान शिविर कार्यक्रम में बढचढ कर भाग लिया और रक्तदान किया। इस मौके पर नोएडा विधायक श्री पंकज सिंह जी, क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री मोहित बेनीवाल जी, जिला अध्यक्ष श्री मनोज गुप्ता जी, नोएडा प्रभारी श्री बसंत त्यागी जी, पूर्व जिला अध्यक्ष योगेन्द्र चौधरी, संजय बाली, उमेष त्यागी, डिम्पल आनंद, गणेश जाटव, गिरीष कोटनाला, अमित त्यागी, धर्मेन्द्र गुप्ता मनीश षर्मा व अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आजादी के अमृत महोत्सव उपलक्ष्य में एवं माननीय प्रधानमंत्री जी के 72वें जन्मदिवस के अवसर पर मनाये जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान सैक्टर -1, नोएडा द्वारा आयोजित "कौशल दीक्षांत समारोह" में शामिल हुए एवं कार्यक्रम की षुरूआत दीप प्रज्जवलित कर किया। वहां पर उपस्थित सभी होनहार छात्राओं को डिग्रीयां सौंपी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर प्रधानाचार्या शशि माथुर, आदर्श कुमार, श्रीमती देविन्द्र कौर एवं काफी संख्या में छात्रायें उपस्थित रही।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान को नहीं मिली बेल

कोर्ट ने 4 दिन की एसीबी कस्टडी में भेजा

नई दिल्ली । दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान को शनिवार को चार दिन की एसीबी की कस्टडी में भेज दिया है। अमानतुल्लाह पर दिल्ली वक्फ बोर्ड की संपत्ति में गड़बड़ी करने का आरोप है। अब चार दिन बाद ही उनकी जमानत पर सुनवाई होगी।

दिल्ली एसीबी ने भ्रष्टाचार के एक मामले में शुक्रवार को आप विधायक अमानतुल्लाह खान को 8 घंटे चली पूछताथ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। अमानतुल्लाह खान दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष हैं। एसीबी दिल्ली वक्फ बोर्ड में भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही है। एसीबी ने शुक्रवार को आप विधायक अमानतुल्लाह खान के घर और उनके करीबियों के ठिकानों पर छापेमारी कर 24 लाख रुपये कैश और दो बिना लाइसेंस वाले हथियार बरामद किए थे।

दिल्ली की ओखला विधानसभा सीट से आप विधायक अमानतुल्लाह खान को दो साल पहले भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में शुक्रवार को दोपहर 12 बजे पूछताछ के लिए बुलाया गया था। दिल्ली एंटी करप्शन ब्यूरो ने उन्हें पूछताछ के लिए गुरुवार को नोटिस भेजा था। बता दें कि, एसीबी ने उपराज्यपाल सचिवालय को पत्र लिखकर अमानतुल्लाह खान को दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष पद से हटाने का अनुरोध किया था।

दिल्ली पुलिस ने नीरज बवाना गिरोह के बदमाश को किया अरेस्ट

नई दिल्ली। बवाना थाना पुलिस ने नीरज बवाना गिरोह के एक बदमाश को गिरफ्तार कर हथियारों का जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने बवाना के एक परिसर में छापेमारी कर तीन पिस्तौल और 79 गोलियां बरामद कीं, जो एक बुलेटप्रूफ एसयूवी समेत दो वाहनों में रखी गई थीं। गिरफ्तार आरोपी सचिन ने बताया कि इन हथियारों से गैंगवार की बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी थी।

डीसीपी देवेश मेहला ने बताया कि 12 सितंबर को विजय नगर कॉलोनी के बी ब्लॉक स्थित एक आवासीय परिसर में नीरज बवाना गैंग से जुड़ी आपराधिक गतिविधियों के संचालित होने की सूचना मिली थी। एसीपी बवाना मनीष लाडला की देखरेख में एसएचओ राकेश यादव और इंस्पेक्टर ओमबीर डबास की टीम ने संबंधित घर में छापा मारा तो वहां कट्टे के साथ बवाना गैंग का बदमाश सचिन पकड़ा गया। सचिन ने बताया कि परिसर में दो वाहन खड़े हैं, जिनमें हथियार भरे पड़े हैं। इन हथियारों को गैंगवार के लिए रखा गया है। पुलिस ने दोनों वाहनों और उनमें रखे हथियार जब्त कर लिए।

पुलिस जांच में पता चला कि गैंगस्टर गोगी की रोहिणी कोर्ट में हत्या के बाद टिल्लू गिरोह से जुड़े चार बदमाशों की हत्या कर दी गई। इसका बदला लेने के लिए इस साल नौ मई को खेड़ा गांव में कुख्यात बदमाश कपिल मान के पिता ब्रह्मप्रकाश की हत्या कर दी गई। इसके पीछे टिल्लू गिरोह का हाथ होने की बात सामने आई थी। कपिल मान गोगी गिरोह से जुड़ा होने की वजह से टिल्लू-नीरज बवाना गैंग के निशाने पर था। वहीं, आउटर नॉर्थ पुलिस ने कुछ समय पहले नीरज बवाना के पिता की हत्या की साजिश रचे जाने का खुलासा किया था। पिता पर खतरे को देखते हुए नीरज बवाना ने बुलेटप्रूफ वाहन खरीदा था।

बरामद बुलेटप्रूफ वाहन नीरज बवाना के पिता प्रेम सिंह के नाम पर दर्ज है। पहले यह वाहन नांगल ठाकरान निवासी नीरज ठाकरान की पत्नी सतवीरी के नाम पर पंजीकृत था। नीरज ठाकरान और नीरज बवाना नजदीकी रिश्तेदार हैं। ठाकरान काफी समय से फरार है।

सांसद रमेश बिधूरी ने सेवा दिवस के रूप में अस्पतालों में किया फल वितरण

साथ ही इंदिरा कल्याण विहार में एमसीडी द्वारा बनाए गए नए स्कूल का उद्घाटन किया

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भाजपा द्वारा बनाए जा रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत दक्षिणी दिल्ली लोकसभा इंदिरा कल्याण विहार में लेफ्टिनेंट गवर्नर श्री विनय कुमार सक्सेना और दक्षिण दिल्ली सांसद रमेश बिधूड़ी एमसीडी द्वारा निर्मित स्कूल का उद्घाटन किया इस दौरान सांसद रमेश बिधूड़ी ने वहां पर सभी अध्यापकों को और जनता को संबोधित करते हुए कहा। आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी ने तय किया की 17 सितम्बर को सेवा दिवस के रूप में मानते हुए 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जायेगा। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जगत प्रकाश नड्डा जी मोदी जी की कल्पना के अनुसार तय किया गया क्योकि हमारे देश के प्रधानमंत्री जी ने गरीब आदमी की आवश्यकता की पूर्ति और सेवा के कार्य के लिए अपने जीवन के कई साल लगाए द्य गरीब की सेवा ये परम कर्तव्ये है हम राजनैतिक लोगो का जो लोग पहले नहीं करते आए थे इसी कड़ी में सांसद रमेश बिधूड़ी ने ESI हॉस्पिटल जो लगभग 400 बेड की है, T.B. हॉस्पिटल लगभग 600 बेड की है, और 200 बेड की आयुर्वेद आयुष मंत्रालय की है आयुर्वेद हॉस्पिटल बदरपुर मथुरा रोड वह पर फल वितरण का कार्येक्रम हुआ जहां आयुष मंत्री श्री सोनोवाल जी, राज्यमंत्री महेंद्रभाई जी के साथ वहा ब्लड डोनेशन कैंप भी लगाया गया द्य आयुष हॉस्पिटल के अंदर उसका उद्घाटन किया और गरीब मरीजों को निःशुल्क आज आयुष मंत्रालय के माध्यम से न्यूट्रिशन्स, प्रोटीन और हेल्थ ठीक रहे इस प्रकार की दवाइओ का वितरण हुआ। उसी कड़ी में रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में दक्षिणी दिल्ली की लोकसभा में 10 विधानसभाओ क अंदर हेल्थ चेकअप कैंपो का आयोजन किया गया - बदरपुर में आंबेडकर भवन में, तुग़लकाबाद विधानसभा में इन्द्रकल्याण विहार, संगम विहार में ॥ ब्लॉक 16 न. गली, कालका जी में गोविंदपुरी आर्य समाज मंदिर में, छत्तरपुर में 100 फूटा रोड अग्रवाल धरमशाला, मेहरौली, महिपालपुर मेन मार्ग, राजपुरी पालम, अम्बेडकर नगर ॥ ब्लॉक सब स्थानों पर आज मुफ्त स्वस्थ जाँच कैंप का भी आयोजन किया गया प्रधानमंत्री मोदी जी के जनमदिवस के उप्लक्ष्य में सेवा पखवाड़ा क तहत सेवा के रूप में एडमिट मरीज के अटेंडेंट तामीरदार उनके लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई और यह संकल्प लिया गया की अब प्रयास होगा की रोजाना ईएसआई अस्पताल के जितने भी तामीरदार मरीज लोग है उनको निःशुल्क भोजन देने की व्यवस्था विवेक बिधूड़ी फाउंडेशन के माध्यम से की जाएगी।

दिल्ली की आजादपुर मंडी में काम बांटने को लेकर हुआ था झगड़ा, साथी ने मजदूर की गोली मारकर की हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली की आजादपुर मंडी में फलों और सब्जियों के ट्रकों को उतारने के काम को लेकर हुए विवाद के बाद 31 वर्षीय एक मजदूर की उसके साथी ने कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना शुक्रवार को हुई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार को बताया कि आजादपुर मंडी में फायरिंग की सूचना पुलिस को शुक्रवार रात करीब आठ बजकर 20 मिनट पर मिली थी। पुलिस तुरंत आजादपुर फल मंडी में शेड संख्या-17 के निकट मौके पर पहुंची तो एक व्यक्ति के सीने में गोली लगने से घायल पाया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डीसीपी (उत्तर-पश्चिम) उषा रंगनानी ने बताया कि मृतक की पहचान बाद में बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी राजू के रूप में हुई। डीसीपी ने बताया कि महेंद्र पार्क थाने में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गांव सराय पीपल थला निवासी शांतू (28) को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि मृतक राजू और आरोपी शांतू आजादपुर मंडी में फल व सब्जी के ट्रकों को उतारने का काम करते थे। मंडी में मजदूरी का काम बांटने को लेकर कुछ दिन पहले आरोपी का मृतक से झगड़ा हो गया था।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को आरोपी नशे की हालत में था और बदला लेने के लिए उसने हत्या को अंजाम दिया और उसके कब्जे से अपराध में इस्तेमाल हुई एक देशी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

ई-रिक्शा चालक की हत्या में चार गिरफ्तार

लोनी। पुलिस ने ई-रिक्शा चालक के चार हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से मिले अहम सुराग के आधार पर हत्यारोपियों को सबूत के साथ दबोचा गया। हत्यारोपी लूटी गई ई-रिक्शा को बेचकर मकान के किराए का भुगतान करना चाहते थे। लोनी थाना प्रभारी अजय चौधरी ने शनिवार को बताया कि लोनी थाने की अंसार विहार का सुभाष ई-रिक्शा चलाता था। 13 सितंबर की सुबह गढी शब्लू गांव के पास वह रिक्शा सहित गायब हो गया। उसके पुत्र सोरभ ने दूसरे दिन ही गढी शब्लू गांव निवासी गोपाल, उसके पुत्र रमेश और बिजेन्द्र के विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

गांजा तस्करी के आरोपी से रिश्वत लेते पुलिसकर्मी का वीडियो हुआ वायरल, पूरी चौकी सस्पेंड

एजेंसी

नोएडा। नोएडा सेक्टर-57 चौकी के एक पुलिसकर्मी का रिश्वत लेते हुए वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

आरोप है कि पुलिसकर्मी ने गांजा तस्करी मामले में एक युवक को उठाने के बाद उसे 20 हजार रुपये रिश्वत लेकर छोड़ दिया। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर देर रात चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर लोकेश शर्मा सहित पूरी चौकी को सस्पेंड कर दिया गया। वायरल वीडियो में एक युवक और पुलिसकर्मी सहित कुल तीन लोग नजर आ रहे हैं। एक युवक पुलिसकर्मी को रुपये देता हुआ दिख रहा है।

पुलिस कमिश्नर ऑफिस ने इसकी जांच के निर्देश दिए। एडीसीपी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया कि संबंधित वीडियो सेक्टर-58 थानाक्षेत्र की सेक्टर-57 चौकी का है। पुलिस ने बिशनपुरा से नवरंग नाम के युवक को गांजा तस्करी के आरोप में 14 सितंबर को उठाया था।

नवरंग का आरोप है कि चौकी के एक पुलिसकर्मी ने देर शाम को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेने के बाद उसे छोड़ दिया। इस दौरान पीड़ित के एक साथी ने वीडियो बना ली। हालांकि, नवरंग के अनुसार, तीन पुलिसकर्मी इसमें शामिल हैं।

एडीसीपी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि सिपाही द्वारा रिश्वत लेने के मामले में पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर सेक्टर-57 चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर लोकेश शर्मा सहित पूरी चौकी को सस्पेंड कर दिया गया है। सस्पेंड पुलिसकर्मियों में इंचार्ज सहित हेड कॉन्स्टेबल राजकुमार त्यागी, सिपाही सोनू कुमार और अंकित बालियान शामिल हैं।

वायरल वीडियो में सिपाही सोनू कुमार रिश्वत लेते हुए नजर आ रहा है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस सिपाही सोनू को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला को लगा बड़ा झटका

पूर्व विशेष सहायक सहित 150 लोगों ने छोड़ी पार्टी

गुरुग्राम। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के वरिष्ठ नेता महेश चौहान, जो पिछले महीने तक उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के विशेष सहायक थे, उन्होंने शुक्रवार को अपने समर्थकों के साथ बीजेपी ज्वाइन कर ली। चौहान का स्वागत बीजेपी हरियाणा अध्यक्ष ओपी धनखड़ ने गुरुग्राम के पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में किया। चौहान का बीजेपी में शामिल होना राज्य में पार्टी की सहयोगी जेजेपी को रास नहीं आया। जेजेपी ने दोपहर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि चौहान को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए 25 अगस्त को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। पार्टी नेताओं के बीजेपी के लिए कड़े शब्दों का उपयोग करते हुए कहा कि बीजेपी को चौहान की पार्टी में एंट्री को लेकर उन्हें पूर्व जानकारी देनी चाहिए थी।

गठबंधन पर नहीं पड़ेगा असर

जेजेपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रतीक सोम ने कहा, महेश चौहान के खिलाफ भ्रष्टाचार की कई शिकायतें थीं और दक्षिण हरियाणा के स्थानीय कार्यकर्ता उनसे संतुष्ट नहीं थे। मामले का संज्ञान लेते हुए एक सितंबर को उन्हें डिप्टी सीएम के विशेष सहायक के पद से हटा दिया गया था। उन्हें पार्टी से भी निकाल दिया गया है और कार्यकर्ता इससे खुश हैं। उनके भाजपा में शामिल होने से हमारे गठबंधन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

जेजेपी के 150 पदाधिकारियों ने ज्वाइन की बीजेपी

बीजेपी ने बाद में एक बयान जारी किया कि चौहान के साथ कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं सहित जेजेपी के लगभग 150 पदाधिकारी पार्टी में शामिल हो गए हैं। हालांकि जेजेपी नेताओं ने इस दावे का खंडन किया और कहा कि उनमें से कुछ ही उनकी पार्टी के थे। वहीं चौहान ने कहा कि उन्होंने जेजेपी और उससे पहले इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की लगभग 26 वर्षों तक सेवा की है। वह अब राष्ट्रीय पार्टी में शामिल होना चाहते थे क्योंकि इससे लोगों और राज्य की सेवा करने का एक बड़ा अवसर मिलता है।

संपादकीय

किसी पीड़ित की जाति बताकर घटना को सनसनीखेज क्यों बनाया जाता है?

देहात में आज भी अपराध होने पर गांव के सब लोग एकत्र हो जाते हैं। विरोध करते हैं। लखीमपुर खीरी प्रकरण में भी लड़की की मां का शोर सुन गांव वाले एकत्र हो गए। लड़कियों को खोजने निकल पड़े। शहरों में तो घटना होती देख हम आंख घुमा लेते हैं।

अखबारों में लखीमपुर खीरी की दो बहनों के साथ बलात्कार के बाद हत्या की खबर है। अखबारों ने इसे दलित युवतियों के साथ बलात्कार के बाद हत्या की घटना बताया है। कुछ अखबारों ने इसी को लेकर समाचार पत्रों के शीर्षक भी लगाए। कुछ ने इस घटना को लेकर संपादकीय भी लिखे। उन्होंने दलित युवतियों के साथ बलात्कार और हत्या की घटनाओं पर चिंता जाहिर की। अग्रलेख लिखे गए। ऐसा ही बदायूं, उन्नाव और हाथरस में अनुसूचित जाति की लड़कियों या महिलाओं के साथ हुई घटनाओं के समय हुआ था। आदिवासी युवतियों के साथ घटना होने पर उन्हें आदिवासी बताकर घटना को ज्यादा गंभीर बताने की कोशिश होती है। कहीं पिछड़ा होने पर पिछड़ा बताकर। वास्तव में बेटियां न दलित होती हैं न पिछड़ी जाति की न आदिवासी। बेटियां समाज की होती हैं। मुहल्ले की होती हैं। पूरे गांव की होती हैं। बेटियों को कभी दलित, पिछड़े, आदिवासी वर्ग और धर्म में नहीं बांटना चाहिए। अगर किसी युवती या बेटी के साथ कोई घटना होती है तो उससे पूरे समाज के माथे पर कलंक लगता है। पूरे समाज को इसका विरोध करना चाहिए। जातियों में बांट कर विरोध किया जाना उचित नहीं है। इससे घटना की गंभीरता कम होती है। वैसे भी दलित या आदिवासी लड़कियों के साथ घटना होना तब माना जाना चाहिए जब उस जगह पर होने पर अपराधियों द्वारा दूसरी जाति की लड़कियों को छोड़ दिया जाता या बलात्कार-हत्या जाति पूछने के बाद होती। यह तो सीधी बलात्कार और हत्या की घटना है। किसी भी महिला के साथ घटना घट सकती है। कहीं भी हो सकती है। गांव में भी हो सकती है। शहर में भी। ये अपराध जाति विशेष की बेटी या महिला के साथ नहीं हुआ। समाज की बेटी या महिला के साथ हुआ है। हम इस प्रकार की घटना होने पर पीड़ित की जाति बताकर घटना की गंभीरता सिद्ध करने का प्रयास करते हैं। हम बताना चाहते हैं कि हमारे समाज में आदिवासी, दलित, अनुसूचित जाति आदि की महिलाएं सुरक्षित नही हैं। ये कोशिश करते हैं कि इससे अपराध की गंभीरता बड़ी हो सके। समझने की बात यह है कि इससे अपराध की गंभीरता बढ़ती नहीं कम होती है। घट जाती है। देहात में आज भी अपराध होने पर गांव के सब लोग एकत्र हो जाते हैं। विरोध करते हैं। लखीमपुर खीरी प्रकरण में भी लड़की की मां का शोर सुन गांव वाले एकत्र हो गए। लड़कियों को खोजने निकल पड़े। शहरों में तो घटना होती देख हम आंख घुमा लेते हैं। दुर्घटना से सड़क पर घायल पड़े व्यक्ति की मदद करना गंवारा नहीं करते, देखकर आगे बढ़ जाते हैं। शहरी दुनिया के रहने वाले हम सब हस्तिनापुर राज के दरबारी बन जाते हैं। दरबार में सरेआम द्रौपदी की साड़ी खींची जाती है और सब चुप रहते हैं। पुरानी घटना है। नादिर शाह ने दिल्ली पर कब्जा कर लिया। उसके सिपाही लूटमार में लग गए। उन्होंने कुछ युवतियों और महिलाओं से बलात्कार किया। हम भारतीय हिंदू हों या मुसलमान, महिलाओं का अपमान नहीं बर्दाश्त कर सकते। सो उन सिपाहियों का खून कर दिया। सिपाहियों के मारे जाने की सूचना पर नादिर शाह आग बबूला हो गया। उसने कत्ले आम का हुक्म दिया। बताया जाता है कि पांच घंटे में तीस हजार के लगभग पुरुष, बच्चो और महिलाओं का कत्ले आम हुआ। अभी कामनवेल्थ गैम्स हुए। उसमें विजयी तो भारत के खिलाड़ी हो रहे थे। घोषणा भी ये ही थी कि भारत को एक और मेडल मिला। भारत आते-आते ये खिलाड़ी जातियों में बंट रहे थे। कोई कह रहा था इतने ब्राह्मण जीते। कोई कह रहा था- इतने जाट खिलाड़ी विजयी हुए। कोई प्रदेश के हिसाब से खिलाड़ियों के आंकड़े बता रहा था। विशेष कारण के बिना जातियों, धर्म, संप्रदाय और दलित, अगड़े और पिछड़ों में बांटने की हमारी प्रवृति घातक है। इस पर रोक लगनी चाहिए। इससे समाज कमजोर होता है। देश कमजोर होता है।

पर्यावरण व जीवों के अस्तित्व को चुनौती

विजय गर्ग

इसी साल मई में गोवा के कई समुद्र तट तेलीय 'कार्सिनोजेनिक टारबॉल' के कारण चिपचिपा रहे थे। गोवा में सन ? 2015 के बाद 33 ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। टारबॉल काले-भूरे रंग के ऐसे चिपचिपे गोले होते हैं, जिनका आकार फुटबॉल से लेकर सिक्के तक होता है। ये समुद्र तटों की रेत को भी चिपचिपा बना देते हैं। इनसे बदबू तो आती ही है। गोवा में 105 किलोमीटर के अधिकांश समुद्र तटों पर इस तरह की गंदगी आना बहुत आम बात है। इससे पर्यटन तो प्रभावित होता ही है, मछली पालन से जुड़े लोगों के लिए यह रोजी-रोटी का सवाल बन जाता है। इसका कारण है समुद्र में तेल या क्रूड ऑयल का रिसाव। कई बार यह रास्तों से गुजरने वाले जहाजों से होता है तो इसका बड़ा कारण विभिन्न स्थानों पर समुद्र की गहराई से कच्चा तेल निकालने वाले संयंत्र भी हैं। वैसे भी अत्यधिक पर्यटन और अनियंत्रित मछली पकड़ने के ट्रोलर समुद्र की सतह को लगातार तैलीय बना ही रहे हैं। हाल ही में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी (एनआईओ) ने एक अध्ययन में देश के पश्चिमी तट पर तेल रिसाव के लिए दोषी तीन मुख्य स्थानों की पहचान की है। इनसे निकलने वाला तेल पश्चिमी और दक्षिण पश्चिमी भारत के गोवा के अलावा महाराष्ट्र, कर्नाटक के समुद्र तटों को प्रदूषित करने के लिए जिम्मेदार हो सकता है। इस शोध में सिफारिश की गई है कि 'मैनुअल क्लस्टरिंग' पद्धति अपनाकर इन अज्ञात तेल रिसाव कारकों का पता लगाया जा सकता है। दरअसल, गुजरात के प्राचीन समुद्र तट, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक मोड़ और गुजरात पश्चिमी तट पर सबसे व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय समुद्र जलीय मार्ग हैं जो तेल रिसाव के कारण खतरनाक टारबॉल के चलते गंभीर पारिस्थितिकीय संकट के शिकार हो रहे हैं। तेल रिसाव की मार समुद्र के संवेदनशील हिस्से में ज्यादा है। संवेदनशील क्षेत्र अर्थात ? कछुआ प्रजनन स्थल, मैंग्रोव, कोरल रीफ्स (प्रवाल भित्तियां) वाले स्थान शामिल हैं। मनोहर पर्रिकर के मुख्यमंत्रित्व काल में गोवा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) की ओर से तैयार गोवा राज्य तेल रिसाव आपदा आपात योजना में कहा गया था कि गोवा के तटीय क्षेत्रों में अनूठी वनस्पतियों और जीवों का ठिकाना है। इस रिपोर्ट में तेल के बहाव के कारण प्रवासी पक्षियों पर विषम असर की भी चर्चा थी। लगातार चार वर्षों 2017 से 2020 (मार्च-मई) तक हासिल किए गए आंकड़ों के अध्ययन से पता चला कि तेल फैलाव के तीन हॉट स्पॉट ज़ोन है। विडंबना है कि लॉकडाउन के दौरान भी तेल उत्खनन और अंतर्राष्ट्रीय टैंकर यातायात पर कोई असर हुआ नहीं, जिससे तेल रिसाव यथावत रहा। समुद्र में तेल रिसाव की सबसे बड़ी मार उसके जीव जगत पर पड़ती है, व्हेल, डोल्फिन जैसे जीव अपना पारंपरिक स्थान छोड़ कर दूसरे इलाकों में पलायन करते हैं तो जल निधि की गहराई में पाये जाने वाले छोटे पौधे, नन्ही मछलियां, मूंगा जैसी संरचनाओं को स्थाई नुकसान होता है। कई समुद्री पक्षी मछली पकड़ने नीचे आते हैं और उनके पंखों में तेल चिपक जाता है और वे फिर उड़ नहीं पाते। तड़प-तड़प कर उनके प्राण निकल जाते हैं। यदि चक्रवात प्रभावित इलाकों में तेल रिसाव होता है तो यह तेल लहरों के साथ धरती पर जाता है, बस्तियों में फैलता है और यहां उपजी मछलियां खाने से इंसान कई गंभीर रोगों का शिकार होता है। तेल रिसाव का सबसे प्रतिकूल प्रभाव तो समुद्र के जल तापमान में वृद्धि है जो कि जलवायु परिवर्तन के दौर में धरती के अस्तित्व को बड़ा खतरा है। सनद रहे ग्लोबल वार्मिंग से उपजी गर्मी का 93 फीसदी हिस्सा समुद्र पहले तो उदरस्थ कर लेते हैं फिर जब उन्हें उगलते हैं तो ढेर सारी व्याधियां पैदा होती हैं। जब परिवेश की गर्मी के कारण समुद्र का तापमान बढ़ता है तो अधिक बादल पैदा होने से भयंकर बरसात, गर्मी के केन्द्रित होने से चक्रवात, समुद्र की गर्म भाप के कारण तटीय इलाकों में बेहद गर्मी बढ़ना जैसी घटनाएं होती हैं।

योगी राज में खतरे में महिला सुरक्षा का फरमान

बेटी बचाओ बेटी पढाओ/पहले आबरू और जान तो बचाओ?

शर्मसार करने वाली वारदातों का अंतहीन सिलसिला!

मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश में लखीमपुर की दो दलित नाबालिग बहनों के साथ दरिंदगी के बाद हत्या कर पेड़ पर लटका देने की वारदात ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को हाशिये पर लाकर खड़ा कर दिया है। विशेष कर बेटियों महिलाओं के सम्मान व सुरक्षा का दावा करने वाली योगी सरकार के राज में एक के बाद एक घिनौनी वारदातें सामने आ रही है उससे पता चलता है कि समाज कंटक अपराधियों के हौसले बुलंद है और खतरे के निशान से ऊपर है ऐसे में सरकार का बेटी बचाओ बेटी पढाओ का नारा एक बार फिर सिर्फ निरी बयान बाजी रह गया है बेटी बीते कल भी समाजकंटको के निशाने पर थी बेटी आज भी खतरे में है और एनसीआर बी के आंकड़े गवाह है कि बेटियों पर यह खतरा कम होने के स्थान पर बढ़ रहा है।

लखीमपुर के निघासन इलाके में 14 सितंबर बुधवार की शाम दो सगी दलित नाबालिग बहनें (17 व 15 वर्ष) को दरिंदों ने सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या कर एक ही पेड़ से लटका दिया। मृतका लड़कियों की मां ने आरोप लगाया है कि तीन युवक बाइक से आए और उसकी बेटियों को खींच ले गए थे। उसने अगवा कर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस जांच में लड़कियों को बहला फुसला कर उनकी रजामंदी से साथ ले जाने की बात कही गई है। बेटी बचाओ का नारा देने और लड़कियों व महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जीरो टालरेंस का दावा करने वाली योगी सरकार की पुलिस इस सनसनीखेज नृशंस व दलित नाबालिग लड़कियों से जुड़े होने के कारण कटघरे में खड़ी नजर आई। हालांकि मामले की गंभीरता को देखते हुए तमाम आला अधिकारियों की देखरेख में पुलिस ने जांच पड़ताल की और त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के अंदर सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का पर्दाफाश करने का दावा किया है। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के बाद मीडिया को जो बातें बताई, उसमें काफी झोल है। इस मामले में पुलिस अपनी साख बचाने के लिए मामले के कुछ तथ्यों से खिलवाड़ करती मालूम पड़ती है।

इस बेहद शर्मनाक व नृशंस वारदात ने कुछ साल पहले हुए सम्भल, बदायूं और बहराइच में हुए हत्याकांड के जख्मों को हरा कर दिया है। प्रदेश के सम्भल जिले में भी 19 और 18 साल की दो सगी बहनों के शव पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकते हुए मिले थे। यही नहीं, बदायूं में भी दो चचेरी बहनों के लाशों को पेड़ से लटका पाया गया था और बहराइच में भी दो बहनों के शव पेड़ों से लटके मिले थे। इन सभी वारदातों में दरिंदों द्वारा दो बहनों को ही कत्ल कर पेड़ से लटका दिया गया था मौजूदा मामले में एक बार फिर इसी की पुनरावृत्ति की गयी है।

मिली जानकारी के मुताबिक दरिंदगी का शिकार बनी किशोरियों के घर गांव के एक बाहरी छोर पर हैं। उसके घर के आसपास गन्ने के खेत शुरू हो जाते हैं। गांव की बाकी बस्ती थोड़ी दूरी पर है। मृत किशोरियों की मां के मुताबिक तीन बाइक सवार युवक लड़कियों को अगवा कर ले गए थे। कथित तौर पर अगवा करने वालों ने विरोध करने पर मां को लात मार दी। जिससे वह गिर गई। करीब 45 मिनट बाद गांव से करीब पौन किमी दूर एक गन्ने के खेत में लगे खैर के एक छोटे पेड़ पर दुपट्टे के सहारे दोनों लड़कियां लटकी मिलीं। एक किशोरी के पैर भी जमीन पर लग रहे थे।दोनों बहनों की पेड़ से लटकती लाशें मिलने की सूचना मिलते ही हडकंप मच गया। पुलिस हरकत में आ गई। आईजी रेंज लखनऊ लक्ष्मी सिंह को भी मौके पर भेजा गया। उन्होंने सड़क को जाम कर धरना दे रहे गांव वालों को समझा कर धरना खत्म कराया। यूपी पुलिस ने इस मामले में नाबालिग बहनों की मां की लिखित शिकायत के बाद रिपोर्ट दर्ज की, जिसमें एक नामजद और तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दर्ज की गई है, जिसमें पोक्सो एक्ट, रेप और हत्या जैसी गंभीर धाराएं लगाई गई। पुलिस ने मामले की जांच की तो परते खुलती चली गई। इस सनसनीखेज सामूहिक दुष्कर्म व दोहरे हत्याकांड में शामिल सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में छोटू, सुहेल, जुनैद, हफीजुल्लाह, करीमुद्दीन, आरिफ शामिल हैं। इनमें से एक आरोपी जुनैद को एनकाउंटर में गिरफ्तार किया गया, जिसके पैर में गोली लगी है।

पुलिस ने दावा किया कि दोनों लड़कियां दो आरोपी हत्यारो के संपर्क में थी और उन पर शादी का दबाव बना रहीं थीं इस पर जुनैद और सुहैल ने अपने साथियों के साथ दोनों लड़कियों की हत्या कर दी। इस दोहरे हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने प्रेस को इस बाबत जानकारी दी। एसपी संजीव सुमन के हवाले से बताया गया कि मुख्य आरोपी छोटू लड़कियों के पड़ोस में रहने वाला है, उसने तीन लड़कों का इन लड़कियों से परिचय कराया था। जिसके बाद उनकी दोस्ती हुई थी। आरोपी बुधवार को दोपहर के समय गांव में मोटरसाइकिल लेकर आए थे। एक आरोपी जुनैद ने दोनों लड़कियों को बहला फुसला कर साथ चलने को तैयार किया और उनको झांसा देकर अपनी बाइक पर बैठाकर ले गया। ये सभी पहले से तय एक खेत में गए। इसके बाद लड़कियों के साथ दुष्कर्म किया गया । जब लड़कियों ने शादी की बात की तो जुनैद और सुहैल ने शादी से इनकार कर दिया। इस दौरान लड़कियां शादी का दबाव बनाने लगी तो उनके बीच विवाद बढ़ गया। सुहैल, जुनैद और हफीजुल्लाह ने दुपट्टे से गला दबाकर दोनों की हत्या कर दी। इसके बाद सबूत मिटाने और आत्महत्या का रूप देने के लिए दोनों बहनों के शव को पेड़ से लटका दिया। सुहैल और जुनैद ने सबूत मिटाने के लिए अपने दो साथियों कलीमुद्दीन और आरिफ को भी मौके पर बुलाया था। सभी आरोपी आपस में दोस्त हैं और लालपुर केरहने वाले हैं। आरोपी दोनों बहनों को बहला-फुसलाकर खेत में ले गए थे। आरोपियों ने लड़कियों की मर्जी के खिलाफ संबंध बनाए। धारा 302, 306 और पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि लड़कियों का अपहरण नहीं हुआ था। वीडियोग्राफर की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया। मेडिकल सूत्रों के मुताबिक, गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हो गई है। दुष्कर्म की जांच के लिए स्लाइड बनाई जा रही है।

कर

इस वारदात ने एक बार फिर बता दिया है कि अपराधियों में योगी सरकार और पुलिस का खौफ खत्म हो चला है यह कैसा कानून का राज है जिसमें दलित बेटियों को दिनदहाड़े बहला फुसलाकर अगुआ कर सामूहिक दुष्कर्म कर मौत के घाट उतार दिया गया और लाश भी पेड़ पर लटका दी गई। सभी मुल्जिम दूसरे समुदाय के हैं। जाहिर है कि जिस घिनौने व पाशविक तरीके से नाबालिग दलित लडकियों को दोस्ती के जाल में फंसा कर अगुआ कर सामूहिक दुष्कर्म कर हत्या कर दी गई उस को देखते हुए यह वारदात अपराधियों के बुलंद हौसले और लवजेहाद का मामला है लेकिन पुलिस लड़कियों के स्वेच्छा से दरिंदों के साथ जाने व जबरन दुष्कर्म के बाद शादी का दबाव बनाने की मनगढंत कहानी पर जोर दे कर अपने चेहरे को साफ करने की जुगत करती दिख रही है इस से अभियोजन पक्ष कमज़ोर हो रहा है चूंकि लड़कियों की मां और पुलिस के कथन में विरोधाभास बन गया है सरकार को एसआईटी से मामले की गहन जांच करनी चाहिए बेहतर होगा कि योगी सरकार का बुलडोजर इन दरिंदों के आशियाने को नेस्तनाबूद करे और इनकी सम्पत्ति भी जब्त की जाए। ऐसी घिनौनी वारदातों को अंजाम देने के पीछे प्रदेश में सांप्रदायिक तनाव व हिंसा फैलाने का भी मंसूबा छिपा हो सकता है। ऐसे घृणित अपराध से जुड़े अपराधी चाहे किसी भी समुदाय वर्ग जाति से सम्बध्द हो उन के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही की जानी चाहिए ऐसे तत्वों को जितनी सख्ती से कुचला जाए वह कम है। प्रदेश सरकार को महिला सुरक्षा के दावों को अमली जामा पहनाने की जरूरत है यह तभी संभव है जब पुलिस कागजी खानापूर्ति करने के स्थान पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए धरातल पर काम करे। सरकार को इस बेहद शर्मसार करने वाली वारदात से जुड़े अपराधियों पर रासुका भी लगानी चाहिए और ऐसा नजीर पेश करना चाहिए कि इस तरह की वारदात करने की दोबारा कोई अपराधी जुर्रत न कर सके।

----पुस्तक समीक्षा---

पुस्तक का नाम--शब्दों के मोती
लेखिका--विनीता सिंह परिहार
विधा--काव्य
प्रकाशन--अक्षरा प्रकाशन

विगत दिनों,विनीता सिंह परिहार का प्रथम काव्य संग्रह शब्दों के मोती प्राप्त हुआ।पुस्तक का पाठन किया गया।

पुस्तक की विषय वस्तु और तेवर देख कर कवियत्री विनीता सिंह परिहार के विषय में यह कहना ठीक है कि वे वर्तमान में चल रही साहित्य की मठ परम्परा में नही हैं।न किसी विशेष विचारधारा का झंडा थामा है न किसी मठ के झंडे के नीचे हैं। उनकी पुस्तक में गीत, ग़ज़ल, कविता, मुक्तक,बल्कि भजन भी सम्मिलित हैं। विनीता सिंह सकारात्मकता की कवियत्री है,वे किसी राजनैतिक विचारधारा की समर्थक या विरोधी नही हैं।वे किसी सामाजिक विसंगति की शल्यक्रिया नहीं करतीं वरन होम्योपैथिक उपचार करती हैं। दैनिक जीवन की अनुभूतियों और सामाजिक सरोकारों के लगभग सभी विषय उनकी विभिन्न कविताओं में हैं।

यहाँ तक कि परिवार के सदस्यों के लिए कविता लिख कर,उसे भी चिर स्थायी किया है।उन्होंने पर्यावरण,पानी बचाओ,मानवीय मूल्य और भारतीय पर्वों पर भी लेखनी चलाई है।

उन्होंने एक भजन लिखा,--
जगत में झूठी सबकी प्रीत।

यह पद विन्यास,ईसुरी की चौकड़िया के अनुरूप है।बुंदेलखंड में ईसुरी की चौकड़िया,प्रत्येक अवसर पर गाई जाती हैं। कजरी लेखन अब लुप्त हो चला है किंतु उन्होंने कजरी भी लिखी है।यह एक विशेष गीत होता है जो सावन मास में गाया जाता है।इसे सामान्य साधक नही बल्कि शास्त्रीय संगीत के साधक गाते है।इसके लिए स्व. गिरिजा देवी बनारस का नाम उल्लेखनीय है। खैर।

लेखिका ने मानसिक द्वंद पर सरलता से अपनी बात रखी है।उनकी एक कविता की लाइन है-
एक कविता मन में थी,
और एक कविता कह गये।

उनकी एक कविता,साथी हाथ बढ़ाना,जीवन मे उल्लास और उत्साह की पूर्ति करती है।

कवियत्री को मुक्तक लिखने में विशेष दक्षता हासिल है।उनका एक मुक्तक है--
रिवाजो रस्म की बेड़ी तुम्हे,हँसने नही देती।
तुम्हारे स्वप्न को,तुमसे कभी मिलने नही देती।
ये दुनियां की कठिन रस्में,हृदय को तोड़ देती हैं,
रौंद देती हैं कलियों को,मगर खिलने नहीं देती।

आसमा के पार कविता में,मानव की विवशताओं को सहज ढंग से रेखांकित किया गया है।

मन को छू लेने वाले सहज,सरल और मधुर प्रेम गीत भी पुस्तक में हैं---
बात नहीं जब तुमसे होगी,
मन भावों को कौन पढ़ेगा ?

कुल मिला कर कवियत्री ने,शब्दों के मोती पुस्तक में, विचार ,वेदना, प्रेम, विरह, मानव चेतना,सामाजिक सरोकार आदि पर लिख कर भावों का सतरंगी इन्द्रधनुष निर्मित किया है।

और अंत मे लेखकीय ईमानदारी की बात। किसी कवि की रचनाधर्मिता केवल इस बात से प्रमाणित नही होती कि शब्द कितने तीखे हैं या किस घटियापन पर उतर कर व्यवस्था को गाली दी जा सकती है।लेखन की पहली शर्त है,लेखकीय ईमानदारी कि लेखक जन की पीड़ा को या निजी अनुभूति को कितनी सहजता से लिख पाता है।साहित्य में नाटकीयता स्वीकार्य नही है। यदि इस ईमानदारी को देखना हो तो जन की पीड़ा के लिए,बाबा नागार्जुन,धूमिल जी,निरालाजी के लेखन को देखना होगा। प्रेम की निश्छल अनुभूति के लिये,लोक कवि ईसुरी, स्व.नीरज जी,किशन सरोज जी,भारतभूषण जी आदि को देखना होगा। कविता में शब्द चयन, अलंकार,छंद निर्माण आदि कवि की विद्वता के प्रतीक तो हो सकते हैं लेकिन ऐसी कविता जनता से जुड़ेगी,इसकी कोई गारंटी नही है।

हरगोविन्द ठाकुर, ग्वालियर
9174755065

कवियत्री,विनीता सिंह परिहार ने उपरोक्त सभी आडंबरों को धकेलते हुए,सरल सहज लेखन किया है। यह उनकी पहली पुस्तक है किन्तु अंतिम नही है,ऐसी आशा है। आशा है कि अगली पुस्तक में और नये प्रतिमान स्थापित करेंगी।

पुस्तक - शब्दों के मोती
पुस्तक पृष्ठ - 112
पुस्तक का मूल्य (245 रु. 30 पतिशत छूट के बाद) हार्ड बोंड

भारत में प्रतिभाओ की कमी नहीं

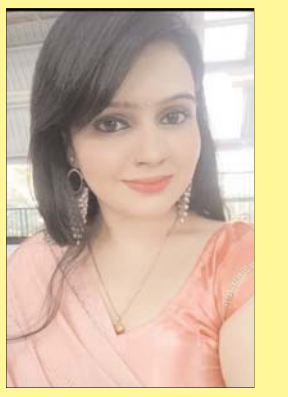

निधि झा
('इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड होल्डर 2018 एम्पावर चाइल्ड एम्पावर नेशन' और बेटी फाउंडेशन की राष्ट्रीय प्रवक्ता)

भारत में प्रतिभाओ की कमी नहीं है किंतु पर्याप्त इच्छाशक्ति, सुविधाओं व संसाधनों के अभाव में उन्हें उचित अवसर नहीं मिलता है। शिक्षा के क्षेत्र में यह स्थिति सबसे ज्यादा स्तर पर देखनेको प्राप्त होती है। एक एनजीओ (गैर-सरकारी संगठन) एक गैर-लाभकारी संगठन है जो सरकार से स्वतंत्र रूप से संचालित और कार्य करता है। कभी-कभी नागरिक समाज के रूप में भी जाना जाता है, गैर सरकारी संगठन मूल रूप से नागरिक आधारित समूह होते हैं जो क्षेत्र में प्रचलित विशिष्ट राजनीतिक या सामाजिक मुद्दों की सेवा के लिए समुदाय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठित होते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि गैर सरकारी संगठन वाणिज्यिक प्रकृति के बजाय सहकारी हैं। भारत की ऐसी ही एक गैर सरकारी संगठनजिसने समाज में अपनी पहचान बेटी फाउंडेशनके रूप में स्थापित की है हम अपने आज के इस अनुच्छेद में इस संस्थानकेमुख्य उद्देश्यों, सभी विकास संबंधी परियोजनाओं और कार्य प्रणाली की चर्चा करेंगे।

बेटी फाउंडेशन एक सिविल सोसाइटी संगठन है और इसकी स्थापना दिनांक (31-12-2008) को हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किया गया। इस संगठन केसंस्थापकश्री अनुज भाटी जी है। बेटी बचाओ बेटी पढाओ आंदोलन से प्रेरित होकर हमने यह संस्थानमलिन बस्तियों लाल बत्तियों परभीख मांगने वाले और ग्रामीण क्षेत्रोंके पिछड़े बच्चोंको शिक्षित करने के मकसद से की गई थी।

बेटी फाउंडेशन 2016 से कार्य कर रही है। यह एक रजिस्टर्ड संस्था है। 2018 से इसने अपना कार्य वृहद रूप से करना आरंभ किया। इसके तीन मुख्य उद्देश्य हैं-बेटियों की रक्षा करना, उन्हें पढ़ाना और अपने पैरों पर खड़ा करना।बेटियों की रक्षा के लिये अभी तक 25000 बेटी रक्षक बनाये जा चुके हैं जिन्हें विभिन्न आयोजनों में बेटियों की रक्षा की शपथ दिलाई जा चुकी है। बेटियों को शिक्षा दिलाने के लिये बेटी पाठशालायें चल रही हैं।

बेटियों को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिये, उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रियोजनाएं चला रही हैं पर अब बेटी फाउंडेशन ये मानती है कि बेटियों की असली रक्षा तभी होगी जब हमारे भारत के बेटे, भारत के सपूत भी होनहार बनेंगे, अपने पैरों पर खड़े होंगे और बेटियों को सुरक्षित भविष्य प्रदान करेंगे और लव-जिहाद जैसे घृणित फरेबों से बचा सकेंगे।

इसलिये बेटी फाउंडेशन अब इस दिशा में भी कार्य करने का प्रयास करेगी और लोगों से जुड़ने की उत्सुक रहेगी। विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करके माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए विविध क्षेत्र के युवा पेशेवरों द्वारा संगठन की स्थापना की गई थी। हमारी संस्थान द्वारा दिल्ली के भीतर बेटी फाउंडेशन की गतिविधियां न केवल लड़कियों के अधिकारों के मुद्दों से संबंधित हैं बल्कि लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं ताकि वे सीखने, नेतृत्व करने, निर्णय लेने और बढ़ने की अपनी क्षमता का उपयोग कर सकें। हम हर जगह लोगों को लड़कियों के अधिकार से संबंधित आंदोलन का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

हमारी संस्थान बेटी फाउंडेशन दिल्ली के दक्षिण जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करती है। जिसके माध्यम से हम पहले ही 2000 से अधिक महिलाओं और लड़कियों तक पहुँच चुके हैं और उनकी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न सेवाएँ और जानकारी प्रदान कर चुके हैं। मुख्यत हमारी संस्थानके आयोजनों का विषय लड़कियों की शिक्षा समाज में उनके परिवार की अर्थव्यवस्था या सामाजिक स्थिति को मजबूत बनानेके लिए प्रभावित करना हैं! बेटी फाउंडेशन ट्रस्ट बिना किसी जाति और पंथ के गरीब और वंचित परिवारों को उनकी परंपराओं के अनुसार उनकी लड़कियों की शादी करने में मदद कर रहा है। बालिका शिक्षा की जीत का सम्मान करना, उच्च अंक, आदि बालिकाओं में गर्व को बढ़ावा देने के सबसे तेज़ तरीकों में से एक है। बालिकाओं को शिक्षा के साथ सशक्त बनाना है। हमें समाज में सभी के लिए शिक्षा का अर्थ यह सुनिश्चित करना है कि सभी बच्चों को अच्छी गुणवत्ता की बुनियादी शिक्षा मिले। इसका तात्पर्य स्कूलों में और बुनियादी शिक्षा कार्यक्रमों में एक ऐसा माहौल बनाना है जिसमें बच्चे अक्षरी ज्ञान व कौशल विकास दोनों ही रूपों में सक्षम बन सकें।

फाउंडेशन संस्था के कार्य क्षेत्र

1) बेटियों की सुरक्षा के लिए समाज के लोगों में जागरूकता और शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आपहुंची

8 मार्च 2018 को 600 महिलाओं के साथ यह कार्यक्रम की शुरुआत की, मार्च 2019 में महिला दिवस के रूप में महिला एवं युवाओं को बेटी रक्षक की शपथ दिलाई, वर्ष 2019 मैं रन 4 बेटी मैराथन का आयोजन कनॉट प्लेस है से इंडिया गेट तक कराया गया जिसमें 5000 युवा, युवती ने हिस्सा लिया, और उन को शपथ दिलाई, यह शपथ दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर कराई जाती है हर साल रण फों बेटी कराया, फिर 2021 मैं 3000 युवाओं को साथ मिलकर बेटी रक्षक की शपथ ग्रहण कराई जिसमें दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने स्वयं इस शपथ को युवाओं को कराया, 2022 में भी साडे चार हजार लोगों ने शपथ ली जिसमें महिला एवं पुरुष शामिल हैं,

2) बेटियों की शिक्षा के लिए बेटी पाठशाला चलाना

बेटी फाउंडेशन की मुहिम बेटी की पाठशाला के नाम से दिल्ली में कार्य कर रही है इन पाठ शालाओं का आयोजन 2019 से लगातार दिल्ली की सड़कों पर चल रहा है

2019 में हमारे पास संख्या 40 थी
2020 में हमारी संख्या 60 हुई
2021 में 90 पर पहुंची
2022, आज संख्या 123 पर पहुंच चुकी है

अभी हमारे 5 संस्कार केंद्र चल रहे हैं
पहला केंद्र आईआईटी फ्लाईओवर दिल्ली जो संख्या 37
दूसरा केंद्र हनुमान मंदिर कनॉट प्लेस है संख्या 24
तीसरा केंद्र लाजपत नगर फ्लाईओवर के नीचे निकटतम लाल सई मंदिर है संख्या 23
चौथा केंद्र कालकाजी मंदिर नई दिल्ली है 39
पांचवा केंद्र हमारा सिलाई सेंटर आईआईटी फ्लाईओवर के निचे, संख्या 19 महिलाइये, यह वह महिलाएं जो फुटपाथ पर ही रहती हैं

3) सामूहिक विवाह का आयोजन करना

26 नवंबर 2018 5 कन्याओं का सामूहिक विवाह,
27 जनवरी 2019 21 कन्याओं का विवाह
23 मई 2021 को 21 कन्याओं का सामूहिक विवाह
27 मार्च 2022 को 21 कन्याओं का विवाह
12 जून 2022 को 21 कन्याओं का विवाह
27 नवंबर 2022 को 101 कन्याओं का सामूहिक विवाह होने की तैयारियां

4)फुटपाथ पर रह रहे बेटियों के लिए नियमित मिड डे मील व 2 घंटे का स्कूल चलाना (बेटी पाठशाला के नाम से) बेटी की पाठशाला के बाद जो सड़क पर रह रहा बच्चा है उसको पढ़ाई के बाद उसको शुद्ध भोजन की व्यवस्था बेटी फाउंडेशन की सारी पाठशाला पर की जाती है जिससे उनका स्वास्थ्य अच्छा रह सकें।

शार्ट न्यूज

सौतेले पिता और मामा समेत तीन लोगों ने किशोरी के साथ किया सामूहिक दुष्कर्म, प्रेगनेंट होने पर कराया गर्भपात

संभल। यूपी के संभल में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने दो साथियों के साथ अपनी सौतेली बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पिता ने किशोरी को डरा-धमकाकर कई बार उससे शारीरिक संबंध बनाए। जब किशोरी प्रेगनेंट हुई तो गर्भपात करा दिया गया। वहीं पीड़िता ने अपने पिता समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। संभल के नखासा थाना क्षेत्र में तलाकशुदा महिला ने कुछ साल पहले पीपली रहमापुर के रहने वाले एक शख्स से निकाह कर ली। महिला की पहले से एक सोलह साल की बेटी भी है। जब छह महीने पहले महिला रिश्तेदारी में गई हुई थी उसी दौरान बेटी के सौतेले पिता, रिश्ते के मामा और एक अन्य युवक ने किशोरी का गैंगरेप किया। उसके बाद सौतेले पिता ने किशोरी को डराया-धमकाया। इसके बाद भी उसने कई बार बेटी के साथ संबंध बनाए। जब किशोरी चार महीने की गर्भवती हुई तो इसकी जानकारी उसकी मां को हुई। जिसके बाद पीड़िता ने सौतेले बाप की सारी बात मां से बताई। इसके बाद मामले की सुनवाई पंचायत में की गई। जिसके बाद किशोरी का गर्भपात करा दिया गया। पति की हरकतों से नाराज होकर महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने सौतेले पिता, रिश्ते के मामा और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी फरार चल रहे हैं। थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह पंवार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

मथुराः वकील के पांच हत्यारों को जुर्माने के साथ आजीवन कठोर कारावास

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय संतोष कुमार तृतीय की अदालत ने लगभग पांच वर्ष पूर्व की गई एक वकील की हत्या के पांच दोषियों को आजीवन कठोर कारावास देने के साथ साथ अर्थदंड की सजा सुनाई है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता भीष्म दत्त सिंह तोमर ने बताया कि न्यायाधीश ने जहां चार अभियुक्तों नन्दलाल, फत्रू उर्फ वीरेन्द्र, रिंकू तथा रूपा को में से प्रत्येक पर 17-17 हजार का जुर्माना लगाया है वहीं पांचवे अभियुक्त गोविन्दा पर 18 हजार का जुर्माना इसलिए लगाया है क्योंकि उसके पास से हत्या में प्रयोग किया गया, तमंचा बरामद हुआ था। उसकी हाईकोर्ट से भी जमानत नही हुई और वह गिरफ्तारी के बाद से अभी तक जेल में बन्द है। जुर्माना न अदा करने पर आरोपियों को एक एक माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी किंतु सभी सजाएं साथ साथ चलेंगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार 26 अक्टूबर 2017 को रात साढ़े नौ बजे नन्दलाल एव फत्रू उर्फ वीरेन्द्र पुत्रगण देवी सिंह, गोविन्दा पुत्र शरण, रिंकू पुत्र राम तथा रूपा पुत्र सुक्खीराम निवासीगण राजपुर थाना वृन्दावन ने एक राय होकर उस समय अंधाधुंध गोली चलाना शुरू कर दिया जब अधिवक्ता रामगोपाल सिंह एडवोकेट अपने बेटे के साथ कोतवाली वृन्दावन के अन्तर्गत रामनगर कालोनी में घर के बाहर टहल रहे थे। गोली लगने से जहां अधिवक्ता सिंह घायल हो गए वहीं उनके साथ टहल रहा उनका बेटा इसलिए बच गया कि वह गोलीबारी के दौरान जमीन पर लेट गया था।

चीतो के आने से नहीं भरेगा गरीब का पेट

इटावा। नामीबिया से आठ एशियाई लाने पर तंज कसते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) नेता एवं पूर्व राज्यमंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा कि चीतों के आने से न तो गरीब का पेट भरने वाला है और न ही रोजगार के अवसर पैदा होंगे। विश्वकर्मा ने पार्टी के जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि देश से विलुप्त हो चुके चीते लाना अच्छी बात है मगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आज अपने जन्मदिन पर चीतों की बात न करके संकल्प लेना चाहिए था कि वह गरीब के लिये दो जून की रोटी और बेरोजगारों को रोजगार का इंतजाम सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर अपनी पार्टी और समाज को संभाल नही पा रहे है। सरकार में रहते हुये उन्होंने कभी राजभर समाज के मुद्दे पर आवाज ही नही उठाई। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने 2005 में मुख्यमंत्री रहते पिछडो के लिये काम किया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री रहते पिछडो के लिये प्रस्ताव बना कर केंद्र को भेजा लेकिन भाजपा सरकार ने पिछड़ा का विरोधी होने के कारण ये प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया। जब ओमप्रकाश राजभर अपने राजभर समाज के लिये आवाज नही उठाएंगे तो इसमे किसी और दोष कैसे दे सकते है।

रायबरेली : घर के बरामदे से फांसी से लटका मिला युवक का शव

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में रायबरेली के डलमऊ इलाके में शनिवार को एक युवक का शव घर के ही बरामदे में फांसी पर लटकता मिलने से सनसनी फैल गयी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डलमऊ इलाके के विसुंदास गांव में सुधीर वर्मा (22) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के बरामदे में लटका मिलने से हड़कंप मच गया। बताया गया कि मृतक बरखापुर थाना मिल एरिया का रहनेवाला था और अपने ननिहाल आया था। पुलिस के अनुसार मृतक के मामा ने बताया कि रात में वह किसी लड़की से मोबाइल पर बात कर रहा था उसी के बाद पता नहीं दोनों में क्या बात हुई कि आज शनिवार सुबह सुधीर का शव उसके ननिहाल वाले घर के बरामदे में साड़ी से झूलता देखा। सुधीर के शव को देख कर उसके ननिहाल में कोहराम मच गया। आनन फानन इस घटना की सूचना पुलिस को दी गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की तफ्तीश कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद उसी के प्रकाश में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश को नई दिशा दिखाई

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने जौनपुर यात्रा के दौरान शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को नई दिशा दिखाई है और देश समृद्ध और शक्तिशाली रूप में उभर कर आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर आज यहां उनके जीवन और व्यक्तित्व पर सूचना विभाग द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी तथा केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों, निर्णय, उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओ विषयक प्रदर्शनी का खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री और सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह 'प्रिंसु' और जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन एवं अवलोकन किया गया। राज्यमंत्री श्री यादव ने कहा प्रधानमंत्री के कार्यो से हमें प्रेरणा मिलती है, उनके नेतृत्व में देश को नई दिशा दिखाई है जिससे देश समृद्ध और शक्तिशाली के रूप में उभर कर आया है। सदस्य विधानसभा परिषद ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का जीवन संघर्षो से भरा रहा है, सभी को उनसे प्रेरणा लेना चाहिए, नेतृत्व में नए नए आयाम को प्राप्त कर रहे है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में जनपद के अंतिम व्यक्ति तक सुविधाओं का लाभ दिया जा रहा है।

कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पानी में डूबा

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में तीन दिन से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण एक तरफ जीवन अस्त व्यस्त हो गया है तो दूसरी तरफ कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कुछ जगहों को छोड़कर बाकी हिस्सा पानी में डूब गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी इसके लिए कार्यदायी संस्था पीडब्ल्यूडी को जिम्मेदार ठहरा रही है। टर्मिनल बिल्डिंग के बाहर सड़क, पार्किंग, पंप हाउस अपरन से एटीसी जाने वाले मार्ग सहित रनवे के चारों तरफ पानी भरा है। रनवे के पश्चिम हिस्से पर पानी चढ़ गया है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी पोकलेन मशीन की मदद से सड़क तोड़वा कर जलनिकासी कराने में जुटे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का उद्घाटन 20 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। एयरपोर्ट की चहारदीवारी तरफ प्रदेश सरकार ने फोरलेन सड़क व दोनों तरफ आरसीसी नाले का निर्माण करा दिया था।

पूर्वी यूपी के लिए 48 घंटे का अलर्ट

आज और कल होगी भारी बारिश; यलो जोन में गोरखपुर-बस्ती मंडल

गोरखपुर। पूर्वी उत्तर प्रदेश वासियों के लिए अहम खबर है। मध्यप्रदेश में बना कम दबाव का क्षेत्र पूर्वी यूपी की तरफ शिफ्ट हो गया है। इसके कारण पूर्वी यूपी के कई शहरों में अगले 48 घंटे में मूसलाधार बारिश होगी।

मौसम विभाग ने इसको लेकर चेतावनी जारी की है। इन शहरों में गोरखपुर और बस्ती मंडल के सभी सातों जिले शामिल हैं। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के मुताबिक शनिवार को बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, कुशीनगर, देवरिया और महाराजगंज में अत्यधिक भारी बारिश होने का अनुमान है।

यूपी में अब 5 मिनट में होगा 'ई रेंट एग्रीमेंट', योगी सरकार ने किरायेदारों को दी बड़ी राहत

इतना ही नहीं गोरखपुर में भी अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। गोरखपुर को मौसम विभाग ने ग्रे जोन में रखा है। रविवार को भी दोनों मंडलों में मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने रविवार को भी दोनों मंडलों के सातों जिलों को यलो जोन में रखा हुआ है।

सितंबर में बारिश के कारण

–प्रशांत महासागर के ऊपर बना अल नीनो का प्रभाव। इसने मानसून को दबाया, जुलाई में कम बारिश हुई

–बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र। इसके लगातार बनने की वजह से भारी बारिश होती है

–मौसम विभाग के मुताबिक लो प्रेशर वाला एक सिस्टम 10 दिनों तक सक्रिय होता है। इसके लगातार बनने की वजह से सितंबर महीने में तेज बारिश होती है

ललितपुर में एक लॉज में फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवक शव

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के ललितपुर में सदर कोतवाली अंतर्गत रेलवे स्टेशन के पास स्थित पारासर लॉज में रुके युवक का शव शनिवार को फांसी के फंदे पर लटका मिला।

पुलिस ने बताया कि झांसी के मोहल्ला नगरा निवासी 29 वर्षीय उदय बाजपेयी पुत्र रविन्द्र वाजपेयी युवक लॉज में बीती सोलह सितम्बर की रात एक बजकर पन्द्रह मिनट पर रुकने के लिए आया था व उसने होटल में एंट्री के दौरान मैनेजर को बताया था कि वह आगरा से घूमने के लिए आया है। वह 16 सितम्बर को सुबह वह घूमने के लिए गया और दोपहर में वापिस लौटकर कमरे में चला गया। आज जब वह देर तक कमरे के बाहर नहीं आया, तो लॉज कर्मचारी विक्की उसे जगाने के लिए गया तो दरवाजे अंदर से बंद थे। उसने खिड़की से झांककर देखा तो उसका शव पंखे के सहारे फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। तब सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय, कोतवाली प्रभारी सदर सन्तोष सिंह दल बल के साथ मौके पर पहुंचे व दरवाजे का लॉक खोलकर अंदर गए तो युवक का शव पंखे से रस्सी के सहारे फांसी के फंदे पर लटका हुआ था व उसका मोबाइल बंद था और सिमकार्ड मोबाइल के बाहर पड़ा हुआ था। मृतक युवक के परिजनों से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि मृतक युवक पांच दिन से लापता था।

शॉर्ट सर्किट से धू-धू कर जल उठीं दो दुकानें

कानपुर। यूपी के कानपुर में बाबूपुरवा थानाक्षेत्र के चालीस दुकान क्षेत्र में स्थित दो दुकानों में शनिवार तड़के आग लग गई। आग की लपटें देखकर अफरा तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने आग की जानकारी पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। तड़के ही दुकानों में आग लगी और जानकारी मिलते ही इलाके में अफरा-तफरा मच गई। लोगों ने खुद आग बुझाने की कोशिश की और साथ ही पुलिस और दमकल को इसकी जानकारी दी। जानकारी देते हुए बाबूपुरवा थानाप्रभारी ने बताया की दो गारमेंट्स शॉप में सुबह साढ़े चार पांच बजे के बीच आग लगने की जानकारी हुई थी। आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। गए ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने कुछ देर में आग पर काबू पा लिया था। पुलिस और दमकल विभाग इस मामले में जांच करके आग का सही कारण पता लगाने की कोशिश करेगा। साथ ही इलाके में दुकानों की जांच की जाएगी कि आग से निपटने के क्या इंतजाम किए गए हैं। दरअसल, यूपी में पिछले कुछ दिनों में कई जगहों पर आग लगने के बाद से प्रशासन सतर्क है और बड़े होटल, दुकान और अस्पताल जैसी अन्य जगहों पर आग से निपटने के इंतजाम की जांच कर रहा है। ऐसे में जिन दुकानों में मानक के अनुसार इंतजाम नहीं पाए जा रहे हैं उनपर कड़ी कार्रवाई होगी। वहीं शुक्रवार को भी कानपुर में बारादेवी चौराहे के पास बने संतोष हॉस्पिटल में आग लगने से अफरातफरी मच गई थी।

केशव प्रसाद के काफिले को काला झंडा दिखाने वाला गिरफ्तार

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ दौरे पर आये उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के काफिले को काला झंडा दिखाने और सुरक्षा व्यवस्था व यातायात में बाधा पहुंचाने के आरोप में शनिवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि वीआईपी कार्यक्रम में दौरान काला झंडा दिखाने वाले सोनू यादव पुत्र शोभनाथ यादव निवासी शिवबोझ थाना लीला जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में सोनू की निशानदेही पर पांच देसी बम भी बरामद किये गये हैं। उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

कानपुर में बड़ी लापरवाही : नौ साल पहले मिली ढाई करोड़ की अष्टधातु की मूर्ति थाने के मालखाने से गायब

एजेंसी

कानपुर। कानपुर में यूपी पुलिस की बड़ी लापरवाही देखने को मिली है। यहां नौ साल पहले बरामद की गई अष्टधातु मूर्ति पुलिस थाने के मालखाने से गायब हो गई। करोड़ों की मूर्ति के गायब होने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एडीजे नौ अशीष कुमार चौरसिया ने पुलिस कमिश्नर से जांच कर 10 अक्तूबर तक रिपोर्ट मांगी है।

मामला बर्रा थाना क्षेत्र का है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अजय प्रकाश सिंह ने बताया कि पुलिस ने 2013 में चौबेपुर निवासी दिनेश कुमार व उसके साथी कमलकांत को मेहरबानसिंह का पुरवा से गिरफ्तार किया था। इनके पास से अष्टधातु की मूर्ति बरामद की गई। जिसकी कीमत ढाई करोड़ रुपये थे। कोर्ट में पेश हुए एसआई घनश्याम यादव के मूर्ति पेश नहीं करने पर कोर्ट ने गंभीरता लिया।

14 सितंबर को दी गई तारीख निकल जाने पर जज ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा। बर्रा थाना के हेड मुहर्रिर अशोक कुमार 18 अगस्त 2022 को बर्रा थाना प्रभारी निरीक्षक की ओर से आख्या दाखिल की थी। जानकारी दी गई कि यह मूर्ति मालखाना में यहां तैनात हेड कांस्टेबल बांके लाल वर्मा ने दाखिल की। 13 फरवरी 2014 को बांके बिहारी की मौत हो गई। माल व सरकारी संपत्ति का चार्ज थाने में तैनात रहे हेड कांस्टेल गिरीश चन्द यादव को दिया गया।

गिरीशचंद्र का ब्रेन हेमरेज से 27 जून 2018 को मौत हो गई। जांच प्रभारी निरीक्षक गोविंदनगर पुलिस को सौंपी गई। संदेह जताया गया कि माल खुर्द-बुर्द कर गायब कर दिया। न्यायाधीश ने टिप्पणी की है कि प्रथम दृष्टया लगता है कि थाना बर्रा से मूर्ति गायब की गई है। मूर्ति धर्म की आस्था से जुड़ी होने के बाद भी सुरक्षित न हो सकी। मालखाना का निरीक्षण थाना प्रभारी व अधिकारी करते हैं।

बिजली का बकाया बिल मांगे जाने पर फौजी ने निकाली बंदूक, देने लगा गंदी-गंदी गालियां

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में बिजली बिल का बकाया मांगने पर फौजी ने बंदूक निकाल ली। इसके बाद बिजली विभाग के कर्मचारियों को भद्दी-भद्दी गालियां देने लगा। किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया।

ये मामला जिले के बनियाठेर क्षेत्र के देवरखेड़ा के अशोकनगर का है। जहां 14 सितंबर को बिजली की वसूली के लिए संविदा बिजली कर्मचारियों की टीम पहुंची। जब वे वसूले के लिए फौजी के घर पहुंचे तो वह गाली-गलौज करते हुए राइफल तान दिया। इसके अलावा जान से मार देने की धमकी भी देने लगा। बिजली कर्मियों के मुताबिक फौजी उदय पाल पर 12 हजार रुपये का बिजली का बकाया था।

इस घटना के बाद बिजली कर्मचारियों ने इसकी शिकायत अपने अधिकारियों से की। वही अधिकारियों ने फौजी के खिलाफ बनियाठेर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

वहीं पुलिस ने शुक्रवार की सुबह उदय पाल सिंह को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। उदय पाल सिंह पर 332, 504 और 506 के तहत मामला दर्ज किया गया।

एसडीओ अजय शुक्ल ने बताया कि अशोक नगर के रहवे वाले फौजी ने बिजली कर्मचारियों के साथ बदतमीजी की। बकाया मांगे जाने पर 315 बोर की लाइसेंसी बदूंक निकाल ली और डराने-धमकाने लगा। शिकायत मिलने पर मामले को संज्ञान में लेते हुए फौजी को गिरफ्तार कर लिया गया।

बलिया में भी सामने आया था ऐसा मामला

बलिया के नगरा थाना क्षेत्र में भी एक ऐसा ही वाक्या देखने को मिला। बकाया बिल की वसूली करने पहुंचे जेई पर दुकानदार ने बंदूक तान दी। इसके बाद दुकानदार ने जान से मारने की भी धमकी दी थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। वहीं शिकायत के बाद पुलिस ने दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया।

वरिष्ठ पत्रकार अनिल कुमार श्रीवास्तव की द्वितीय पुण्य तिथि 18 को

बस्ती। पूर्वांचल के वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय अनिल कुमार श्रीवास्तव की द्वितीय पुण्यतिथि 18 सितंबर रविवार को प्रेसक्लब बस्ती के सभागार में समारोह पूर्वक मनाया जाएगा। यहाँ यह जानकारी शनिवार को देते हुए वरिष्ठ पत्रकार विनोद कुमार उपाध्याय ने बताया कि स्वर्गीय अनिल कुमार श्रीवास्तव की द्वितीय पुण्यतिथि समारोह पूर्वक प्रेस क्लब के सभागार में 18 सितंबर 11 बजे से मनाया जाएगा। उनके द्वारा लिखी गयी पुस्तक ''आदर्श पत्रकारिता और हम'' का भी विमोचन किया जायेगा साथ-साथ इस दौरान विचार गोष्ठी, स्वास्थ्य कैम्प एवं पौध वितरण का भी कार्यक्रम किया जाएगा, आयोजन की तैयारी पूरी कर ली गई है।

बलरामपुर में भारी बारिश ने जीवन किया अस्त-व्यस्त

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश ने कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिया है। तराई क्षेत्र के पहाड़ी नाले उफान पर आ गए हैं। बलरामपुर के आधा दर्जन गांव की सड़क पानी में बह गया है। जिससे आवागमन ठप हो गया है।

तीन दिनों से हो रही बारिश ने जिले में जनजीवन अस्त व्यस्त है। नेपाल के पहाड़ों पर हुई बरसात ने पहाड़ी नालों में बाढ़ ला दी है। जिसके कारण पहाड़ी नाले के तटवर्ती क्षेत्रों में पानी घुस गया है। कई हेक्टेयर खेत जलमग्न हो गए हैं, वहीं कई मार्गों पर भी पानी चल रहा है। ललिया-बनघुसरी मार्ग पर दो फिट पानी बह रहा है।

ललिया हरिहरगंज मार्ग के झिन्ने नाला पर एक फिट बनी बह रहा है। पहरूय्या-बनघुसरी मार्ग पर भी करीब एक फिट पानी बह रहा है। सिटकिहवा मोड़-लालपुर चौराहा मार्ग के बीच कमदी गांव के पास सड़क पर पानी बह रहा है। पहाड़ी नाला हेंगहा, गौरिया, कचनी आदि के उफान से खेतों में पानी भर गया है। लोगों का कच्चे रास्ते से निकलना मुश्किल हो रहा है। एक हफ्ते पहले तक जिले में सूखे की मार थी। लेकिन अब लागातार हो रही बारिश से फसलों के तबाह होने की संभावना बढ़ गई है। अतिवृष्टि और तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर धान और गन्ने के फसल गिर गई है।

अतिवृष्टि से नगर क्षेत्र में भारी जलभराव हुआ है। जिला कृषि अधिकारी आरपी राना के अनुसार अत्यधिक वर्षा से बाली लगी धान फसलों को नुकसान होने की उम्मीद है।

महिला सिपाही जींस-टीशर्ट पहनकर आई कोर्ट, नाराज हो गए मजिस्ट्रेट, लगा दी क्लास

फरीदपुर। उत्तर प्रदेश के बरेली में महिला सिपाही को जींस-टी शर्ट में देखकर मजिस्ट्रेट नाराज हो गए। महिला सिपाही एक पीड़िता के बयान दर्ज कराने के लिए कोर्ट आई थी। जहां मजिस्ट्रेट ने उससे आई कार्ड मांगा लेकिन वह नहीं दिखा सकी। इसके बाद कोर्ट ने अपनाते हुए क्षेत्राधिकारी को बुला लिया। कोर्ट का रुख देखते हुए क्षेत्राधिकारी ने तुरंत मजिस्ट्रेट से माफी मांगी। इसके बाद मजिस्ट्रेट ने दरोगा और महिला सिपाही से गलती की पुनरावृति न होने की हिदायत दी। शुक्रवार को फतेहगंज पूर्वी के दरोगा अखिल कुमार और महिला कांस्टेबल एक पीड़िता को लेकर सिविल जज/ न्यायिक मजिस्ट्रेट फरीदपुर लेकर आए हुए थे। महिला कांस्टेबल वर्दी के बजाय जींस-टी शर्ट पहने हुई थी। जब मजिस्ट्रेट अवनीश कुमार मिश्रा ने महिला कांस्टेबल को जींस-टी शर्ट में देखा तो वे नाराज और इसे कोर्ट की गरिमा के प्रतिकूल माना। इसके बाद मजिस्ट्रेट ने महिला सिपाही से आईकार्ड मांगा लेकिन वह नहीं दिखा सकी। महिला सिपाही ने बताया कि दरोगा ने अचानक पीड़िता को लेकर कोर्ट चलने को कहा तो वह थाने से सीधे कोर्ट चली आई। आईकार्ड घर रखा हुआ होने के कारण नहीं ला सकी। मजिस्ट्रेट ने क्षेत्राधिकारी को बुलाकर इस मामले में बातचीत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने कोर्ट से माफी मांगी। वहीं मजिस्ट्रेट ने दरोगा को ऐसी पुनरावृत्ति न होने हिदायत देते हुए छोड़ दिया।

नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल की सजा

प्रतापगढ़। उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में नाबालिग किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी को अदालत ने दोषी करार देकर 10 साल के जेल और 20 हजार रुपया अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष ने शनिवार को बताया कि मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद थाना आसपुर देवसरा के पचौरी गांव के निवासी शाकिर हुसैन को विशेष अदालत (पॉक्सो) के अपर सत्र न्यायाधीश पंकज कुमार श्रीवास्तव ने 10 साल की जेल और 20 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। यह घटना 5 मई 2014 की है।

कानपुर में डेंगू की दस्तक, 9 मरीजों में पुष्टि के बाद स्वास्थ्य और नगर निगम में अलर्ट

कानपुर। कानपुर में अचानक से डेंगू का कहर शुरू हो गया है। गर्मी और बारिश के चलते मौसम में आया बदलाव डेंगू वायरस के लिए मुफीद हो गया है। शुक्रवार सुबह जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज की जारी रिपोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग में हड़कम्प मचा दिया है। 9 डेंगू पॉजिटिव मरीजों में संक्रमण की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की टीमों को अलर्ट कर दिया है। दोनों विभागों की टीमें डेंगू मरीजों को घरों पर पहुंच गईं। सैम्पलिंग के बाद फागिंग का काम शुरू कर दिया गया है। मेडिकल कॉलेज की रिपोर्ट में शुक्रवार को मोहिता मिश्रा (45) सिविल लाइंस, बबिता(26) सूटरगंज ग्वालटोली, क्षितिज गुप्ता (23) नमक फैक्ट्री गणेश नगर, रामनरेश (42) खाड़ेपुर कर्रही रोड ठाकुर चौराहा, हरि नारायण (42) घाटमपुर, अखिलेश कुमार (35) मैथा, रीना सैनी (28) मैथा, सूरज(27) काशीपुर, खुशी(17) टंडन बाजार में डेंगू की पुष्टि हुई है। इससे पहले कानपुर में 20 और मरीजों को अलग-अलग दिनों में डेंगू की पॉजिटिव रिपोर्ट जारी हुई थी। इस साल कानपुर में 833 सैम्पलों में 29 में डेंगू की पुष्टि हो चुकी है लेकिन पहली बार शुक्रवार ने इस साल का रिकार्ड बनाया है, जब सबसे ज्यादा डेंगू के मरीज रिपोर्ट हुए हैं। इस सीजन में 8 केस सिर्फ उर्सला अस्पताल के सैम्पलों में मिले हैं।

एसीएमओ कानपुर नगर डॉ.आरएन सिंह के मुताबिक मेडिकल कॉलेज की रिपोर्ट मिलते ही सभी मरीजों के घरों पर टीमें भेजकर डेंगू मच्छरों को मारने का एक्शन लिया गया है। सभी की हालत सामान्य है। विभाग की मानीटरिंग टीम हर दो घंटे में निगरानी कर रही है।

ग़मगीन माहौल में शीराजे हिन्द का ऐतिहासिक चेहलुम सम्पन्न

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में एतिहासिक चेहलुम शीराजे हिंद शनिवार हो गमगीन माहौल में शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का आरम्भ कल शुक्रवार को 08 बजे रात में इमाम चौक पर ताजिया रखने से हुआ। तत्पश्चात शब्बेदारी के आयोजनार्थ एक मजलिस हुई, जिसकी समाप्ति पर जौनपुर नगर एवं बाहर से आयी अंजुमनों ने नौहा व मातम अनवरत रूप से रातभर किया गया। प्रातः पांच बजे एक मजलिस हुयी, जिसके बाद आग में दहकती जंजीरों का मातम अंजुमन गुलशने इस्लाम रजिस्टर्ड ने किया इस कार्यक्रम का संचालन सैय्यद अकबर हुसैन जैदी एडवोकेट ने किया। इमाम बारगाह शेख मुहम्मद इस्लाम से उठा जुलूस देर रात सदर इमाम बारगाह पहुँचा जहाँ या हुसैन अलविदा की सदा के साथ नम आँखों से सभी ताजिये एवं

तुर्बत सुपुर्दे खाक किये गये। दूसरे दिन शनिवार को कार्यक्रम का आरम्भ 01 बजे दिन मजलिस से हुआ, जिसको मौलाना सैय्यद नदीम जैदी फैजाबादी ने सम्बोधित किया। मजलिस की समाप्ति पर इमामबाड़े से एक ऐतिहासिक तुर्बत निकाली गयी जो ताजिये के साथ एक जुलूस के रूप में अपने निर्धारित रास्तों पानदरीबा रोड, हमाम दरवाजा, काजी की गली, पुरानीबाजार होता हुये सदर इमामबाडा जौनपुर पर समाप्त हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन सैयफ कबीर जैदी ने किया।

इस ऐतिहासिक चेहलुम को पूरे देश में मनाये जाने वाले चेहलुम से एक दिन पूर्व मनाया जाता है। इसके इतिहास को देखते हुए देश के विभिन्न हिस्सो से हजारो की तादाद में जायरीन शिरकत के लिए पहुँचते हैं। उल्लेखनीय है कि इस इमाम बारगाह एवं जुलूस के बानी शेख मुहम्मद इस्लाम मरहूम को किसी मामले में गलत ढंग से फंसा दिये गये और उन्हें जेल हो गयी। उनके द्वारा जो ताजिया 7 मोहर्रम को रखा जाता था, उसको उनके द्वारा जेल से छूटने पर उठाने की खबर दी गयी। इधर चेहलुम करीब आया तो उन्होंने ख्वाब में देखा कि उन्हें रिहा कर दिया गया है। चमत्कारिक तरीके से उन्हें जिस दिन रिहा किया गया, वह 18 सफर थी। जेल से छूटने के उनके द्वारा रातभर मजलिस मातम करके दूसरे दिन 19 सफर को ताजिया को उठाया गया, जिसे उस वक्त के काजी के अनुरोध पर काजी की गली से होते हुए सदर इमाम बारगाह पर दफन किया गया। इस इमामबारगाह एवं चेहलुम का इंतेजाम एवं देखरेख मीर मुजफ्फर हुसैन जैदी के खानदान के लोग करते है। इस ऐतिहासिक चेहलुम को शान्तिपूर्ण ढंग से मनाये जाने पर हाजी सैय्यद असगर हुसैन जैदी मुतवल्ली, सैय्यद कबीर जैदी, सैय्यद जाफर जैदी, सैय्यद जमीर जैदी, सैय्यद जफर जैदी, सैय्यद अकबर हुसैन जैदी एडवोकेट एवं कार्यकारी मुतवल्ली सैय्यद लाडले जैदी ने प्रशासन का तहेदिल से शुक्रिया अदा किया है।

बदायूँ : दलित किशोरी की हत्या, परिजनों ने लगाया दुष्कर्म कर हत्या का आरोप

बदायूँ। उत्तर प्रदेश के जनपद बदायूँ में शनिवार को एक नाबालिग दलित किशोरी की हत्या का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया। मामले में परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाये हैं। मामला फैजगंज बहेटा थाना इलाके के एक गांव का है जहां रेलवे स्टेशन के पीछे एक पंद्रह वर्षीय दलित किशोरी का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बिना परिजनों को सूचना दिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का आरोप है कि किशोरी की रेप के बाद हत्या की गई है। मृतका की माँ फूलवती ने बताया कि उनकी बेटी के साथ गलत काम किया गया है और इस साजिश में पुलिस चौकी का स्टाफ व बैंक के बाहर ड्यूटी करने वाले गार्ड सभी शामिल हैं। किशोरी के कपड़ो को देखने के बाद ऐसा लग रहा है उसके साथ रेप किया गया है। पुलिस बिना सूचना दिए शव उठा लाई और शिनाख्त करने को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने जब उन्हें सूचना दी तब तक एसएसपी भी मौके पर पहुंच चुके थे किंतु जब तक परिजन वहां पहुंचे पुलिस ने शव को वहां से हटवा दिया और बदायूं जाकर शिनाख्त करने को कहा जिससे परिजनों में पुलिस के प्रति भारी रोष व्याप्त है। पीड़िता के चाचा चरण सिंह ने कहा हमे एक पुलिसकर्मी ने सूचना दी कि आपकी बेटी का एक्सीडेंट हो गया है हम जब मौके पर पहुंचे तो वहां लाश नही थी। पता चला कि उसको बदायूं भेज दिया है। बच्ची के साथ रेप हुआ है। हमारे गांव की घटना स्थल से दूरी डेढ़ किलोमीटर है हम नही पहुंच पाए लेकिन एसएसपी साहब बदायूं से पहुंच गए। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने घटना स्थल से सारे सबूत मिटा दिए। हमे आशंका है कि लड़की का रेप कर मारा गया है।

शार्ट न्यूज

भारत सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक संपन्न

नयी दिल्ली। भारत और सिंगापुर ने आज उभारते हुये और भविष्योन्मुख क्षेत्रों पर में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया है। राजधानी दिल्ली में हुयी भारत सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक में इन पर चर्चा की गयी। इसमें भारत की ओर से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और विदेशी मंत्री एस जयशंकर तथा सिंगापुर की ओर से वहां के उप प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री लॉवरेंस वाँग एसटी, विदेश मामलों के मंत्री विवियान बाला, व्यापार एवं उद्योग मंत्री गंकिम योंग, परिवहन एवं व्यापार संबंध के प्रभारी मंत्री एस इस्वरन भी मौजूद थे। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में ट्वीट के माध्यम से जानकारी देते हुये कहा कि दोनों पक्षों ने कई मुद्दों पर चर्चा की जिसमें वित्तीय क्षेत्र परिचालन, फिनटेक नियामक सहयोग, निवेश की संभावनायें और वर्तमान आर्थिक सहयोग शामिल है।

पीयूष गोयल जायेंगे सऊदी अरब

नयी दिल्ली। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल दो दिवसीय यात्रा पर कल सऊदी अरब जायेंगे जहां वह आर्थिक एवं निवेश समिति की मंत्रिस्तीय बैठक की सह अध्यक्षता करेंगें। इस दौरान श्री गोयल और सऊदी अरब के एनर्जी मंत्री पश्चित तट रिफाइनरी परियोजना, ट्रांस ओसिन ग्रिड, ग्रीन हाईड्रोजन, खाद्य सुरक्षा , दवा, एनर्जी सुरक्षा और वहां से भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश योजना पर चर्चा करेंगे। श्री गोयल इस दौरान आर्थिक मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।

बीएचईएल में स्थापित हुआ वेल्डिंग स्कूल

नयी दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय ने वाराणसी में भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) में स्थापित एक वेल्डिंग स्कूल का उद्घाटन किया। बीएचईएल ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इस सुविधा को भारी उद्योग मंत्रालय की भारतीय पूंजीगत सामान क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि, चरण- II योजना के तहत स्थापित किया है। वेल्डिंग स्कूल में प्रति वर्ष 1,000 वेल्डरों को विभिन्न वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और इससे रोजगार क्षमता बढ़ाने में मदद करेगी। यह सुविधा वाराणसी और उसके आसपास के युवाओं के लिए लाभदायक होने के साथ उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करेगी। पांडे ने कहा कि पूंजीगत सामान उद्योग विनिर्माण क्षेत्र की रीढ़ है और उपयोगकर्ता उद्योगों के व्यापक समूह को मशीनरी और उपकरण जैसे महत्वपूर्ण चीजें प्रदान करता है। इस तरह की पहल से जनशक्ति के कौशल और क्षमता विकास से न केवल युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर मिलेंगे बल्कि उद्योगों की जरूरत भी पूरी होगी। सबसे बड़ा इंजीनियरिंग और विनिर्माण सीपीएसई होने के नाते, इस तरह की पहल में बीएचईएल की भूमिका प्रशंसनीय है।

कैट का प्रधानमंत्री को भारत रत्न देने का आग्रह

नयी दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्ज (कैट) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने का आग्रह किया। कैट ने कहा कि वर्ष 2014 से जिस कुशलता, विशिष्ट प्रबंधन एवं अटूट लग्न एवं कर्मशीलता से देश का नेतृत्व करते हुए श्री मोदी ने विश्व भर में भारत को एक विशिष्ट पहचान दिलाई है।वह देश और दुनिया भर में एक अदभुत मिसाल है । उनकी दूरदृष्टि एवं सतत प्रयासों से आज विश्व के देशों में भारत ने अग्रिम पंक्ति में अपना विशिष्ट तथा गौरवशाली स्थान बनाया है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि अंत्योदय से आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ, स्वच्छ भारत, स्टार्ट अप इंडिया, उज्वला योजना आदि अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से श्री मोदी ने देश में एक नई और सार्थक क्रांति युग की शुरूआत की है जिससे देश का आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक विकास बहुत बेहतर तरीक़े से हुआ है। उनके नेतृत्व वाली सरकार की अनेक योजनाओं से देश के व्यापार और उद्योग में अनेक नए अवसर पैदा हुए हैं।

टाटा के जरिए बदलेगी दिवालिया कंपनी की किस्मत, ये है डील की डिटेल

नई दिल्ली। टाटा समूह से जुड़ी रिसर्जेंट पावर वेंचर्स ने दिवालिया प्रक्रिया के जरिए दक्षिण पूर्व उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने बताया कि इस दिवालिया समाधान प्रक्रिया के तहत लेनदेन में बकाया ऋण का एकमुश्त भुगतान, 3,251 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों की खरीद और SEUPPTCL के मौजूदा नकद शेष का भुगतान शामिल था। रिसर्जेंट पावर के मुताबिक कर्ज का निपटारा कर दिया गया है। इसी के साथ अब SEUPPTCL, रिसर्जेंट पावर की सब्सिडरी फर्म बन गई है। जानकारी के लिए बता दें कि SEUPPTCL के पास करीब 1,500 किलोमीटर की ट्रांसमिशन लाइन और पांच सब-सेंटर हैं। परियोजना के तहत करीब 900 किलोमीटर का ट्रांसमिशन जोड़ अभी पूरा करना है। ट्रांसमिशन परियोजना पूरा होने पर कुल उद्यम मूल्य करीब 6,500 करोड़ रुपये हो जाएगा। रिसर्जेंट में टाटा की हिस्सेदारी-बता दें कि टाटा पावर की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टाटा पावर इंटरनेशनल पीटीई लिमिटेड (टीपीआईपीएल) के पास रिसर्जेंट पावर में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं, आईसीआईसीआई बैंक के पास रिसर्जेंट पावर में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी है और शेष 64 प्रतिशत अन्य वैश्विक निवेशकों के पास है।

रामदेव की कंपनी देगी डिविडेंड, रिकॉर्ड डेट तय, स्टॉक ने दिया 39000 प्रतिशत का रिटर्न

नई दिल्ली। बाबा रामदेव की एकमात्र लिस्टेड कंपनी पतंजलि फूड्स लिमिटेड अगले सप्ताह निवेशकों को डिविडेंड यानी अपने मुनाफे का हिस्सा बांटने वाली है। बीते दिनों कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 5 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के डिविडेंड की घोषणा की थी। इसकी रिकॉर्ड तिथि 26 सितंबर 2022 तय की गई है। वहीं, एक्स-डिविडेंट डेट 23 सितंबर का होगा। आपको बता दें कि 24 और 25 सितंबर को साप्ताहिक अवकाश की वजह से बाजार बंद रहेंगे। हाल ही में पतंजलि फूड्स के स्टॉक ने 52 वीक का हाई लेवल टच किया है। इस वजह से कंपनी का मार्केट कैपिटल 50,000 करोड़ रुपये के स्तर को पार कर चुका है। स्टॉक का 52 वीक का हाई 1,415 रुपये है। हालांकि, स्टॉक में अब मुनाफावसूली भी देखी जा रही है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को बाबा रामदेव समर्थित यह स्टॉक बीएसई पर रू 1,338.45 पर बंद हुआ। पिछले तीन साल में रामदेव की कंपनी का स्टॉक बीएसई पर 3.54 रुपये के स्तर से बढ़कर 1393 रुपये प्रति शेयर के स्तर तक पहुंच गया है। इस छोटी अवधि में निवेशकों को 39,250 प्रतिशत तक रिटर्न मिला है।

सरकारी बैंक निवेशकों को कर रहे मालामाल, डिपॉजिट से कई गुना बेहतर रिटर्न शेयर ने दिया

नई दिल्ली। आमतौर पर लोग डिपॉजिट के लिए सरकारी बैंकों का रुख करते हैं। डिपॉजिट पर बैंक से ब्याज मिलता है तो जमा पैसे की सिक्योरिटी का भी भरोसा रहता है। हालांकि, बैंकों से डिपॉजिट पर मिलने वाली सालाना ब्याज दरें अब भी 6-7 फीसदी के दायरे में हैं। वहीं, बैंकों के स्टॉक पर दांव लगाने वाले निवेशकों पर पैसे की बारिश हो रही है। साल 2022 की बात करें तो निफ्टी पर सरकारी बैंकों के इंडेक्स में 28 फीसदी तक की तेजी आई है, जबकि इसी अवधि में निफ्टी सिर्फ 3 फीसदी चढ़ा है। निफ्टी में सरकारी बैंक इंडेक्स पर अब तक बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने निवेशकों को सबसे तगड़ा 71 फीसदी का रिटर्न दिया है।

संपर्क आधारित सेवा क्षेत्र चालू वित्त वर्ष में विकास को दे सकता है गति : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने अपनी एक रिपोर्ट में आज कहा कि मांग बढ़ने और टीकाकरण के लगभग सार्वभौमिकरण के बल पर संपर्क आधारित सेवा क्षेत्र वित्त वर्ष 2022-23 में वृद्धि को बढ़ावा दे सकता है।

मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा आज जारी मासिक रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विकास को अगला चरण शुरू हुआ है और इस दौरान ब्रिटेन को पीछे छोड़कर भारत दुनिया का पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बना है। इसमें कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में निजी उपभोग की जीडीपी में हिस्सेदारी 61.1 प्रतिशत रही है जो पिछले 10 वर्षों में पहली तिमाही में उच्चतम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ती उपभोक्ता भावनाओं और बढ़ते रोजगार के कारण निजी खपत में तेजी से सुधार आने वाले महीनों में वृद्धि को बनाए रखेगा। ऐसे समय में जब धीमी वृद्धि और उच्च मुद्रास्फीति दुनिया की अधिकांश प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रही है, भारत की वृद्धि मजबूत रही है और मुद्रास्फीति नियंत्रण में है। हालांकि वैश्विक स्तर पर आर्थिक संकुचन की आशंका प्रबल हो रही है जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है।

इसमें कहा गया है, %टीकाकरण के त्वरित कवरेज और अच्छी तरह से कैलिब्रेटेड अल्पकालिक नीतिगत उपायों ने अर्थव्यवस्था को उथलपुथल भरे समय में कुशलतापूर्वक नेविगेट किया है, जिससे आने वाले वर्षों में एक समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए मजबूत नींव तैयार हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि निजी उपभोग बढ़ने और क्षमता के अधिकतम उपयोग होने से पहली तिमाही में निवेश में तेजी रही है। पूंजी निवेश पर सरकारी व्यय में बढोतरी से राजस्व वृद्धि में भी तेजी बन रह सकती है और इससे विकास की संभावनाओं को भी बल मिल सकता है। आर्थिक विकास से रोगजार के संकेतों में भी सुधार दिख रहा है। जून में समाप्त पहली तिमाही में देश के शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी में लगातार चौथी तिमाही में गिरावट आयी है और यह घटकर 7.6 प्रतिशत पर आ गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वृद्धि के लिए नकारात्मक जोखिम बने रहेंगे क्योंकि भारत दुनिया के बाकी हिस्सों से भी जुड़ा हुआ है। महंगाई के मामले में आत्मसंतुष्टि की गुंजाइश नहीं है क्योंकि खरीफ सीजन के लिए फसलों की कम बुवाई के लिए कृषि निर्यात को अनावश्यक रूप से खतरे में डाले बिना कृषि जिंसों के स्टॉक और बाजार मूल्यों के कुशल प्रबंधन की आवश्यकता होती है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विकास संभावनाओं के साथ, भारत का आयात तेजी से बढ़ रहा है और इसलिए, उन्हें आराम से वित्तपोषित करना होगा, उन्हें उच्च प्राथमिकता देनी होगी। सर्दियों के महीनों में विकसित देशों में ऊर्जा सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्रित करने से भू-राजनीतिक तनाव बढ़ सकता है।

इसमें कहा गया है कि भारत की वृद्धि की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सतर्क और विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन और विश्वसनीय मौद्रिक नीति आवश्यक रहेगी।

सार्वजनिक नीति के दोनों स्तंभ सरकार और निजी क्षेत्र के लिए बेंचमार्क उधारी लागत को कम करने में सक्षम बनाएंगे, जिससे सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के पूंजी निर्माण में सुविधा होगी। सरकार के सभी स्तरों पर परिसंपत्ति मुद्रीकरण से ऋण को कम करने में मदद मिलेगी।

फूजीफिल्म इंडिया ने टीबी को लेकर शुरू किया अभियान का दूसरा चरण

नयी दिल्ली। स्वास्थ्य रक्षा सुविधाओं के लिये डायग्नोस्टिक इमैजिंग और सूचना प्रणालियों में कार्य करने वाली कंपनी 'फूजीफिल्म इंडिया' ने (टीबी) यक्ष्मा पर अपने अभियान नेवर स्टॉप: स्क्रीनिंग टू रिड्यूस डायग्नोस्टिक डिलेज का दूसरा चरण शुरू कर दिया है।

कंपनी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इस अभियान का लक्ष्य जागरूकता को बढ़ाना है कि टीबी को इलाज से ठीक किया जा सकता है और चाय के क्षेत्र में काम करने वालों के बीच जाँच कराने और इस बीमारी का जल्दी पता लगाने को बढ़ावा देना है। इसमें हाथ से चलने वाली तीन एक्स-रे मशीनों और सामुदायिक परिवेशों में परियोजना के कार्यान्वयन द्वारा सहयोग देगी।

कंपनी ने 50 लाख से ज्यादा लोगों तक पहुँचने और हाथ से चलने वाली एक्स-रे मशीनों से इनमें से लगभग 30,000 लोगों की जाँच करने का लक्ष्य तय किया है।

यह परियोजना पहचाने गये संभावित मामलों के लिये भी टीबी की जाँच को आसान बनाएगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक कोजी वाडा ने कहा, फूजीफिल्म में हम पूरी दुनिया में जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिये चिकित्सा जगत के सबसे बढ़िया नवाचार और टेक्नोलॉजी की पेशकश हेतु हमेशा समर्पित रहे हैं।

हमारे नेवर स्टॉप : स्क्रीनिंग टू रिड्यूस डायग्नोस्टिक डिलेज़ कैम्पेन के पहले चरण की सफलता के बाद हम समाज के कम सेवा-प्राप्त वर्गों तक पहुँचकर चुनिंदा जिलों में सरकारी कार्यक्रम के सहायक बनकर काफी खुश हैं। हम नवाचार को कभी भी ना रोकने और दुनिया को ज्यादा स्वस्थ बनाने के लिये दृढ़-संकल्पित हैं।

उल्लेखनीय है कि पहले चरण में 'फूजीफिल्म इंडिया' ने 10 लाख से ज्यादा लोगों की जाँच की थी और करीब 8000 एक्स-रे रिपोर्ट्स साझा की थीं। इसमें दिल्ली, दादरी, देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी, रूद्रपुर, पटना, जयपुर, इंदौर, कोलकाता, रायपुर, पाटा, आदि समेत 27 शहरों में टीबी के 117 नये मरीजों की पहचान हुई थी।

पेट्रोल, डीजल की कीमतें स्थिर

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में नरमी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई कमी नहीं की जा रही है जिससे इसके दाम शनिवार को भी स्थिर रहे। कच्चे तेल की कीमतें लगभग एक सप्ताह से 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास चल रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज लंदन ब्रेंट क्रूड 91.35 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.35 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 85.40 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू स्तर पर तेल विपणन करने वाली कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर यथावत है। देश में तीन महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमशः 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर हैं। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

गौतम अडानी ने अब दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स जेफ बेजोस को पछाड़ा

नई दिल्ली। गौतम अडानी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स बन गए हैं। उन्होंने अमेजन के मालिक जेफ बेजोस को पछाड़ कर यह तमगा अपने नाम किया है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, यह फेरबदल पिछले 24 घंटों में हुआ है। इस वक्त बेजोस और अडानी की संपत्ति लगभग बराबर है। दरअसल, अडानी की संपत्ति पिछले एक दिन में 2.12 अरब डॉलर घटा है तो जेफ बेजोस की संपत्ति 2.74 अरब डॉलर घटी है। अब इन दोनों अरबपतियों की संपत्ति 147 अरब डॉलर है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स लिस्ट में अडानी दूसरे नंबर पर और बेजोस तीसरे नंबर पर आ गए हैं। आपको बता दें कि फोर्ब्स बिलियनेयर्स इंडेक्स में गौतम अडानी तीसरे पायदान पर आ गए हैं। कल दूसरे नंबर पर थे।

महाराष्ट्र एफडीए ने जॉनसन एंड जॉनसन बेबी पाउडर का लाइसेंस किया रद्द

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मुलुंड स्थित जॉनसन एंड जॉनसन के बेबी टैल्कम पाउडर के निर्माण लाइसेंस को रद्द कर दिया है। विभाग ने यह फैसला पाउडर के नमूने को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं होने के कारण लिया है।

एफडीए ने कहा कि जॉनसन के बेबी पाउडर का लाइसेंस रद्द किया जा रहा है क्योंकि नासिक और पुणे से लिए नमूने गुणवत्ता मानकों के अनुसार नहीं है। विभाग ने कंपनी को बाजार से बेबी पाउडर को वापस मंगाने के निर्देश दिये हैं। एफडीए ने इन नमूनों को परीक्षण पीएच में शिशुओं के लिए त्वचा पाउडर के लिए आईएस 5339: 2009 (द्वितीय संशोधन संशोधन संख्या 3) का अनुपालन करने में विफल होने बाद इसके मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं होने की घोषणा की थी।

एफडीए ने एक बयान में कहा, जॉनसन बेबी पाउडर का उपयोग अधिकतर नवजात शिशुओं पर किया जाता है। नमूनों से इसके पीएच मानकों के अनुरूप नहीं होने का पता चला है जिससे इस उत्पाद का उपयोग नवजात शिशुओं की त्वचा के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

पांच सौ करोड़ के प्रावधान के साथ होगा एसएसआईपी 2.0 लॉन्च

अहमदाबाद। गुजरात के शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने 'माइंड टू मार्केट' सूत्र के साथ युवाओं के आइडिया और स्टार्टअप को योग्य प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के लिए एसएसआईपी 2.0 (स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी 2.0) लॉन्च की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप अगले पांच वर्षों के लिए 500 करोड़ रुपए के प्रावधान के साथ एसएसआईपी 2.0 को लॉन्च किया जाएगा।

श्री वाघाणी ने आज कहा कि दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय और शक्तिशाली नेता तथा हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना जन्म दिवस हमेशा जनसेवा के कार्य कर और जनता के साथ रहकर ही मनाया है। उनसे प्रेरणा लेकर राज्य का शिक्षा विभाग भी आज इस शुभ दिवस पर 'विश्वास से विकास यात्रा' के अंतर्गत 'स्टूडेंट स्टार्टअप, रिसर्च एंड इनोवेशन फेस्टिवल' नामक अनोखे फेस्टिवल की शुरुआत करने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन के तहत राज्य के ऊर्जावान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में आज राज्य के विकास की गति तेज बनी है। आज डबल इंजन की सरकार सभी क्षेत्रों में छोटे-बड़े, हर तरह के जनहितकारी निर्णय लेकर विभिन्न लोकोपयोगी योजनाओं के साथ जन कल्याण के लिए प्रयासरत है।

श्री वाघाणी ने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 20 वर्षों में पारदर्शी और सुदृढ़ नीतियों के माध्यम से गुजरात ने विकास के क्षेत्र में असाधारण ऊंचाई हासिल की है। राज्य सरकार ने गत 20 वर्षों में विश्वास से विकास के सूत्र को सच्चे अर्थों में सार्थक किया है। हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री ने भविष्य की मांग को परखते हुए अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान से ही अनुसंधान और नवाचार पर जोर दिया था।

इसके चलते आज राज्य सरकार ने 'माइंड टू मार्केट' सूत्र के साथ युवाओं के आइडिया और स्टार्टअप को योग्य प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के लिए एसएसआईपी 2.0 (स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी 2.0) लॉन्च की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप अगले पांच वर्षों के लिए 500 करोड़ रुपए के प्रावधान के साथ एसएसआईपी 2.0 को लॉन्च किया जाएगा। इस नीति का मुख्य उद्देश्य देश के युवाधन का आत्मविश्वास बढ़ाकर उनके शोध और विचार बीज को आर्थिक एवं अन्य सहायताओं के जरिए योग्य दिशा एवं माध्यम प्रदान करना है।

शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि जुलाई 2022 में जारी स्टार्टअप रैंकिंग में गुजरात देश भर में अव्वल रहा है। यह गौरव की बात है कि गुजरात ने यह उपलब्धि लगातार तीसरे साल अर्जित की है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के आइडियाज को प्रोडक्ट में रूपांतरित करने के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं एक ही छत तले मुहैया कराने के लिए राज्य सरकार ने आई-हब (गुजरात स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन हब) की स्थापना की है।

श्री जीतूभाई वाघाणी ने कहा कि यह एक अनोखा फेस्टिवल है जिसके अंतर्गत दुनिया में पहली बार लगातार एक महीने तक 175 शैक्षणिक संस्थानों में अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप से संबंधित सुचारु कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

उन्होंने कहा कि स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी केवल पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों तक ही सीमित नहीं है।

इस पॉलिसी के अंतर्गत 35 वर्ष की उम्र तक के सभी युवाओं को अपने आइडिया को विकसित कर बाजार तक ले जाने के लिए अलग- अलग स्तर के कार्यों के लिए कुल 2.50 लाख रुपए तक की सहायता दी जाएगी।

श्री वाघाणी ने भरोसा दिलाया किया कि डबल इंजन सरकार हमेशा स्टार्टअप और इनोवेशन को प्रोत्साहन देने के लिए प्रयासरत रहेगी। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के शिक्षा क्षेत्र में अनेक प्रयासों और सुदृढ़ नीतियों के कारण आज गुजरात शिक्षा क्षेत्र में सफलता की नई ऊंचाइयों की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव एसजे हैदर ने स्वागत भाषण में कहा कि हमारे प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में आज इस 'स्टूडेंट स्टार्टअप, रिसर्च एंड इनोवेशन फेस्टिवल' की शुरुआत करने जा रहे हैं। गुजरात में नई शिक्षा नीति के अनुसार राज्य के विद्यार्थियों को मूल्य आधारित बुनियादी शिक्षा उपलब्ध कराने, उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने और युवाओं के विचार, शोध एवं आइडिया को आवश्यक समर्थन देने के उद्देश्य से राज्य में स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी लॉन्च की गई है।

उन्होंने कहा कि आज से शुरू हो रहे इस महा विद्या उत्सव का उद्देश्य इस पॉलिसी के विषय में विद्यार्थियों एवं स्टार्टअप को अवगत कराने के अलावा यह सुनिश्चित करना है कि वे इस पॉलिसी का अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न प्रकार की सहायताओं और छात्रवृत्तियों के माध्यम से युवाओं एवं विद्यार्थियों को योग्य प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए पूर्ण रूप से प्रयासरत है।

अहमदाबाद में 'स्टूडेंट स्टार्टअप, रिसर्च एंड इनोवेशन फेस्टिवल' शुरू

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को कहा कि देश के आर्थिक विकास में स्टूडेंट स्टार्टअप्स का भी महत्वपूर्ण योगदान है और सरकार स्टूडेंट स्टार्टअप क्षेत्र में हर तरह का सहयोग देने को कटिबद्ध है।

श्री पटेल ने अहमदाबाद में आज शिक्षा विभाग की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित 'स्टूडेंट स्टार्टअप, रिसर्च एंड इनोवेशन फेस्टिवल' का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। राज्य के 175 शैक्षणिक संस्थानों में आज से 15 अक्टूबर के दौरान आयोजित होने वाले 'स्टूडेंट स्टार्टअप, रिसर्च एंड इनोवेशन फेस्टिवल' का मुख्य उद्देश्य अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में गुजरात को तेजी से आगे बढ़ाना और आत्मनिर्भर भारत के लिए युवाओं का सशक्तीकरण करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रिय जननायक, युवा शक्ति के प्रेरणास्रोत और वैश्विक नेता श्री मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर स्टूडेंट स्टार्टअप, रिसर्च एंड इनोवेशन फेस्टिवल का शुभारंभ हुआ है। आज का दिन हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक और यादगार दिवस भी बना है। इनोवेशन यानी नवाचार क्षेत्र में सरकार की ओर से ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं जिससे साधारण विद्यार्थी को भी अपने विचार को ग्लोबल मार्केट तक ले जाने में मदद मिल रही है।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी का ही स्वप्न है कि विद्यार्थी को एक ग्लोबल मार्केट मिले ताकि वह देश की विकास यात्रा में भागीदार बने और आज यह स्वप्न सार्थक हो रहा है। स्टार्टअप क्षेत्र की बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के आर्थिक विकास में स्टूडेंट स्टार्टअप का भी काफी महत्व है। आज साधारण विद्यार्थी को भी किसी भी तरह की आर्थिक कठिनाई होने पर सरकार उसे मदद करती है और उसे मार्केट तक ले जाने में सहयोग भी देती है। इस वजह से ही गुजरात स्टार्टअप रैंकिंग में लगातार तीन वर्षों से पहले पायदान पर कायम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने हाल ही में सेमीकंडक्टर नीति की घोषणा की है। आने वाले समय में गुजरात सेमीकंडक्टर चिप का हब बनने जा रहा है। सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनियों के साथ एमओयू भी हो चुके हैं। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के कारण गुजरात के एक लाख युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने यंग इंडिया के सहयोग से न्यू इंडिया के निर्माण का सपना देखा है। अब युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और रिसर्च के क्षेत्र में आगे बढ़कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।

अनिल अंबानी की 2 कंपनियों के शेयर की ट्रेडिंग पर लगी है रोक

नई दिल्ली। बीते कुछ कारोबारी दिन से अनिल अंबानी के रिलायंस समूह की लिस्टेड कंपनी रिलायंस कैपिटल में ट्रेडिंग नहीं हो रही है।

मतलब ये कि अब निवेशक शेयर की खरीद-बिक्री नहीं कर सकते हैं। अनिल अंबानी की ये दूसरी कंपनी है जिसकी ट्रेडिंग पर रोक लगी हुई है। इससे पहले रिलायंस नवल एंड इंजीनियरिंग के शेयरों में भी ट्रेडिंग रोकी गई थी, जो अब तक बरकरार है। अब सवाल है कि ये ट्रेडिंग क्यों रोकी गई है। आइए इसे समझ लेते हैं। दरअसल, अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल भारी कर्ज के बोझ तले दबी है। इस कंपनी को कर्ज देने वाले कर्जदाता अपना पैसा वसूल करना चाहते हैं। इसके लिए कंपनी को दिवालिया प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है। मतलब ये कि कंपनी की बिक्री हो रही है। यही वजह है कि शेयर की डी-लिस्टिंग की गई है यानी ट्रेडिंग रोक दी गई है।

आमतौर पर डी-लिस्टिंग तब होता है जब कोई कंपनी अपने संचालन को रोक देती है या मर्जर, विस्तार या पुनर्गठन करना चाहती है। जो कंपनी नियमों का सही पालन नहीं करती है या दिवालिया प्रक्रिया में होती है तब भी ट्रेडिंग पर रोक लगती है। रिलायंस कैपिटल के साथ यही स्थिति है। जब कंपनी की डी-लिस्टिंग हुई तब शेयर का भाव 16.19 रुपये था। हालांकि, अब शेयर डीमैट में डेबिट कर दिए गए हैं।

इस बीच, खबर है कि रिलायंस कैपिटल के बोलीदाताओं ने कंपनी की समाधान प्रक्रिया के तहत बाध्यकारी या पक्की बोलियां देने की समयसीमा का चार महीने तक के लिए विस्तार करने का अनुरोध किया है। अमेरिका के एसेट मैनेजमेंट फंड एडवेंट ने 16 सप्ताह का विस्तार मांगा है जबकि पीरामल फाइनेंस ने 12 अतिरिक्त हफ्ते मतलब दिसंबर तक का वक्त मांगा है।

इसी तरह इंडसइंड बैंक ने 10 हफ्ते का विस्तार, ओकट्री ने 12 हफ्ते का और ज्यूरिख रे ने आठ हफ्तों का विस्तार मांगा है। आपको बता दें कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के पास अंतिम समाधान योजना दाखिल करने की समयसीमा एक नवंबर, 2022 है।

आपको बता दें कि अनिल अंबानी की रिलायंस नवल एंड इंजीनियरिंग भी इंसॉल्वेंसी एंड बैंक्रप्सी कोड के तहत दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही है। इस वजह से रिलायंस नवल की भी डी-लिस्टिंग हो चुकी है और अब ट्रेडिंग नहीं होती है।

शार्ट न्यूज

पाटीदार के शतक से भारत-ए मजबूत

बेंगलुरु। भारत-ए ने रजत पाटीदार (109 नाबाद) के शतक और रुतुराज गायकवाड़ (94) के प्रभावशाली अर्द्धशतक की बदौलत न्यूजीलैंड-ए को तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को 416 रन का लक्ष्य दिया। भारत ने पहली पारी में 56 रन की बढ़त हासिल करने के बाद दूसरी पारी में 359 रन बनाये, जबकि न्यूजीलैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट के नुकसान पर 20 रन बना लिये हैं। पाटीदार ने भारत के लिये दूसरी पारी में सर्वाधिक 109 रन बनाये। उन्होंने 135 गेंदों की अपनी पारी में 13 चौके और दो छक्के लगाये। पहली पारी में शतक जड़ने वाले गायकवाड़ यहां भी शतक के बेहद करीब आये लेकिन 164 गेंदों पर 11 चौकों की सहायता से 94 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। कप्तान प्रियांक पांचाल ने ठीक लंच पर आउट होने से पहले 62(114) रन की पारी खेली। सरफराज खान ने 74 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों से सजी 63 रन की पारी में कुछ बेहतरीन शॉट खेले, लेकिन तेज रन खोजने के प्रयास में वह रचिन रविंद्र की फुलटॉस गेंद पर मिडविकेट के फील्डर को कैच थमा बैठे। रचिन ने इसी ओवर में उपेंद्र यादव और शार्दुल ठाकुर का विकेट लिया, जिसके बाद भारत-ए ने पारी 359/7 के स्कोर पर घोषित कर दी। तीसरे दिन स्टंप्स से पहले सौरभ कुमार ने रविंद्र (12) को पगबाधा करके पवेलियन लौटा दिया है, जबकि जो कार्टर (06 नाबाद) और जो वॉकर शून्य रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

दिल्ली एफसी खिताबी दौड़ में अव्वल, वायुसेना पस्त

नयी दिल्ली। प्रीमियर लीग खिताब की प्रबल दावेदार दिल्ली एफसी ने मैन ऑफ द मैच नाइजीरियन कोफी डेसमस आर्थर के दो शानदार गोलों की मदद से शनिवार को भारतीय वायुसेना को 2-0 से हराकर पूरे अंक अर्जित किए। इस जीत के साथ विजेता टीम ने 17 मैचों में 36 अंक जुटा लिए हैं। दिन के पहले मैच में तरुण संघा ने हिंदुस्तान एफसी को कड़े मुक़ाबले में 2-1 से हराकर अपना बचाव तो किया लेकिन पराजित टीम की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। विजेता के गोल स्टेनले और जो मेस्सी ने जमाए। दिल्ली एफ सी और वायु सेना के बीच कांटे का मुकाबला हुआ लेकिन शुरुआती मिनटों में कोफी आर्थर की दर्शनीय फ्री किक और मैच समाप्ति के चंद मिनट पहले पेनल्टी पर जमाये गोल से वायुसेना को एक और करारा झटका लगा। दूसरी ओर, मोहम्मद असद के शुरुआती गोल से बढ़त लेने के बाद हिंदुस्तान अपनी हार की जिम्मेदार खुद रही। कमजोर रक्षापंक्ति का फायदा उठाते हुए तरुण संघा के मैन ऑफ द मैच नाइजीरियन स्टेनले और जोए मेस्सी ने शानदार गोल जमाए। दोनों टीमें खिताबी दौड़ से बाहर हैं।

भारत की बधिर क्रिकेट टीम की मदद करेगी हीरो मोटोकॉर्प

नयी दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी मोटरसाइकिल एवं स्कूटर विनिर्माण कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) के साथ साझेदारी की घोषणा करते हुए कहा है कि वह आगामी बधिर आईसीसी टी20 चैंपियन्स ट्रॉफी के लिये आईडीसीए टीम को आवश्यक प्रशिक्षण उपकरण प्रदान करेगी। हीरो मोटोकॉर्प ने आईडीसीए के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की सूचना देते हुए कहा, हीरो मोटोकॉर्प एक से नौ अक्टूबर के बीच शारजाह, संयुक्त अरब अमीरात में होने वाली आगामी डेफ इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (डीआईसीसी) टी20 चैंपियंस ट्रॉफी 2022 के लिए आईडीसीए टीम को आवश्यक प्रशिक्षण उपकरण प्रदान करेगा। साथ ही, इस साल के अंत में होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिये भी टीम को सहायता दी जायेगी। हीरो मोटोकॉर्प एक प्रशिक्षण शिविर का भी समर्थन कर रहा है जो वैश्विक टूर्नामेंट के लिए टीम को तैयार करने के लिए 16-29 सितंबर के बीच आयोजित किया गया है। आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा, हम हीरो मोटोकॉर्प के आभारी हैं कि उन्होंने आगामी चैंपियनशिप के लिए हमारी मदद का वादा किया। यह उदार भाव हमें देश भर की प्रतिभाओं के साथ एक सर्वश्रेष्ठ टीम बनाने में मदद करेगा और उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए प्रशिक्षित करेगा।

रियल कबड्डी लीग सीजन दो 21 सितम्बर से

जयपुर। रियल कबड्डी लीग (आरकेएल) सीजन दो का आयोजन 21 से 30 सितम्बर तक यहां जयपुर में जी स्टूडियोज में किया जाएगा। आरकेएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शुभम चौधरी ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सीतापुरा स्थित जी स्टूडियोज में 21 से 30 सितम्बर तक चलने वाली इस दस दिवसीय लीग में कुल आठ टीमें भाग ले रही है। टीमों के नाम जयपुर जगुआर्स , मेवाड़ मॉन्क्स , बीकाना राइडर्स , जोधाणा वॉरियर्स , सूफी टाइगर्स , शेखावटी किंग्स , चंबल पाइरेट्स और सिंह सूरमा है। लीग में कुल 32 मैच खेले जायेंगे। लीग को केईआई वायर्स एंड केबल ने प्रायोजित किया है। लीग मैचों का सीधा प्रसारण जिओ टीवी एवं स्पोटर्स टाइगर और यूट्यूब पर किया जाएगा। लीग के सह संस्थापक एवं डिजिटल विशेषज्ञ नवीन चौधरी ने बताया कि 21 सितम्बर को लीग के उद्घाटन पर बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया और अन्तर्राष्ट्रीय पहलवान एवं लीग के मुख्य संरक्षक संग्राम सिंह उपस्थित रहेंगे तथा 29 सितम्बर तक लीग मैचों के दौरान गायक स्वरुप खान , प्रसिद्ध कॉमेडियन श्याम रंगीला , गुलाबो सपेरा सहित अन्य कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। फाइनल मुकाबला 30 सितम्बर को खेला जायेगा। उस दिन एमटीवी स्टार रणविजय सिंह और पंजाबी गायक सुनंदा शर्मा अपनी लाइव प्रस्तुति देंगे। उन्होंने कहा कि लीग का उद्देश्य देश के युवा खिलाड़ियों का चयन करना और उन्हें प्रोत्साहित करना है।

शेन बॉन्ड बने एमआई अमीरात के मुख्य कोच

मुंबई/अबू धाबी। मुंबई इंडियन्स के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी एमआई अमीरात ने शेन बॉन्ड को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। एमआई अमीरात ने शनिवार को यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियन्स के गेंदबाजी कोच की भूमिका निभा रहे बॉन्ड अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की इंटरनेशन लीग टी20 में फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच की जिम्मेदारियां संभालेंगे। फ्रेंचाइजी ने अपने कोचिंग दल की घोषणा करते हुए कहा कि पार्थिव पटेल टीम के बल्लेबाजी कोच जबकि विनय कुमार को गेंदबाजी कोच चुना गया है। मुंबई इंडियन्स के पूर्व ऑलराउंडर जेम्स फ्रैंकलिन टीम के फील्डिंग कोच होंगे। यूएई क्रिकेट में अनुभव रखने वाले रॉबिन सिंह को एमआई अमीरात का क्रिकेट महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है। शेन बॉन्ड ने 2015 में मुंबई इंडियन्स का दामन थामा था, जबकि रॉबिन सिंह 2010 से इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं। पार्थिव और विनय दोनों ही 2015 एवं 2017 में आईपीएल का खिताब जीतने वाली मुंबई इंडियन्स टीम में शामिल थे। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश एम अंबानी ने कहा, मैं शेन, रॉबिन, पार्थिव, विनय और जेम्स का एमआई अमीरात में उनकी नयी भूमिकाओं में स्वागत करता हूं। एमआई का एक अभिन्न अंग रह चुकी यह कोचिंग टीम उन मूल्यों से अच्छी तरह वाकिफ है जो एमआई को बनाते हैं। मुझे यकीन है कि वे एमआई अमीरात को एक ऐसी टीम बनाने में सक्षम होंगे जो उत्साही एमआई प्रशंसकों के प्यार को आकर्षित करे।

हरभजन-इरफान मुकाबले से शुरू होगी नवाब नगरी में लीजेंड्स की जंग

लखनऊ। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना इंटरनेशनल स्टेडियम पर रविवार से लीजेंड लीग के दूसरे चरण के मुकाबलों की शुरुआत भीलवाड़ा किंग्स और मणिपाल टाइगर्स के बीच भिड़ंत से होगी। मणिपाल टाइगर्स की कमान भारत के सबसे सफल स्पिनरों में से एक हरभजन सिंह के हाथों में है, वहीं भीलवाड़ा किंग्स की कप्तानी अपने स्विंग से बल्लेबाजों को थर्रा देने वाले हैंडसम हंक इरफान पठान कर रहे हैं।

लखनऊ चरण के तहत दूसरे मैच में 19 सितंबर को गुजरात जाएंट्स का सामना मणिपाल टाइगर्स से होगा और फिर तीसरे और अंतिम मैच में 21 सितम्बर को भीलवाड़ा किंग्स और इंडिया कैपिटल्स का मुकाबला होगा। 20 सितम्बर को आराम का दिन होगा।

हरभजन की टीम में ब्रेट ली, एंड्रयू फ्लिंटॉफ, रोमेश कालुविथाराना, दिमित्री मास्करेनहास, लांस क्लूजनर, मोहम्मद कैफ, कोरी एंडरसन, इमरान ताहिर, डैरेन सैमी और मुथैया मुरलीधरन अपने पुराने रंग से दर्शकों के बीच रोमांच पैदा करेंगे जबकि इरफान विस्फोटक बल्लेबाज भाई यूसुफ पठान, टीनो बेस्ट, ओवैस शाह,

टिम ब्रेसनन, शेन वॉटसन, एस. श्रीसंत, फिदेल एडवर्ड्स, नमन ओझा और मोंटी पनेसर की बदौलत ताल ठोकते नजर आएंगे। लीजेंड्स लीग क्रिकेट का सीजन 2 चार-टीमों का फ्रैंचाइज़ी मॉडल है। कोलकाता और लखनऊ के अलावा इसके मैच नई दिल्ली, कटक और जोधपुर में भी खेले जाएंगे। लीग के सभी 16 मैचों सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जा रहा है। साथ ही डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर चार भाषाओं- अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में इसकी स्ट्रीमिंग भी की जा रही है।

टीमें इस प्रकार हैं

मणिपाल टाइगर्स : हरभजन सिंह (कप्तान), ब्रेट ली, एंड्रयू फ्लिंटॉफ, वीआरवी सिंह, परविंदर अवाना, रितिंदर सिंह सोढ़ी, रोमेश कालुविथाराना, दिमित्री मस्करेनहास, लांस क्लूजनर, रेयान साइडबॉटम, मोहम्मद कैफ, फिल मस्टर्ड, कोरी एंडरसन, इमरान ताहिर, डैरेन सैमी और मुथैया मुरलीधरन। भीलवाड़ा किंग्स : इरफान पठान (कप्तान), यूसुफ पठान, सुदीप त्यागी, टीनो बेस्ट, ओवैस शाह, टिम ब्रेसनन, शेन वॉटसन, एस. श्रीसंत, निक कॉम्पटन, मैट प्रायर, समित पटेल, फिदेल एडवर्ड्स, विलियम पोर्टरफील्ड, नमन ओझा और मोंटी पनेसर।

भारतीय हॉकी टीमों ने मारिन को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी

बेंगलुरु। भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने शनिवार को पूर्व मुख्य कोच सोजर्ड मारिन की नयी किताब में लगाये गये आरोपों पर कड़ी आपत्ति जताई और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

कोच मारिन ने अपनी किताब विल पावर: दी इन्साइड स्टोरी ऑफ दी इंक्रेडिबल टर्नअराउंड इन इंडियन हॉकी में आरोप लगाया है कि पुरुष टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह के कहने पर एक खिलाड़ी ने जानबूझकर खराब प्रदर्शन किया था।

मारिन के अनुसार 2017 में जब वह भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच थे, तब उन्होंने एक युवा खिलाड़ी को राष्ट्रमंडल खेल 2018 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिये चुना था। मारिन उस युवा खिलाड़ी की सफलता को लेकर बहुत सकारात्मक थे लेकिन वह खिलाड़ी उस स्तर का प्रदर्शन नहीं कर सका।

कोच मारिन ने कहा कि पहले उन्हें संशय हुआ कि खिलाड़ी दबाव के कारण अच्छा नहीं खेल पा रहा, लेकिन बाद में उन्हें पता चला कि मनप्रीत ने कथित तौर पर खिलाड़ी से इतना अच्छा न खेलने के लिये कहा है, ताकि

वह अपनी पसंद के खिलाड़ी को टीम में ला सकें।

इस आरोप पर आपत्ति जताते हुए खिलाड़ियों ने कहा है कि यह पूरी तरह से विश्वास का उल्लंघन है और इससे खिलाड़ी पूरी तरह असुरक्षित महसूस करेंगे।

उन्होंने कहा, हमने आज प्रेस में भूतपूर्व मुख्य कोच सोजर्ड मारिन द्वारा लगाये गये कुछ परेशान करने वाले आरोप देखे हैं। हम अपनी व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग और झूठे आरोपों पर अपनी गहरी निराशा व्यक्त करने के लिए एक साथ आये हैं। उन्होंने हमारे कोचिंग के समय का उपयोग व्यावसायिक लाभ के लिए, हमारी प्रतिष्ठा के बदले अपनी पुस्तक को बेचने के लिए किया है।

हॉकी इंडिया में मारिन का प्रवेश 2017 में हुआ जब उन्हें भारतीय महिला टीम का कोच चुना गया।

राष्ट्रीय टीम की नियमित खिलाड़ी बनना चाहती हूं : मुमताज

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत की युवा महिला हॉकी खिलाड़ी मुमताज़ ख़ान ने शनिवार को कहा कि वह वरिष्ठ महिला हॉकी टीम की नियमित खिलाड़ी बनना चाहती हैं, जिसके लिये वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये तैयार हैं। मुमताज़ ने हॉकी इंडिया से कहा, मैं राष्ट्रीय टीम की नियमित खिलाड़ी बनना चाहती हूं। उसके लिये मुझे बेहद मेहनत करनी होगी। मैं अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिये अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगी और देश के लिये मैच एवं पदक जीतने में योगदान दूंगी।

भारत के सबसे उज्ज्वल युवा खिलाड़ियों में से एक मुमताज़ को एफआईएच स्टार अवॉर्ड्स 2021-22 में साल का उभरता हुआ सितारा% पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया है।

मुमताज ने नामांकन के बारे में कहा, मैं एफआईएच साल का उभरता हुआ सितारा (महिला) पुरस्कार के लिए नामांकित होने पर बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ा क्षण है और वह भी मेरे करियर की शुरुआत में। यह उपलब्धि हालांकि मेरी नहीं है बल्कि पूरी टीम के एक साथ अच्छे से काम करने का परिणाम है। इस तरह की मान्यता बहुत प्रेरक है।

उन्नीस वर्षीय मुमताज भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की उत्कृष्ट खिलाड़ी रह चुकी हैं। उन्होंने 2022 एफआईएच जूनियर विश्व कप में सर्वाधिक आठ गोल किये थे, जबकि भारत टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर रहा था।

मुमताज ने जूनियर टीम के अनुभव पर कहा, 2022 एफआईएच जूनियर विश्व कप एक कठिन टूर्नामेंट था लेकिन हमने अच्छा खेला और मैं इस तथ्य से खुश हूं कि मैंने इतने गोल किए। लेकिन अगर हम पोडियम पर समाप्त होते तो मुझे खुशी होती।

चोट के कारण काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हुए उमेश, भारत लौटे

लंदन। इंग्लैंड काउंटी क्रिकेट में मिडलसेक्स के लिये खेलने वाले भारतीय तेज गेंदबाज उमेश यादव चोटग्रस्त होने के बाद बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब के लिये भारत लौट आये हैं।

रॉयल लंदन कप में मिडलसेक्स और ग्लॉस्टरशर के बीच 21 अगस्त को खेले गये मुकाबले के दौरान उमेश की जांघ की मांसपेशियों में चोट आयी थी। भारत लौटने के कारण उमेश काउंटी चैंपियनशिप में मिडलसेक्स के अंतिम दो मैचों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

क्लब ने शनिवार को जारी बयान में कहा, मिडलसेक्स क्रिकेट खेद के साथ यह घोषणा करता है कि हमें इस बात से अवगत कराया गया है कि उमेश यादव क्लब के साथ सीजन खत्म करने के लिए लंदन नहीं लौटेंगे, और अपनी मांसपेशियों की चोट के कारण काउंटी चैंपियनशिप में आगे हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

अगले सप्ताह लेस्टरशर और उसके अगले सप्ताह वोस्टरशर सहित इस सीजन में कुल दो मैच शेष हैं। मिडलसेक्स को उम्मीद थी कि भारत के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी क्लब में अपनी भूमिका निभायेंगे।

मिडलसेक्स ने बताया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चिकित्सीय टीम ने उमेश का इलाज और एक गेंदबाजी कार्यक्रम शुरू कर दिया है। क्लब ने कहा, चोट लगने के बाद दायें हाथ के तेज गेंदबाज ने बीसीसीआई की मेडिकल टीम के साथ एक आकलन के लिए भारत की यात्रा की, जहां उन्होंने चोट के इलाज और रिहैब के साथ-साथ भारतीय राष्ट्रीय चिकित्सा टीम की चौकस निगाह में %बैक टू बॉलिंग कार्यक्रम की शुरुआत भी कर दी है।

उमेश भारत के लिये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 52 टेस्ट में 158 विकेट और 75 एकदिवसीय मैचों में 106 विकेट ले चुके हैं। वह अगले हफ्ते लेस्टर की यात्रा से पहले शनिवार को लंदन लौटने वाले थे।वह क्लब के लिए प्रथम श्रेणी और लिस्ट-ए दोनों प्रारूपों में खेलने के लिए जुलाई में मिडलसेक्स में शामिल हुए थे। उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप में छह पारियों में 71.50 की औसत से चार विकेट चटकाए, हालांकि रॉयल लंदन वन-डे कप में अपनी टीम के लिये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सात पारियों में 20.25 की औसत से 16 विकेट हासिल किए।

क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय की मौत का असर, कैडबरी चॉकलेट समेत 600 ब्रांड्स खो सकते हैं शाही सील

नई दिल्ली। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय अब इस दुनिया में नहीं हैं। उनकी मौत के बाद उनके बेटे किंग्स चार्ल्स तृतीय नए सम्राट हैं। क्वीन ब्रिटेन के इतिहास में सर्वाधिक 70 वर्षों तक राज करने वाली थीं। उन्होंने 96 साल की उम्र तक ब्रिटेन में शासन किया। अब उनकी मौत के बाद करीब 600 ब्रांड को शाही सील खोने का डर है। इन ब्रांड्स में कैडबरी चॉकलेट, मेसन टी, बरबेरी रेनकोट समेत कई चीजें हैं जो महारानी की पसंदीदा हुआ करती थी। इन ब्रांड्स ओनर को अब डर सता रहा है कि अगर किंग्स चार्ल्स ने इन ब्रांड्स को मंजूरी नहीं दी तो वे शाही सील खो देंगे। इससे इन्हें काफी नुकसान हो सकता है।

फोर्टनम, मेसन टी, बरबेरी रेनकोट, कैडबरी चॉकलेट और यहां तक कि

ब्रूमस्टिक और डॉग फूड निर्माता समेत 600 ब्रांड्स ओनर को ब्रिटेन के शाही सील खोने का डर है। यदि इन्हें नए सम्राट की स्वीकृति नहीं मिलती है, तो उनके पास शाही सील को हटाने के लिए दो साल का समय होगा जो उन्हें अन्य प्रतियोगी ब्रांड से अलग और यूनीक करता है।

किंग चार्ल्स के 150 पसंदीदा ब्रांड

ब्रिटेन के नए सम्राट किंग चार्ल्स तृतीय की तरफ से अभी तक इन ब्रांड्स को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है। हालांकि माना जा रहा है कि किंग्स समेत पूरा शाही परिवार अभी महारानी के राजकीय अंतिम संस्कार को लेकर व्यस्त है। बता दें कि किंग चार्ल्स ने राजकुमार के रूप में 150 से अधिक ब्रांड्स को स्वयं की शाही सील जारी की थी।

बेस्ट क्वालिटी बताती है शाही सील

इन ब्रांड्स के ऊपर शाही सील दर्शाता है कि ये बेस्ट क्वालिटी है क्योंकि इन पर शाही सील अंकित है। रॉयल वारंट होल्डर्स एसोसिएशन का कहना है कि धारकों को अपने उत्पाद, पैकेजिंग, स्टेशनरी, विज्ञापन, परिसर और वाहनों पर शाही सील लगाने का अधिकार होता है। कुछ कंपनियों के लिए, रॉयल एंडोर्समेंट ब्रिकी के लिए एक पावरफुल ट्रिक है, जिससे इनकी सेल पर काफी असर पड़ता है।

अफगानिस्तान में ही है जैश-ए-मोहम्मद सरगना मसूद अजहर; पाकिस्तान के विदेश मंत्री का दावा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर अफगानिस्तान में ही है। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान में उसकी मौजूदगी से इनकार करने के कुछ दिनों बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्री का यह बयान सामने आया है। इंडिया टुडे से बात करते हुए बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि मसूद अजहर का मुद्दा केवल भारत और पाकिस्तान के बीच नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि वह भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक त्रिपक्षीय मुद्दा बन गया है। बुधवार को तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने देश में मसूद अजहर की मौजूदगी के बारे में पाकिस्तानी मीडिया की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे आतंकवादी संगठन पाकिस्तान की धरती पर हैं। यहां तक कि वे आधिकारिक संरक्षण में भी काम कर सकते हैं।

मोदी ने रूस को पढ़ाया पाठ तो गदगद हुआ अमेरिका, कहा- अलग-थलग पड़ रहे हैं पुतिन

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच समरकंद में कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बैठक हुई। इस दौरान पीएम ने पुतिन को शांति का पाठ पढ़ाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का युग युद्ध का युग नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के इस संदेश से अमेरिका गदगद हो उठा है। व्हाइट हाउस ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन खुद को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अलग कर रहे हैं। शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के मौके पर पुतिन को पीएम मोदी के संदेश के बारे में पूछे जाने पर व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में शामिल जॉन किर्बी ने कहा, मुझे लगता है कि आपने जो उज्बेकिस्तान में भारत और चीन के नेताओं का संदेश सुना, इससे यह साफ संकेत कि पुतिन यूक्रेन में जो कुछ भी कर रहे हैं उसके प्रति किसी भी देश की सहानुभूति नहीं हैं। किर्बी ने आगे कहा, पुतिन खुद को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अलग कर रहे हैं। हमें विश्वास नहीं है कि यूक्रेन में जो कुछ भी हो रहा है उसके बाद अब रूस

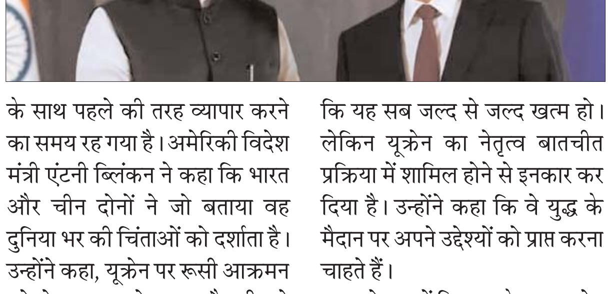

के साथ पहले की तरह व्यापार करने का समय रह गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि भारत और चीन दोनों ने जो बताया वह दुनिया भर की चिंताओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा, यूक्रेन पर रूसी आक्रमन को लेकर आप जो भारत और चीन से सुन रहे हैं, वह दुनिया भर की चिंताओं को दर्शाता है। पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक में पीएम मोदी ने कहा, मैं जानता हूं कि आज का युग युद्ध का नहीं है। हमने इस मुद्दे पर आपसे कई बार फोन पर चर्चा की है। लोकतंत्र, कूटनीति और संवाद के जरिए ही इसका समाधान निकाला जा सकता है। इसपर पुतिन ने कहा कि वह यूक्रेन संघर्ष पर पीएम मोदी के स्टैंड और चिंताओं से अवगत हैं। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि यह सब जल्द से जल्द खत्म हो। लेकिन यूक्रेन का नेतृत्व बातचीत प्रक्रिया में शामिल होने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे युद्ध के मैदान पर अपने उद्देश्यों को प्राप्त करना चाहते हैं।

आपको बता दें कि रूस के द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद भी भारत के द्वारा रूस से सस्ता तेल खरीदना जारी है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि भारत ने अपने लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया है। अमेरिकी मीडिया ने भी नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। वाशिंगटन पोस्ट ने कहा, यह एक दुर्लभ तिरस्कार है। 69 वर्षीय रूसी ताकतवर (पुतिन) को हर तरफ से असाधारण दबाव में देखा जा सकता है।

भारत चाहता है कि बंगलादेश में संसदीय चुनाव स्वतंत्र, स्वच्छ एवं निष्पक्ष हो- दोराईस्वामी

ढाका। बंगलादेश में भारत के निवर्तमान उच्चायुक्त विक्रम कुमार दोराईस्वामी ने कहा है कि बंगलादेश सरकार आगामी चुनावों को स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत आगामी संसदीय चुनावों को सभी दलों की भागीदारी के साथ स्वतंत्र, स्वच्छ और निष्पक्ष देखना चाहता है। दोराईस्वामी ने शनिवार (17 सितंबर) की सुबह सावर राष्ट्रीय स्मारक पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों से यह बात कही। उन्होंने कहा,हम बंगलादेश के लोगों को खुश देखना चाहते हैं। उनका विकास चाहते हैं और एक सफल लोकतंत्र देखना चाहते हैं। आपका लोकतंत्र आपका संतुलित विकास है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा बंगलादेश और उसके लोगों के साथ खड़ा रहा है और उसका विकास चाहता है तथा उसे खुश देखना चाहता है।उन्होंने कहा,बंगलादेश सरकार आगामी चुनावों को स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत आगामी संसदीय चुनावों को सभी दलों की भागीदारी के साथ स्वतंत्र, स्वच्छ और निष्पक्ष देखना चाहता है। दोराईस्वामी ने कहा कि उन्होंने अब तक अपने कार्यकाल के दौरान बंगलादेश की सफलता देखी है। उन्होंने कहा,हमारे मैत्रीपूर्ण संबंधों में सुधार हुआ है। यह जारी रहना चाहिए। मैं यही चाहता हूं। उस समय सावर सर्कल के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहिदुल इस्लाम, आशुलिया राजस्व मंडल के सहायक आयुक्त (भूमि) अनवर हुसैन, सावर लोक निर्माण विभाग के उपमंडल अभियंता अल अहसान अतीक और अन्य भी श्री दोराईस्वामी के साथ थे।

लंदन में शाहबाज, नवाज बैठक में करेंगे गिले-शिकवे दूर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ब्रिटेन की राजधानी लंदन में पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) (पीएमएल-एन) के सुप्रीमो और अपने बड़े भाई नवाज शरीफ के साथ तीन घंटे लंबी बैठक करेंगे। बताया जाता है कि महंगाई समेत विभिन्न मसलों पर श्री शरीफ सरकार के प्रदर्शन से नाखुश हैं। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार श्री शरीफ ब्रिटेन की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह महारानी एलिजाबेथ (द्वितीय) के अंतिम संस्कार में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करेंगे और पूर्व प्रधानमंत्री से मुलाकात भी करेंगे। इस मामले से जुड़े सूत्रों ने कहा है कि श्री शाहबाज अपनी उज्बेकिस्तान यात्रा के समापन के एक दिन बाद रविवार को इंग्लैंड का दौरा करेंगे। इससे पहले श्री शहबाज ने शंघाई सहयोग संगठन काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ स्टेट्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। लंदन में बैठक के दौरान सर्वश्री शाहबाज नवाज को देश की आर्थिक और राजनीतिक स्थिति से अवगत करा सकते हैं। गठबंधन सरकार अप्रैल में अपने गठन के बाद से राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता हासिल नहीं कर पाई है,जबकि पेट्रोल की बढ़ती कीमतों और बढ़ती महंगाई जैसे फैसलों के कारण श्री शाहबाज शरीफ की सरकार की आलोचना हुई है।

नेपाल : भूस्खलन में 17 लोग मारे गये

काठमांडू। नेपाल के अछाम जिले में शुक्रवार सुबह से लगातार मूसलाधार बारिश होने के कारण रात में हुए भूस्खलन में दबने से कम से कम 17 लोग मारे गये और अन्य पांच लापता हैं। एक स्थानीय अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जिले में कल सुबह से लगातार बारिश होने के कारण रात में भूस्खलन हुआ। इस दौरान सदूर-पश्चिमी नेपाल में जिले के तीन अलग-अलग हिस्सों में भूस्खलन होने से कुछ घर इसकी चपेट में आ गए। जिले के एक अधिकारी मिन राज आचार्य ने कहा, बचाव दल ने 17 लोगों के शव बरामद किए हैं और 11 घायलों को घटनास्थल से बचाया है। पांच लापता लोगों की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान के लिए सेना और पुलिस को तैनात किया गया है। आचार्य ने कहा कि घायलों में से तीन की हालत गंभीर है और उन्हें पड़ोसी प्रांत में इलाज के लिए एयरलिफ्ट किया गया है। हिमालयी देश के होने के कारण नेपाल में मानसून के दौरान भूस्खलन और अचानक बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बनी रहती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

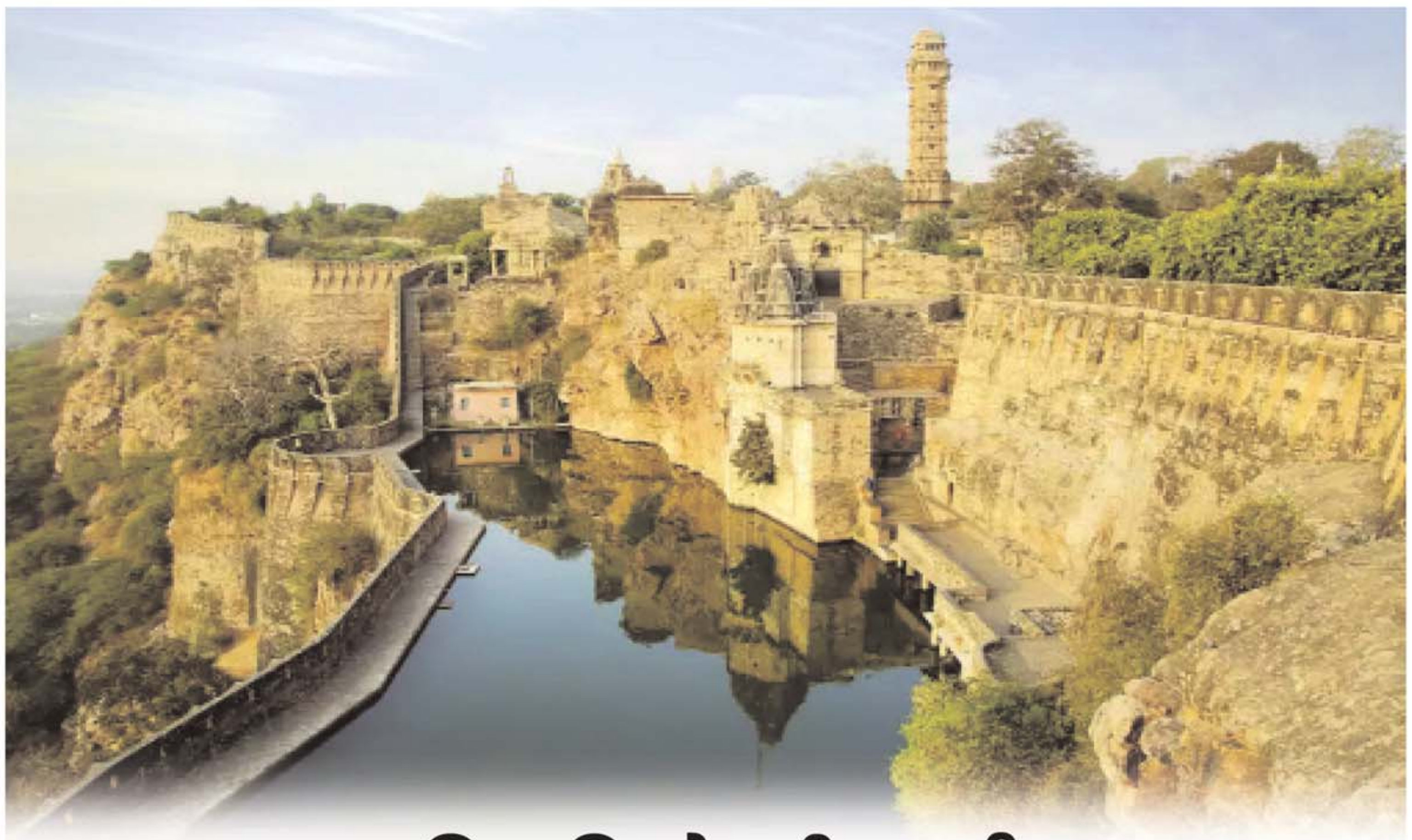

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है.कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया.तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए.जो मेरी बेटी थी.जो मेरा बेटा था.मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है.उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है.आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं.मैं चित्तौड़गढ़ हूं.आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों.राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे.पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना.हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है.हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया.मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो.जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा.मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया.रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया.फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए.सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता.लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया.वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था.लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया.सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा.ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी.कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था.लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका.रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ.13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी.उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया.1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए.राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया.महाराणा सांगा.महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए.इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई.मैं यानी चितौड़गढ़ किला अभेद्य था.पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी.साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था.लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे.और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईवी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी.राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी.हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है.राणा कंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था.तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे.रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी.जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया.एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया.तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे.मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी.16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया.मैंनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया.उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए.वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी.जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया.1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा.मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है.मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है.मैं सब जानता हूं.मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है.मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं.मैं चित्तौड़ हूं.

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया।

पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

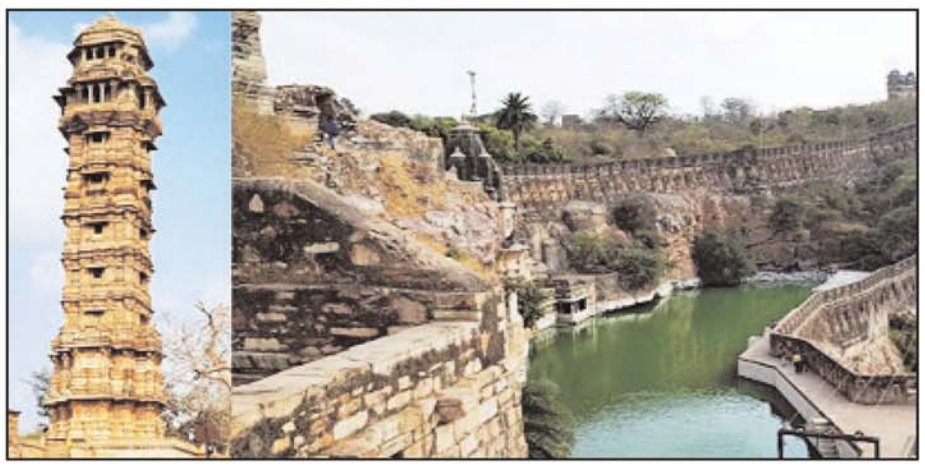

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है.यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्व है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था.इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चितौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यों सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे.इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्भ में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे ट प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है.इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है.इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चितौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमींन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चितौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है.उदाहरण के तोर पर चितौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्व है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चितौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चितौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.

CMYK CMYK CMYK CMYK